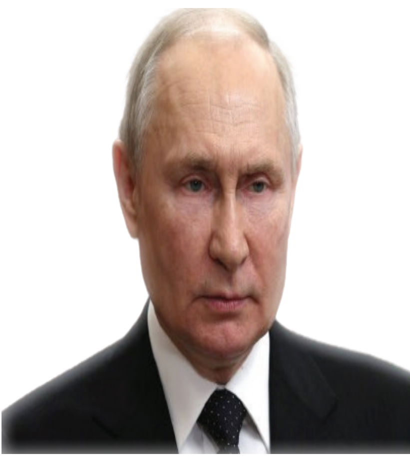

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 आरोप- पुतिन ने अपने विरोधी को एपिबैटिडीन जहर.......

टीपू सुल्तान की अंगूठी पर लिखा था राम...... 12

वर्ष : 16 ■ अंक : 283 ■ नई दिल्ली, सोमवार, 16 फरवरी , 2026 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 22.0°C

न्यूनतम तापमान 20.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	45%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,63,125
चांदी	3,14,921
सेंसेक्स	81,557
निफ्टी	25,175

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान में सड़क हादसा, कम से कम 11 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के खैरपुर जिले में टंडो मस्ती के पास एक और बालू ले जा रहे ट्रेलर की टक्कर में कम से कम 11 लोग मारे गए। मृतकों में नौ यात्री और बस के ड्राइवर और कंडक्टर शामिल हैं। यह बस पंजाब से कराची जा रही थी। आज सुबह यह जानकारी बचाव अधिकारियों ने दी। जियो न्यूज चैनल की रिपोर्ट में ईधी फाउंडेशन के हवाले से कहा गया है कि इस हादसे में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सभी का खैरपुर सिविल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद सिंध के पुलिस महानिरीक्षक ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खैरपुर को तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचने और बचाव कार्यों की निगरानी करने का निर्देश दिया। इस बीच, शुक्रवार को एम-9 मोटर-वे पर कथोरे के पास कई गाड़ियों की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा एक तेल टैंकर, एक बस और कई अन्य गाड़ियों के टकराने के बाद हुआ। बचाव अधिकारियों ने पुष्टि की कि मरने वालों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। टक्कर की वजह से कई यात्री पुल से गिर गए।

दिल्ली के आरके पुरम स्थित आभूषण की दुकान से तीन करोड़ रुपये के जेवर चोरी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के आरके पुरम स्थित एक आभूषण की दुकान से शनिवार तड़के लगभग तीन करोड़ रुपये के सोने और चांदी के जेवर कथित तौर पर चोरी हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि शुक्रवार शाम को दुकान बंद करते समय कुछ गहने अनजाने में तिजोरी के बाहर ही छूट गए थे। पुलिस ने बताया कि तिजोरी अगली सुबह सही सलामत मिली, लेकिन बाहर रखी चीजें गायब थीं। पुलिस के अनुसार, चोरी की गई वस्तुओं की सही मात्रा और मूल्य का फिलहाल पता नहीं चल पाया है, लेकिन इनकी कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये है।

लंबी दूरी की ट्रेन की सफाई के लिए प्रौद्योगिकी से लैस पेशेवर टीम की तैनाती होगी : वैष्णव

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने लंबी दूरी की ट्रेन में स्वच्छता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को एक सुधार की शुरूआत की, जिसके तहत प्रौद्योगिकी से लैस पेशेवर टीम की तैनाती की जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडियाकर्मियों को बताया कि सामान्य श्रेणी सहित सभी डिब्बों की सफाई आवश्यकतानुसार की जाएगी। यह कार्य तैनात सेवा प्रदाताओं के लिए स्पष्ट जिम्मेदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करके तथा ग्राहकों की अपेक्षाओं से बढ़कर प्रदर्शन करने वाली पेशेवर, अनुशासित और सक्रिय टीम को जोड़कर किया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि मौजूदा क्लीन ट्रेन स्टेशन योजना के तहत ट्रेन की सफाई उनके मार्ग में निर्धारित स्टेशन पर की जाती है। उन्होंने कहा कि नये सुधार के तहत अब प्रशिक्षित ट्रेन में सवार कर्मियों द्वारा यात्रा के दौरान प्रत्येक घंटे के अंतराल पर या आवश्यकता अनुसार सफाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निगरानी, फीडबैक और प्रदर्शन प्रबंधन प्रौद्योगिकी की सहायता से वास्तविक समय के आधार पर की जाएगी। उन्होंने

कहा कि इन सेवाओं में सभी कोच, शौचालयों और बेसिन की सफाई; कचरा संग्रहण; मामूली मरम्मत कार्य करना; आवश्यकता अनुसार पानी भरवाने का समन्वय तथा सुरक्षा उपकरणों की स्थिति की जांच और जानकारी देना शामिल होगा। यह कार्य प्रशिक्षित पर्यवेक्षकों और सेवा कर्मियों द्वारा किया जाएगा। वैष्णव ने कहा, सफाई की आवृत्ति को व्यस्त एवं गैर व्यस्त घंटों के आधार पर विनियमित किया जाएगा तथा प्रौद्योगिकी की मदद से सफाई प्रक्रिया की निगरानी के लिए निगरानी कक्ष स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सुधार के क्रियान्वयन के लिए 80 ट्रेन की पहचान की गई है और अनुभव के आधार पर इसे अन्य सभी ट्रेन में भी लागू किया जाएगा। मंत्री ने एक अन्य सुधार की भी घोषणा की, जिसके तहत रेलवे भूमि पर माल-संबंधी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि रेलवे की माल ढुलाई गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध अतिरिक्त रेलवे भूमि पर गोदाम, ग्राइंडिंग इकाइयों एवं प्रसंस्करण और समेकन इकाइयों के विकास की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कम उपयोग में आने वाले गोदामों को गति शक्ति कार्गो टर्मिनल और सामान सुविधाओं के रूप में विकसित किया जाएगा।

दिल्ली की हर जमीन का बनेगा आधार कार्ड मिलेगी 14 अंकों की विशिष्ट पहचान

दिल्ली में भू आधार के लागू होने से सीमा विवादों का होगा अंत: मुख्यमंत्री

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बड़ी पहल करते हुए राजधानी की हर जमीन को खास पहचान देने का फैसला किया है। अब दिल्ली में हर जमीन का ह्यआधार कार्डह्ल बनाया जाएगा। हर भूखंड को 14 अंकों की अलग पहचान संख्या दी जाएगी, जिसे यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर (यूएलपीआईएन) कहा जाएगा। इससे जमीन के रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित और व्यवस्थित हो जाएंगे। इस निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि इस व्यवस्था से जमीन से जुड़े विवाद कम होंगे, पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। यह केवल नंबर नहीं बल्कि भूमि विवाद और गड़बड़ियों के खिलाफ मजबूत डिजिटल हथियार है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यडिजिटल इंडियाह्ल अभियान को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम और क्रांतिकारी प्रयास है। इस प्रणाली को 'भू आधार' कहा जाता है।

मिशन मोड में काम करेगी दिल्ली सरकार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने योजना की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली में इस प्रणाली को लागू करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यह योजना

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय और भूमि संसाधन विभाग की है, जो देश की राजधानी के लिए बेहद आवश्यक है। मुख्यमंत्री के अनुसार केंद्र सरकार की यह योजना वर्ष 2016 की है, लेकिन पिछली सरकारों द्वारा इसे लागू नहीं किया गया। अब इसे ह्यमिशन मोडह्ल पर लिया जा रहा है। इसे लागू करने का जिम्मा राजस्व विभाग की आईटी शाखा को सौंपा गया है, जो भारतीय सर्वेक्षण विभाग से भी सहयोग प्राप्त करेगी।

जमीन विवाद निपटाने में प्रभावी होगी यह प्रणाली

मुख्यमंत्री के अनुसार इस प्रणाली के लागू होने से होने वाले विस्तृत लाभों की बात करें तो यह ह्यभू आधारह्ल भूमि स्वामित्व में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। इसका 14 अंकों का कोड भू संदर्भित होगा, जिससे जमीन की सीमाओं को लेकर होने वाले विवादों को न्यूनतम किया जा सकेगा। यह विभिन्न सरकारी विभागों के बीच भूमि डेटा के समन्वय में मदद करेगा और धोखाधड़ी वाले लेन-देन तथा बहु पंजीकरण पर प्रभावी रोक लगाएगा। नागरिकों के लिए इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि उन्हें अपनी जमीन की पहचान के लिए कई दस्तावेजों के चक्कर नहीं लगाने होंगे, एक ही नंबर से जमीन की पूरी जानकारी सामने आ जाएगी।

अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाएगा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस योजना को लागू करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग से करीब 2 टेराबाइट का हाई-क्वालिटी भू-स्थानिक डेटा और ड्रोन से ली गई विशेष तस्वीरें (ऑर्थो रेक्टिफाइड इमेज) ली जा रही हैं। इन आंकड़ों की मदद से दिल्ली के ग्रामीण इलाकों सहित उन सभी 48 गांवों के लिए सटीक यूएलपीआईएन तैयार किए जाएंगे, जो पहले से ह्यस्वामित्व योजनाह्ल में शामिल हैं। इस योजना के लिए पहले जारी किए गए 132.07 लाख रुपये का प्रबंधन भी आईटी शाखा ने ही किया था। अब सरकार एक तय प्रक्रिया (एसओपी) और चरणबद्ध समय सीमा के तहत इसे पूरी दिल्ली में लागू करने की तैयारी कर रही है। इस योजना की सफलता का उदाहरण पश्चिमी जिले के तिलंगपुर कोटला गांव में देखा गया है, जहां पायलट प्रोजेक्ट के तहत 274 यूएलपीआईएन रिकॉर्ड सफलतापूर्वक तैयार किए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री का क्रांतिकारी विजन है: सीएम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस योजना को दिल्ली के लिए बेहद उपयोगी बताया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का संदर्भ देते हुए कहा कि यूएलपीआईएन प्रणाली प्रधानमंत्री जी के डिजिटल इंडिया संकल्प को जमीन पर उतारने की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन है कि तकनीक का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी रूप से पहुंचे और भू आधार इसी दिशा में बड़ा प्रयास है।

सीबीडीसी आधारित पीडीएस की शुरूआत कर अमित शाह ने कहा- बिचौलियों की भूमिका होगी खत्म

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरूआत की। साथ ही उन्होंने राशन बांटने वाली अन्नपूर्णा मशीन का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से डिजिटल इंडिया का विस्तार अब राशन वितरण तक हो गया है। यह प्रणाली गरीबों को सस्ता अनाज देने की व्यवस्था को आधुनिक, सरल और पारदर्शी बनाएगी। गरीबों को मिलने वाले राशन में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से गरीबों को डिजिटल माध्यम से सीधे राशन मिलेगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भ्रष्टाचार कम हुआ, वैसे ही यह व्यवस्था राशन वितरण में पारदर्शिता लाएगी। गृह मंत्री ने अन्नपूर्णा मशीन का भी शुभारंभ किया। यह मशीन 35 सेकंड में 25 किलो अनाज वितरित कर सकती है। उन्होंने कहा कि इससे सही मात्रा और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। अमित शाह ने कहा कि अगले तीन से चार सालों में इस प्रणाली को पूरे देश में लागू किया जाएगा। इससे हर पात्र व्यक्ति को उसका अधिकार का राशन पारदर्शी तरीके से मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार देश के 80 करोड़ लोगों को हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज दे रही है। नई व्यवस्था से खाद्य सुरक्षा प्रणाली और मजबूत होगी। सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

अमित शाह ने राहुल को दी किसी भी मंच पर आने की चुनौती

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में भारत की पहली सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर जमकर प्रहार किया और यूएस ट्रेड डील पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं कि यूरोपीय यूनियन, इंग्लैंड के साथ एफटीए और अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हित को नुकसान पहुंचाया है। मैं राहुल गांधी को चैलेंज देना चाहता हूं, कोई भी मंच तय कर लीजिए, भाजपा के युवा मोर्चा का अध्यक्ष आकर बहस कर लेगा कि किसानों का नुकसान किसने किया है। उन्होंने कहा कि मैं देश के किसानों से कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं और आपको गुमराह कर रहे हैं। इंग्लैंड और यूरोपीय यूनियन के साथ हुए एफटीए और अमेरिका से हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हितों की सुरक्षा की है। तीनों समझौतों में डेयरी क्षेत्र को भी पूरी तरह सुरक्षा देने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है।

देश में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, 10 महीनों में 52,537 मेगावाट जुड़ी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। देश में चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 10 महीनों में बिजली उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है।

इस वित्तवर्ष में अब तक का सबसे बड़ा इजाफा करते हुए बिजली उत्पादन 11 फीसदी से ज्यादा बढ़ोत्तरी हुई है। देश के कुल बिजली उत्पादन में 52,537 मेगावाट की बढ़ोत्तरी के साथ कुल बिजली उत्पादन 5,20,510.95 मेगावाट हो गया। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार, इस साल 31 जनवरी तक बढ़ी कुल क्षमता में 39,657 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से है।

इसमें 34,955 मेगावाट सौर ऊर्जा और 4,613 मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि यह एक साल में अब तक की सबसे बड़ी क्षमता वृद्धि है। इससे पहले 2024-25 में 34,054 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई थी। देश की कुल स्थापित क्षमता में 2,48,541.62 मेगावाट जीवाश्म ईंधन आधारित है। जबकि 2,71,969.33 मेगावाट क्षमता गैर-जीवाश्म स्रोतों से है। गैर-जीवाश्म स्रोतों में 8,780 मेगावाट परमाणु ऊर्जा शामिल है। वहीं 2,63,189.33 मेगावाट क्षमता नवीकरणीय ऊर्जा से है।

एआई इम्पैक्ट समिट से पहले 70 टीमें अंतिम चरण के लिए चयनित

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में होने वाले कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सम्मेलन से पहले तीन वैश्विक एआई चुनौती प्रतियोगिता के फाइनलिस्ट घोषित कर दिए हैं। इन चुनौतियों में 60 से अधिक देशों से 4,650 से ज्यादा आवेदन किए गए थे। इनमें से 70 टीमों को फाइनल के लिए चुना गया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय अनुसार चयनित टीमें 16 और 17 फरवरी को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम और सुषमा स्वराज भवन में अपने समाधान प्रस्तुत करेंगी। यहां ग्रैंड फिनाले और पुरस्कार समारोह आयोजित होगा। मंत्रालय ने बताया कि एआई फॉर ऑल चैलेंज में 1,350 से ज्यादा आवेदन आए थे। इसमें 20 टीमों का चयन किया गया। इन टीमों ने स्वास्थ्य, कृषि, जलवायु और शिक्षा से जुड़े एआई समाधान विकसित किए हैं। ह्यएआई बाय हरह्ल के चैलेंज में 800 से ज्यादा आवेदन किए गए। इसमें 30 महिला नेतृत्व वाली टीमों को चुना गया। इन टीमों ने कैंसर जांच, हेल्थ टेक और डिजिटल सेवाओं से जुड़े समाधान तैयार किए हैं। युवाई ग्लोबल यूथ चैलेंज में 2,500 से ज्यादा आवेदन किए गए। इसमें 13 से 21 वर्ष के युवाओं ने भाग लिया। इसमें 20 टीमों को फाइनलिस्ट बनाया गया। इन टीमों ने बीमारी पहचान, कृषि, बाढ़ चेतावनी और डीपफेक पहचान से जुड़े समाधान तैयार किए हैं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका डील पर सरकार से पूछे 5 सवाल

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका डील को लेकर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं। इस दौरान, राहुल गांधी ने सरकार से डील को लेकर पांच सवाल किए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमेरिका ट्रेड डील के नाम पर हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं। मैं सरकार से कुछ आसान सवाल पूछना चाहता हूं। उन्होंने पहला सवाल किया कि डीडीजी इंपोर्ट करने का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को जीएम अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर्स अनाज खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे? उन्होंने दूसरा सवाल किया कि अगर हम जीएम सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे?

भारतीय सेना ने बीते वर्ष बचाई 28 हजार से अधिक नागरिकों की जान

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। बीते वर्ष 2025 में भारतीय थलसेना ने 10 राज्यों में 80 से अधिक स्थानों पर 141 टुकड़ियां तैनात कीं। हालांकि सेना की इन टुकड़ियों की तैनाती का मकसद कोई युद्धक तैयारी नहीं, बल्कि शांति और सहायता था। इन अभियानों के दौरान भारतीय सेना ने 28 हजार 293 नागरिकों को बचाया। वहीं 7,318 लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। यही नहीं, आपदा में फंसे 2,617 व्यक्तियों तक भारतीय सेना ने बेहद आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचाई। युद्धभूमि से अलग सेना के ये प्रयास उसे आपदा राहत का अग्रदूत बनाते हैं। भारतीय सेना ने न केवल देश में बल्कि मुसीबत आने पर विदेशों में भी बचाव अभियान चलाए हैं। म्यांमार में आए भूकंप के बाद भारत सरकार ने मार्च 2025 में ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया था। इसके अंतर्गत म्यांमार में भारतीय थलसेना को तैनात किया गया था। यहां तैनात जवानों ने प्रभावित क्षेत्रों में 60 बिस्तरों वाले फील्ड अस्पताल तैयार किए और मात्र दो सप्ताह के भीतर 2,500 से अधिक भूकंप प्रभावित लोगों को चिकित्सा उपचार प्रदान किया। केंद्र सरकार के मुताबिक, इस दौरान छह विमानों और भारतीय नौसेना के पांच जहाजों के माध्यम से लगभग 750 मीट्रिक टन आपदा राहत सामग्री प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई गई। मुसीबत में फंसे पड़ोसी को मदद पहुंचाने का एक बड़ा उदाहरण अभी हाल ही में श्रीलंका में देखने को मिला। बीते दिनों चक्रवात दितवाह के बाद श्रीलंका में संपर्क व्यवस्था बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसको बहाल करने में भारतीय सेना ने अहम योगदान दिया। यहां 2,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकालने और 1,058 टन राहत सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से ऑपरेशन सागर बंधु संचालित किया गया। इस अभियान के दौरान भारतीय वायुसेना ने विदेशी नागरिकों सहित 264 जीवित बचे लोगों को सफलतापूर्वक निकाला। केंद्र सरकार के अनुसार, मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान भारत की वैश्विक भागीदारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारत आंतरिक रूप से और प्रभावित देशों को समय पर, समन्वित तथा सुव्यवस्थित सहायता प्रदान करता है। प्रतिकूल वातावरण में भी कार्य करने की क्षमता, संगठनात्मक कौशल व रसद संबंधी जानकारी सशस्त्र बलों को एचएडीआर अभियानों के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। यह बार-बार स्पष्ट हुआ है कि भारतीय सशस्त्र बल आपदा की स्थिति में पहले प्रतिक्रिया देने वाले साबित हुए हैं। इसका उद्देश्य आपदाओं के दौरान नागरिक क्षमताओं के चरमरा जाने पर शीघ्र, कुशल, समन्वित और प्रतिक्रियाशील प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। जब नागरिक क्षमताएं सीमित हो जाती हैं, तो भारत सरकार अक्सर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राहत प्रयासों को बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों को तैनात करती है। केंद्र का कहना है कि भारतीय सेना बचाव एवं राहत कार्यों के लिए सैनिकों की तैनाती, क्षेत्रीय अस्पतालों की स्थापना, आवश्यक बुनियादी ढांचे की बहाली और मानवीय सहायता पहुंचाने का कार्य करती है। भारतीय नौसेना विदेशों से भारतीय नागरिकों को निकालने, राहत सामग्री के परिवहन और समुद्री एवं तटीय सहायता के लिए जहाजों तथा हेलीकॉप्टरों की तैनाती के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वहीं भारतीय वायुसेना प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री, चिकित्सा दल और आपदा प्रतिक्रिया कर्मियों को पहुंचाने के साथ-साथ निकासी एवं बचाव अभियान चलाकर रणनीतिक व सामरिक हवाई सहायता प्रदान करती है। इन प्रयासों के पूरक के रूप में, भारतीय तटरक्षक बल चक्रवात, सुनामी, भूकंप, तेल संयंत्रों में आग और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ के दौरान सहायता प्रदान करता है, जिससे त्वरित प्रतिक्रिया तथा समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित होती है। भारतीय सशस्त्र बल, देश की संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा के अपने मूल दायित्व का निर्वहन करते हुए, मानवीय सहायता में भी अग्रणी व प्रथम प्रतिक्रिया बल के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भारी बारिश से न्यूजीलैंड बेहाल: हाईवे पर वाहन समेत डूबा शख्स, मौसम विभाग ने जारी की रेड वार्निंग

प्रात: किरण, एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के विभिन्न प्रांत भारी बारिश की मार झेल रहे हैं। देश के मौसम ब्यूरो ने कई इलाकों के लिए ऑरेंज और रेड वॉर्निंग जारी की है। ब्यूरो के अनुसार रविवार देर रात मौसम और खराब हो सकता है। एक दिन पहले ही बाढ़ की वजह से कई इलाकों में बिजली चली गई थी, सड़कें टूट गई थीं, और लोगों को घर खाली कराने पड़े थे। न्यूजीलैंड के मौसम ब्यूरो ने चेतावनी दी है कि देश के उत्तरी क्षेत्र में और बाढ़ आ सकती है। शनिवार को ही हाईवे पर गाड़ी डूबने से एक शख्स की मौत हो गई थी। मौसम ब्यूरो ने कहा कि नॉर्थ आइलैंड के पूर्व में गहराते लो-प्रेशर सिस्टम की वजह से कई इलाकों में भारी बारिश

और तेज आंधी आ सकती है। नदी खतरे के निशान से ऊपर बह सकती है जिससे भारी बाढ़ और फिसलन से जान को खतरा हो सकता है। मेट विभाग की वेबसाइट और सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि सबसे खराब मौसम का अनुमान रविवार देर रात का है, जिसके बाद सोमवार को हालात में धीरे-धीरे सुधार आ सकता है। शुक्रवार को देश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई जिसके बाद नदियों में पानी भर गया और बाढ़ आ गई। रविवार को अधिकारियों ने वाइपा और ओटोरोहंगा जिलों के लिए इमरजेंसी स्थिति लागू कर दी। यहां ज्यादा खेती होती है और लगभग 10,000 लोग रहते हैं। यह देश के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर ऑकलैंड से 180 किमी (112 मील) दक्षिण में है। वहीं, एनर्जी कंपनी पावरको ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि नॉर्थ आइलैंड पर लगभग 4,291 प्रॉपर्टीज में बिजली नहीं है। मौसम का असर उड़ानों पर भी पड़ा है, कई फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। आरएनजेड (रेडियो न्यूजीलैंड) से बात करते हुए एयर न्यूजीलैंड के सीओओ एलेक्स मैरॉन ने कहा, तेज हवाओं की वजह से, रविवार दोपहर से हमने वेलिंगटन आने-जाने वाली सभी क्षेत्रीय उड़ानें रद्द करने का फैसला किया है।

मकड़ों में हर घर नल से नहीं टपक रहा जल

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। जल जीवन मिशन के तहत शतप्रतिशत नल कनेक्शन का दावा करने वाले ताड़ीखेत ब्लॉक के मकड़ों गांव की जमीनी हकीकत कागजी रिकॉर्ड से अलग नजर आ रही है। गांव में नल तो लगा दिए गए हैं, लेकिन अधिकांश नलों से सप्ताह में दो दिन भी पानी नहीं मिल रहा है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है और योजना की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।वर्ष 2024 में चयनित इस गांव में चौकुनी के पास पुरानी योजना से करीब साढ़े चार किमी लाइन बिछाई गई। लगभग 21 लाख रुपये से मकड़ों पीपलटाना के 180 परिवारों के 750 से अधिक लोगों को जलापूर्ति से जोड़ने की कवायद की गई। गांव में करीब 150 संयोजन दिए गए, लेकिन आपूर्ति अनियमित बनी हुई है। ग्रामीणों ने शीघ्र समस्या के समाधान की मांग की है।अल्मोड़ा जिले के 841 गांवों को शतप्रतिशत नल से जल योजना के तहत प्रमाणित किया गया है। मकड़ों गांव भी सूची में शामिल है, लेकिन यहां नियमित आपूर्ति न होने से प्रमाणन प्रक्रिया पर प्रश्न उठ रहे हैं।करीब 21 लाख रुपये खर्च कर योजना लागू की गई। 150 कनेक्शन दिए गए, लेकिन अधिकांश घरों में सप्ताह में एक-दो बार ही पानी पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने वितरण व्यवस्था दुरुस्त करने और नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

पुलिस टीम पर पथराव मामले में फरार आरोपियों पर कसा शिकंजा

रुद्रपुर, एजेंसी। स्मैक तस्करी की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर हुए पथराव के मामले में फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है. गिरफ्तारी न होने पर गैर-जमानती वारंट के बाद अब न्यायालय ने धारा 82 के तहत उद्घोषणा जारी की है. माना जा रहा है कि जिसके बाद जल्द ही कुर्की की कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी. रुद्रपुर कोतवाली में स्मैक तस्करी की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर पथराव के मामले में फरार आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. गिरफ्तारी से बच रहे आरोपियों के विरुद्ध पहले गैर-जमानती वारंट जारी कराया गया था और अब न्यायालय द्वारा धारा 82 के तहत उद्घोषणा आदेश जारी कर दी गई है. घटना एक फरवरी की है, जब एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को सूचना मिली कि सुभाष कॉलोनी स्थित कल्लू के घर पर स्मैक की तस्करी की जा रही है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची. बताया जाता है कि पुलिस की कार्रवाई के दौरान वहां मौजूद लोगों ने टीम पर पथराव कर दिया. इस हमले में हेड कांस्टेबल भुवन पांडे घायल हो गए थे. मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 64 ग्राम स्मैक के साथ हसीना पत्नी इलियास को गिरफ्तार कर लिया था. वहीं अन्य आरोपियों नाजिम उर्फ नदीम, शाहरूख, इरशाद उर्फ दाऊद उर्फ शद्दा, सूरज, अनमोल, अफसाना, फिजा, रोशनी और फरहाना के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई थी. काफी प्रयासों के बावजूद जब आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी, तब पुलिस ने न्यायालय से गैर-जमानती वारंट प्राप्त किया. इसी दौरान पुलिस ने फरार आरोपियों को शरण देने के आरोप में उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर, थाना अजीमनगर क्षेत्र के रतनपुरा निवासी फरजनद अली उर्फ नन्हे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. फरार चल रहे एक ही परिवार के नौ आरोपियों की लगातार अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई के लिए न्यायालय में आवेदन किया. न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपियों के विरुद्ध धारा 82 के तहत उद्घोषणा जारी कर दी है. अब यदि आरोपी निर्धारित समयावधि में न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं, तो उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जा सकती है. रुद्रपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज रतूड़ी ने बताया कि पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड़ की जा रही है. उन्होंने कहा कि कानून से बचने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों को हर हाल में गिरफ्तार किया जाएगा.

समिति गोदामों में पहुंचा यूरिया, किसानों को राहत

रूड़की, एजेंसी। वसंतकालीन गन्ना बुआई के दौरान यूरिया खाद समाप्त होने से परेशान किसानों को राहत मिली है। सोमवार को इफको की 2672 टन यूरिया की एक रैक जनपद में पहुंच गई। मंगलवार को ही पांच हजार बैग यूरिया सहकारी गन्ना विकास समिति और लगभग आठ हजार बैग यूरिया सहकारी समितियों के गोदामों में पहुंच गया। समितियों में किसानों को यूरिया का वितरण भी शुरू हो गया है। मिल को गन्ना आपूर्ति के साथ ही किसान इस समय वसंतकालीन गन्ने की बुआई में जुटे हैं। इसके लिए किसानों को उर्वरक की आवश्यकता है लेकिन दो दिन पहले गन्ना समिति गोदाम में यूरिया समाप्त हो जाने पर किसानों की परेशानी बढ़ गई थी। हालांकि यूरिया की आवश्यकता को देखते हुए इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद जोशी ने पहले ही यूरिया की डिमांड भेजी थी। सोमवार देर रात को 2672 टन यूरिया की एक रैक रुड़की पहुंची। मंगलवार को समिति गोदामों में यूरिया पहुंचना शुरू हो गया। मंगलवार को ही गोदामों में यूरिया का वितरण भी शुरू करा दिया। किसान विजयपाल सिंह गुर्जर, कमलकांत, बबलू, विकास चौधरी ने बताया कि वसंतकालीन गन्ने की बुआई के दौरान उर्वरक की मांग बढ़ जाती है।

बीएएमएस छात्र की आत्महत्या पर स्टूडेंट्स का हंगामा यूनिवर्सिटी और कॉलेज प्रबंधन पर लगाया गंभीर आरोप

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में बीएएसएम छात्र की आत्महत्या को लेकर काफी हंगामा हुआ. गुस्साए छात्रों ने ऋषिकुल आयुर्वेद कॉलेज और यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि यूनिवर्सिटी में समय से एग्जाम नहीं हो पा रहे हैं. इसलिए डिग्री पूरी होने में 6 से 7 साल तक लग रहे हैं. इस वजह से छात्र टेंशन में जा रहे है और इस तरह का कदम तक उठा रहे है.

दरअसल, बीते गुरुवार को एग्जाम देने के बाद शनिवार (7 फरवरी) को ऋषिकुल आयुर्वेद कॉलेज हरिद्वार के ~~क्लस~~ सेंकेंड ईयर के छात्र यशपाल (उम्र 23) ने आत्महत्या कर दी थी. यशपाल ने अपनी जान देने से पहले एक नोट भी छोड़ा था. तभी से यशपाल की तलाश की जा रही थी. आज 14 फरवरी को यशपाल का शव गंगनगर से मिला, जिसके बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा.

छात्रों ने कॉलेज में की तालाबंदीः आक्रोशित छात्रों का कहना है कि यूनिवर्सिटी में समय से एग्जाम नहीं हो पा रहे हैं इसलिए डिग्री पूरी होने में 6 से 7 साल तक लग रहे हैं. उत्तराखंड आयुर्वेद यूनिवर्सिटी के सभी कॉलेजों के छात्र तनाव में है. हंगामा कर रहे छात्रों ने कॉलेज में तालाबंदी भी की है.

वहीं, कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि मृतक छात्र का एग्जाम अच्छा नहीं हुआ था, जिसका तनाव वह नहीं झेल पाया. ऋषिकुल आयुर्वेद कॉलेज के हेड अनूप गक्खड़ का कहना है कि, छात्र का 2022 का एडमिशन है.

सेंडर इयर का स्टूडेंट था. इसकी दो विषयों में सप्लीमेंट्री थी. सप्लीमेंट्री एग्जाम पेपर उसका अच्छा नहीं हुआ था. एग्जाम प्रक्रिया के सवाल पर उन्होंने कहा कि, ये प्रोसेस विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित होता है. निर्देश वहां से आता है कि एग्जाम कब कराना है. विवि की जानकारी में भी है. थोड़ा टेक्निकल इश्यू ये भी रहा कि नए रूल में जांच दो बार हो रही है तो उसमें भी थोड़ा टाइम लग जाता है.

क्या है पूरा मामला बीते शनिवार 7 फरवरी सुबह को यशपाल अपने कमरे से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा. परिजनों और परिचितों की चिंता बढ़ने पर जब उसके कमरे की तलाशी ली गई, तो वहां से एक नोट बरामद हुआ. नोट में यशपाल ने अपनी व्यथा व्यक्त की थी और हताशा का जिक्र किया था. तभी से उसकी खोजबीन चल रही थी, लेकिन कुछ पता नहीं चल रहा था.

पथरी पावर हाउस के पास मिला शवः एक हफ्ते बाद आज शनिवार को पथरी पावर हाउस के पास शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस और कंट्रोल रूम सक्रिय हुए. खोजबीन के दौरान पथरी पावर हाउस के पास गंगा में एक युवक का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान यशपाल के रूप में की गई है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मेला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और गोरखपुर में रह रहे परिजनों को सूचित कर दिया गया है.

छात्रों में आक्रोश, जांच की मांगः यशपाल की मौत की खबर फैलते ही ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के छात्रों में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई. साथी छात्रों ने कॉलेज परिसर और अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया. छात्रों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच होनी चाहिए, ताकि आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों और किसी संभावित दबाव का पता चल सके. एसपी सिटी अभय सिंह ने बताया कि सुसाइड नोट के आधार पर मामला आत्महत्या का लग रहा है. फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मामले की गहनता से जांच की जा रही है.

रुद्रपुर में नए एसएसपी अजय गणपति ने संभाला कार्यभार, गिनाईं प्राथमिकताएं

रुद्रपुर, एजेंसी। जिले ने नए कप्तान अजय गणपति ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है. पदभार ग्रहण के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया. पुलिस महकमे में उनके कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही प्रशासनिक गतिविधियों में नई ऊर्जा और सख्ती की उम्मीद जताई जा रही है. एसएसपी अजय गणपति ने अधिकारियों को जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराधियों पर पैनी नजर बनाने के निर्देश दिए हैं. गौर हो कि कार्यभार ग्रहण करते ही एसएसपी अजय गणपति जिले की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही. इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक कर जिले की वर्तमान कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध सख्त और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए. नवनियुक्त एसएसपी अजय गणपति ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा. उन्होंने महिला सुरक्षा, नशा उन्मूलन अभियान, यातायात व्यवस्था सुधार तथा साइबर अपराधों पर नियंत्रण को भी विशेष महत्व देने की बात कही. उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील मामलों में तत्परता और पारदर्शिता के साथ कार्रवाई की जाए. पुलिस महकमे में उनके कार्यभार ग्रहण करने से नई ऊर्जा का संचार हुआ है. अधिकारियों का मानना है कि उनके नेतृत्व में जनपद में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी रणनीति लागू की जाएगी. जनपद में एसएसपी अजय गणपति के रूप में नए नेतृत्व की शुरुआत को पुलिस प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. नागरिकों को भी उम्मीद है कि उनके कार्यकाल में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा आमजन को त्वरित न्याय और सहायता उपलब्ध हो सकेगी. पूर्व एसएसपी मणिकांत मिश्रा के कार्यकाल में लगभग 34 मुठभेड़ हुए, जिनमें कुल 38 अपराधियों के पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया. वहीं एसएसपी मणिकांत मिश्रा को पुलिस अधीक्षक अधिसूचना बनाया गया है.

एनडीपीएफ एक्ट में निचली अदालत ने आरोपी को माना दोषी, उत्तराखंड हाईकोर्ट ने कर दिया

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति की अपील स्वीकार करते हुए उसे बरी कर दिया है. न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकल पीठ ने अल्मोड़ा के सत्र न्यायालय द्वारा साल 2007 में सुनाए गए तीन साल के कारावास और 10,000 रुपए जुर्माने के आदेश को रद्द कर दिया. न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ दोष सिद्ध करने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने में विफल रहा. मामले के अनुसार पुलिस ने आरोपी 'पप्पू' को कथित तौर पर 20 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया था. इस बरामदगी के आधार पर अल्मोड़ा की विशेष सत्र अदालत ने 27 जून 2007 को उसे धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी करार दिया था. आरोपी ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी, जो लंबे समय से लंबित थी. सुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने दलील दी कि पुलिस ने तलाशी के समय एनडीपीएस अधिनियम की धारा 50 की अनिवार्य शर्तों का उल्लंघन किया है. उन्होंने तर्क दिया कि आरोपी को राजपत्रित अधिकारी या मजिस्ट्रेट के सामने तलाशी लेने के उसके कानूनी अधिकार के बारे में सूचित नहीं किया गया था. न्यायालय ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए माना कि धारा 50 का अनुपालन न करना राज्य के मामले की जड़ को कमजोर करता है. अदालत ने यह भी गौर किया कि घटना स्थल पर सार्वजनिक व्यक्तियों की मौजूदगी के बावजूद किसी भी स्वतंत्र गवाह का बयान दर्ज नहीं किया गया. पूरा मामला केवल पुलिस कर्मियों की गवाही पर आधारित था, जो ऐसे गंभीर अपराधों में संदेह पैदा करता है. पीठ ने कहा कि जहां सजा सख्त हो, वहां स्वतंत्र गवाहों की अनुपस्थिति में पुलिस की कार्रवाई की बारीकी से जांच जरूरी है. इसके अलावा जब्त किए गए माल की सुरक्षा, सैंपलिंग और सुरक्षित कस्टडी को लेकर भी कड़े सवाल उठाए गए. न्यायालय ने पाया कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं कि बरामद किया गया पदार्थ ही फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था. कस्टडी की चेन में किसी भी संदेह का लाभ आरोपी को मिलना अनिवार्य है.इसके अलावा जब्त किए गए माल की सुरक्षा, सैंपलिंग और सुरक्षित कस्टडी को लेकर भी कड़े सवाल उठाए गए. न्यायालय ने पाया कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं कि बरामद किया गया पदार्थ ही फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था. कस्टडी की चेन में किसी भी संदेह का लाभ आरोपी को मिलना अनिवार्य है. न्यायमूर्ति आशीष नैथानी ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि एनडीपीएस मामलों में मानक 'सच हो सकता है' नहीं बल्कि 'सच होना ही चाहिए' का होता है. अदालत ने माना कि राज्य आरोपी के खिलाफ संदेह से परे मामला साबित करने में असमर्थ रहा है. इसी के साथ अपील स्वीकार कर ली गई और आरोपी को तत्काल रिहा करने के आदेश दिए गए.

सड़क हादसे में कांवड़िया घायल, गुस्साए साथियों ने आग के हवाले की बाइक, रोड भी किया जाम

रुद्रपुर, एजेंसी। उधम सिंह नगर जिला मुख्यालय रुद्रपुर से बड़ी खबर सामने आई है. यहां रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में बाइक की टक्कर लगने से कांवड़िया घायल हो गया. इस हादसे के बाद गुस्साए कांवड़ियों ने काफी हंगामा किया. गुस्साये कांवड़ियों ने बाइक में आग भी लगा दी. इस दौरान सड़क पर लंबा जाम भी लग गया था. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले का शांत किया और जाम खुलवाया. इसके बाद हालात काबू में हुए.

कल रविवार 15 फरवरी को महाशिवरात्रि है. इस मौके पर बड़ी संख्या में भगवान भोलेनाथ के भक्त हरिद्वार से गंगा जल लेकर आते है और अपने-अपने शिवालयों में चढ़ाते हैं. रुद्रपुर भी बड़ी संख्या में हरिद्वार से भोले बाबा के भक्त गंगा जल लेकर पहुंच रहे हैं. इसी दौरान शनिवार 14 फरवरी को रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में तुलसी द्वार के सामने बड़ा हगामा गया.

दरअसल, हरिद्वार से लौट रहे कांवड़िए राहुल को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी. हादसा राधा स्वामी सत्संग घर के गेट नंबर सात के पास उस समय हुआ, जब राहुल अपने साथियों के साथ किच्छा की ओर बढ़ रहे थे. टक्कर इतनी जोरदार थी कि राहुल के हाथ में गंभीर चोट आ गई और वह सड़क पर गिर पड़ा.

घटना की सूचना मिलते ही आसपास चल रहे अन्य कांवड़िए भी मौके पर इकठ्ठा हो गए. घायल साथी की हालत देखकर श्रद्धालुओं में आक्रोश फैल गया. गुस्साए कांवड़ियों ने बाइक सवार युवक को घेर लिया और उसकी बाइक को आग के हवाले कर दिया. देखते ही देखते बाइक धू-धू कर जलने लगी.

आक्रोशित श्रद्धालुओं ने इसके बाद सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई. राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. घटना की सूचना मिलते ही भीलवाड़ा चौकी इंचार्ज सुरेंद्र रिंगवाल मौके पर पहुंचे और हालात को संभालने की कोशिश शुरू की..

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को काफी समझाइश और बातचीत के बाद पुलिस ने कांवड़ियों को शांत कराया और जाम खुलवाया. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने राधा स्वामी सत्संग घर के गेट नंबर सात से किच्छा की तरफ जाने वाले ट्रैफिक को वन-वे कर दिया, ताकि किसी तरह की और अप्रिय घटना न हो. बताया जा रहा है कि जिस बाइक से हादसा हुआ, वह भी किसी कांवड़िए की ही थी. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है.

सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर हरीश चंद्र जोशी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 10 लाख रुपये

देहरादून, एजेंसी। समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भावना की मिसाल पेश करते हुए सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर हरीश चंद्र जोशी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 10 लाख रुपये का योगदान दिया। ब्रिगेडियर जोशी ने सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट कर चेक सौंपा।उन्होंने बताया कि यह धनराशि पूर्व में आई दैवीय आपदाओं से प्रभावित परिवारों, विशेषकर गरीब व वंचित बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के सहयोग हेतु दी गई है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि एक अनुभवी सैन्य अधिकारी के रूप में ब्रिगेडियर जोशी की यह पहल समाज और राज्य के समग्र विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के योगदान न केवल आपदा प्रभावितों को संबल प्रदान करते हैं, बल्कि

समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। इस दौरान ब्रिगेडियर एचके जोशी की पुत्री शानू जोशी उपस्थित रहीं।

जिला अस्पताल में 15 दिनों से सीटी स्कैन मशीन खराब

उत्तरकाशी, एजेंसी। जिला अस्पताल में विगत 15 दिनों से सीटी स्कैन मशीन में तकनीकी खराबी आने के कारण उसका संचालन बंद पड़ा है। इससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीटी स्कैन जैसी मूलभूत सुविधा के लिए लोगों को देहरादून और ऋषिकेश की दौड़ लगानी पड़ रही है। जनपद में मात्र जिला अस्पताल में ही सीटी स्कैन की जांच की सुविधा उपलब्ध है लेकिन वहां पर भी गत 15 दिनों से सीटी स्कैन मशीन की ट्यूब खराब होने के कारण उसे अभी तक ठीक नहीं किया गया है। इससे अस्पताल में भर्ती मरीजों और जांच के लिए अस्पताल पहुंचने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत का कहना है कि जिला अस्पताल में हर दिन मशीनें खराब हो रही है। कुछ दिन पूर्व एक्सरे की मशीन कई दिनों तक तकनीकी खराबी के कारण बंद रही थी। जनपद चारधाम यात्रा सहित आपदा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण और संवेदनशील है लेकिन उसके बावजूद यहां पर स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा प्रदेश सरकार की अनदेखी के कारण दम तोड़ रही है।

रुद्रपुर में नाले के पास मिला नवजात का शव, पुलिस मामले की जांच में जुटी

रुद्रपुर, एजेंसी। उधम सिंह नगर जिला मुख्यालय रुद्रपुर में नवजात शिशु का शव मिलने का मामला सामने आया है, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी. स्थानीय लोगों ने तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी. शिशु के शव मिलने की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की. पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एक व्यक्ति ने 112 पर कॉल किया था. कॉल करने वाले व्यक्ति ने बताया कि ट्रांजिट कैम्प थाना क्षेत्र की नारायण कॉलोनी में नाले के पास नवजात शिशु का शव पड़ा हुआ था. इस सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की. इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हॉस्पिटल भिजवा दिया.

पुलिस ने मृतक नवजात का डीएनए सुरक्षित रखने के लिए जिला चिकित्सालय को पत्राचार किया है, ताकि आगे की जांच में किसी प्रकार की कठिनाई न हो. पुलिस अधिकारियों के अनुसार मृतक नवजात शिशु के संबंध में विस्तृत जांच जारी है. आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि नवजात को वहां कौन और किन परिस्थितियों में छोड़कर गया.

रुद्रपुर के ट्रांजिस्टर कैंप प्रभारी निरीक्षक मोहन चंद पांडे ने बताया कि पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के सही कारणों का पता चल सकेगा. उनका कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर जांच की जा रही है और दोषियों को जल्द चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

नाबालिग को भागने वाला युवक गिरफ्तारः रुद्रपुर के थाना ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए नाबालिग को बहला-फुसलाकर साथ ले जाने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने बताया कि 6 फरवरी को ट्रांजिट कैम्प थाने में एक व्यक्ति ने तहरीर दी थी. तहरीर में व्यक्ति ने बताया था कि उसका नाबालिग बेटी बिना बताए घर से कहीं चली गई है. घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल नाबालिग की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी बरामदगी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया. पुलिस तलाश में जुटी हुई थी कि इस बीच 13 फरवरी को किरोशी खुद ही घर पहुंच गई. पूछताछ में किरोशी ने बताया कि जिस व्यक्ति के साथ वो गई थी, वो उसे बीच रास्ते में ही छोड़ कर भाग गया. जिसके बाद वह अपने घर पहुंची.

पुलिस की विवेचना के दौरान आरोपी का नाम कौशल पुत्र पप्पू दीवाकर प्रकाश में आया, जिसकी उम्र 21 वर्ष है. आरोपी मूल रूप से पीलीभीत उत्तर प्रदेश का निवासी है और वर्तमान में रुद्रपुर में ही रहता है. जिसे आज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

सीओ सिटी प्रशांत कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है. नाबालिगों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी.

मोदी राज में देश की राजधानी दिल्ली में आइसा महिला नेताओं को थाने में दी गई गालियां : संजय सिंह

बिहार और उत्तराखंड की रहने वाली दोनों सवर्ण बेटियों ने वंचितों की आवाज उठाई तो गुनाह हो गया

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के एक थाने न आइसा महिला नेताओं के साथ थाने के अंदर गाली देने को लेकर मोदी सरकार समेत सबकी चुप्पी पर आम आदमी पार्टी ने सवाल खड़ा किया है। आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने थाने के अंदर हुई घटना की वीडियो क्लिप एक्स पर साझा कर कहा कि दिल्ली में थाने के अंदर पुलिस वालों के सामने आइसा की महिला नेता अंजली और नेहा को मां की गाली देते हुए कहा गया कि कपड़े निकाल। एक बिहार की बेटी और दूसरी उत्तराखंड की है। दोनों सवर्ण हैं, लेकिन वंचितों के हक की आवाज उठाना उनका गुनाह हो गया। अगर यह घटना पंजाब या बंगाल में हुई होती, तो बवाल मच गया होता। लेकिन मोदी राज में इतनी बड़ी घटना पर चारों तरफ खामोशी है। बेटी बचाओ का नारा देने वाले मोदी जी कहां छुपे हैं? संजय सिंह ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में, जहां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रहते हैं और जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के पास है, वहां दिल्ली विश्वविद्यालय में इरफान हबीब पर पानी और पत्थर फेंके गए। इसकी चारों तरफ आलोचना हुई। इससे भी ज्यादा शर्मनाक घटना थाने के अंदर हुई। आइसा की महिला नेता नेहा और अंजलि को पुलिस वालों के सामने मां की गालियां दी गईं और कहा गया कि कपड़े उतार, कपड़े उतार ले। यह देश की राजधानी दिल्ली में हो रहा है, जो मोदी जी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे की असलियत बयान करता है। संजय सिंह ने कहा कि थाने के अंदर पुलिस वालों के सामने महिलाओं को गालियां दी जा रही हैं और कपड़े उतारने की धमकी दी जा रही है, लेकिन चारों तरफ खामोशी है। न कोई कार्रवाई हो रही है और न ही कोई चर्चा। अगर ऐसी घटना तमिलनाडु, पंजाब या बंगाल में हुई होती, तो कानून-व्यवस्था पर हल्ला मचा रहा होता। लेकिन देश की राजधानी में यह सब होने के बावजूद सभी जिम्मेदार खामोश हैं। संजय सिंह ने कहा कि इतनी बड़ी घटना पर हर तरफ पसरी खामोशी यह बताती है कि वास्तव में किसी के प्रति कोई सम्मान नहीं है। जनता की आवाज उठाने के लिए जिम्मेदार लोगों का काम सिर्फ नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की चमचागिरी करना है। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे अपने मुद्दों को मजबूती से उठाए। दिल्ली में जो घटित हो रहा है, उस पर चर्चा करवाना शुरू करें।

महाशिवरात्रि धार्मिक पर्व ही नहीं, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश देने वाला अवसर : खंडेलवाल

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि महाशिवरात्रि केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश देने वाला अवसर है। धानक समाज द्वारा आयोजित यह शोभायात्रा क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा एवं एकजुटता को सुदृढ़ करती है। ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। धानक समाज ने महाशिवरात्रि के अवसर पर शोभायात्रा का आयोजन किया। शोभायात्रा का शुभारंभ सदर थाना से हुआ तथा यह मोतिया खान, आराकाशा रोड, राम नगर, नबी करीम एवं सिंघाड़ा चौक से होते हुए खारी कुओं पर पहुंचकर विधिवत संपन्न हुई। इस दौरान कार्यक्रम में सांसद प्रवीण खंडेलवाल, विधायक इमरान हुसैन, सांकेत खनगवाल, बीएसएफ सेवानिवृत्त एसआई रमेश कुमार निर्माण समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे। विधायक इमरान हुसैन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शिवभक्ति का विशेष महत्व है। धानक समाज ने इस शोभायात्रा के माध्यम से अपनी परंपराओं को जीवंत रखने का सराहनीय कार्य किया है। समाज की एकता और संगठन शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है, जिसे आज यहां स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यात्रा संचालक व पूर्व डिप्टी चेयरमैन सिटी-एसपी जोन धर्मेंद्र माहवर ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन क्षेत्र की सामाजिक सद्भावना को मजबूत करते हैं। मैं धानक समाज के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देता हूं और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन देता हूं। योगी महेश्वर नाथ ने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पावन अवसर हमें सेवा, त्याग और समर्पण की भावना सिखाता है। धानक समाज द्वारा किया गया यह आयोजन समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शोभायात्रा के दौरान भगवान शिव की आकर्षक झांकियां, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजन समिति ने प्रशासन के सहयोग से कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अमरख महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की

प्रात : किरण संवाद दाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन अमरख महादेव मंदिर में देवाधिदेव महादेव की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह धाम शताब्दियों से तप, वैराग्य और शिव चेतना का जीवंत केंद्र रहा है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व आत्मा के भीतर शिवत्व के जागरण का अवसर है। शिव ही शून्य हैं, शिव ही अनंत हैं, और शिव ही वह आधार हैं जहां से सृजन, संतुलन और परिवर्तन का प्रवाह प्रारंभ होता है। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना है कि उनका आशीर्वाद दिल्ली और समस्त देशवासियों पर बना रहे, और हम सभी को सेवा और लोककल्याण के मार्ग पर अडिग रहने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, रविंद्र इंद्राज, विधायक अनिल शर्मा समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजस्थान के सम्मानित साथी उपस्थित रहे।

विजय विहार में मामूली बात पर किशोरों में झगड़ा, कर दी हत्या

प्रात : किरण संवाद दाता

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के विजय विहार इलाके में दोस्तों के बीच छत पर हुआ मामूली विवाद हत्या में बदल गया। शुरूआत में इसे लोहे की रॉड पर गिरने से हुई दुर्घटना बताया गया। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पूरे मामले का राज खोल दिया। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर एक नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया है, जबकि दूसरा फरार है। रोहिणी जिले के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन ने रविवार को बताया कि 11 फरवरी को दोपहर 2:56 बजे बीएसए अस्पताल से पीसीआर कॉल मिली थी कि एक किशोर एच घायल अवस्था में भर्ती कराया गया है और बयान देने की स्थिति में नहीं है। रात करीब 10:50 बजे उसने डॉक्टर को बताया कि वह अपने घर की छत से लोहे की रॉड पर गिर गया था। 13 फरवरी को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। 14 फरवरी को आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि शरीर पर पाया गया घाव किसी नुकीले हथियार से किया गया वार था, न कि रॉड से गिरने का। इसके बाद थाना विजय विहार में हत्या का मामला दर्ज किया गया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्तके अनुसार जांच में सामने आया कि मृतक नाबालिग और आरोपित नाबालिग आपस में करीबी दोस्त थे। दोनों विजय विहार के लाल क्वार्टर स्थित एक ही इमारत में रहते थे। 11 फरवरी को तीनों दोस्त छत पर बैठे थे। इसी दौरान एक नाबालिग ने पीड़ित नाबालिग की टोपी पहन ली। टोपी लौटाने को लेकर कहासुनी हुई और मामला बढ़ गया। आरोप है कि बहस के दौरान पीड़ित नाबालिग ने गाली दी, जिससे नाराज आरोपित नाबालिग ने दूसरे नाबालिग को पीड़ित को पकड़ने को कहा और फिर चाकू से वार कर दिया। वारदात के बाद दोनों आरोपित ने घायल को डराया-धमकाया और कहा कि वह लोहे की रॉड पर गिरने की बात ही बताए, इलाज की व्यवस्था वे कर देंगे। डर के कारण किशोर ने परिवार और डॉक्टर को भी यही कहानी बताई। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सच्चाई सामने ला दी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि जल्द ही फरार आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिल्ली में अवैध दवा सप्लाई रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

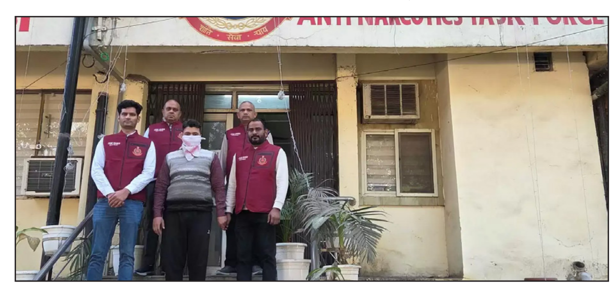

नई दिल्ली। राजधानी में प्रतिबंधित दवाओं की अवैध सप्लाई के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने पश्चिमी दिल्ली में सक्रिय एक अवैध दवा आपूर्ति रैकेट का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त कार्रवाई में दो मेडिकल स्टोर संचालकों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से भारी मात्रा में ट्रामाडोल कैप्सूल और कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप बरामद किया गया है। पुलिस ने इस कार्रवाई को इंटर-एजेंसी कोऑर्डिनेशन का बेहतरीन उदाहरण बताया है, क्योंकि पूरी प्रक्रिया राज्य औषधि नियंत्रक (स्टेट ड्रग कंट्रोलर) विभाग के साथ समन्वय में की गई। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने रविवार को बताया कि क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, हाल के दिनों में प्रीकर्सर केमिकल, सिंथेटिक ड्रग्स और कुछ फार्मास्यूटिकल दवाओं के नशीले पदार्थों के रूप में दुरुपयोग और अवैध डायवर्जन की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही थी। इसी के मद्देनजर पुलिस टीम को सक्रिय ड्रग सप्लायर्स के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। 22 सितंबर 2025 को एएनटीएफ की टीम, जिसमें एसआई कृष्ण कुमार ने पश्चिमी जिले के पीरागढ़ी स्थित डीटीसी डिपो के पास खुफिया जानकारी जुटा रही थी। इसी दौरान एक गुप्त सूचना मिली कि सुदर्शन पार्क निवासी विनय मल्होत्रा उर्फ शिवम (47), जो पश्चिम विहार के ए-2 ब्लॉक में शिवम मेडिकोज नाम से मेडिकल स्टोर चलाता है। बड़ी मात्रा में ट्रामाडोल कैप्सूल और अन्य प्रतिबंधित दवाएं अवैध रूप से स्टॉक कर सप्लाई कर रहा है। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर राकेश दुहान के नेतृत्व में टीम ने तत्काल कार्रवाई की और औषधि विभाग के ड्रग इंस्पेक्टर मोहम्मद हमीद को साथ लेकर मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दुकान की तलाशी ली गई, जिसमें 3,360 ट्रामाडोल कैप्सूल (करीब 2 किलोग्राम वजन) और 84 बोतल कोडीन फॉस्फेट सिरप (प्रत्येक 100 एमएल, कुल 8.4 लीटर) बरामद हुए। आरोपी वैध बिल, प्रिस्क्रिप्शन या स्टॉक रजिस्टर प्रस्तुत नहीं कर सका। ड्रग इंस्पेक्टर ने बरामद दवाओं को अवैध कब्जा घोषित किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच में मामला दर्ज कर विनय मल्होत्रा को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में विनय ने खुलासा किया कि वह प्रतिबंधित दवाएं रघुबीर नगर स्थित अग्रवाल मेडिप्लस के संचालक चंदन बंसल (40), निवासी विष्णु गार्डन, से खरीदता था। जांच में सामने आया कि चंदन बंसल बिना वैध मांग पत्र और उचित वित्तीय रिकॉर्ड के दवाओं की सप्लाई कर रहा था तथा ट्रामाडोल कैप्सूल का अनिवार्य स्टॉक रजिस्टर भी नहीं रख रहा था। कई फर्मों ने उन दवाओं की खरीद से इनकार किया जिनके बिल आरोपी द्वारा दिखाए गए थे, जिससे रिकॉर्ड फर्जी पाए गए और नियंत्रित दवाओं के अवैध डायवर्जन की पुष्टि हुई। 11 फरवरी 2026 को धारा 67 एनडीपीएस एक्ट के तहत नोटिस पर जांच में शामिल हुए चंदन बंसल को पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब इस नेटवर्क की अंतरराज्यीय सप्लाई चेन की जांच कर रही है और अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

मामा-भांजे पर हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, दिल्ली से तड़ीपार था सरफराज

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मयूर विहार क्षेत्र में मामा-भांजे पर फायरिंग और चाकू से हमले की सनसनीखेज घटना में शामिल कुख्यात बदमाश सरफराज उर्फ फराज को अपराध शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। त्रिलोकपुरी निवासी आरोपी के कब्जे से एक स्वचालित पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए गए हैं। वह हत्या के प्रयास, डकैती और शस्त्र अधिनियम समेत दस से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित रहा है तथा छह महीने के लिए दिल्ली से तड़ीपार किया जा चुका था। पुलिस के अनुसार 25 जनवरी को त्रिलोकपुरी के 27 ब्लॉक स्थित बस स्टैंड के पास कुछ बदमाशों ने मोटरसाइकिल और स्कूटी से पहुंचकर एक युवक पर हमला कर दिया था। मारपीट के दौरान एक आरोपी ने उसकी पीठ पर चाकू से वार किया। घायल युवक द्वारा अपने मामा को बुलाने पर बदमाशों ने उन पर गोली चला दी, जिससे उनकी दाहिनी जांघ में गोली लग गई। घटना के बाद स्थानीय थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच अपराध शाखा को सौंप दी थी। जांच के दौरान पुलिस ने कुख्यात अपराधियों के डिजिटल सुराग खंगाले, जिससे पता चला कि कुछ बदमाश दिल्ली में छिपकर किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। नौ फरवरी को एएसआई मोहम्मद तालीम और सिपाही फहीद अली को गुप्त सूचना मिली कि सरफराज भैरो मार्ग के पास अपने साथियों से मिलने आने वाला है। इस सूचना पर एसीपी पंकज अरोड़ा की देखरेख और इंस्पेक्टर के.के. शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि सरफराज को लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने के कारण पिछले वर्ष 16 नवंबर को पूर्वी दिल्ली के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के आदेश पर छह माह के लिए दिल्ली की सीमा से बाहर किया गया था। तड़ीपार किए जाने के बावजूद वह गुप्त रूप से राजधानी में रहकर अपराध की साजिश रच रहा था। अपराध शाखा अब आरोपी से पूछताछ कर उसके फरार साथियों की तलाश में जुटी है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नेशनल अकाली दल का बड़ा फैसला, पूरी कार्यकारिणी और सभी विंग भंग

मजबूत संगठन की ओर बड़ा कदम, नई टीम की घोषणा जल्द : परमजीत सिंह पम्मा

प्रात : किरण संवाददाता

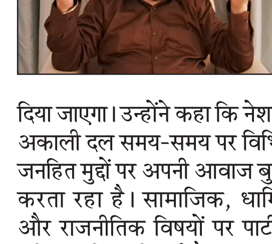

नई दिल्ली। नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की घोषणा करते हुए पार्टी की वर्तमान कार्यकारिणी एवं सभी विंग को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। इस संबंध में जारी बयान में परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि पार्टी को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा, जिसमें युवाओं, महिलाओं तथा जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकताओं को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेशनल अकाली दल समय-समय पर विभिन्न जनहित मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करता रहा है। सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक विषयों पर पार्टी ने सक्रिय भूमिका निभाई है तथा धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से आम जनता की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाया है। परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा देने के लिए यह कदम आवश्यक था। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद पार्टी और अधिक मजबूती के साथ जनता के मुद्दों को उठाएगी तथा जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ को मजबूत करेगी। सूत्रों के अनुसार नई कार्यकारिणी की घोषणा आगामी दिनों में एक विशेष बैठक के बाद की जाएगी। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इस पुनर्गठन से संगठन को आगामी गतिविधियों में नई गति और मजबूती मिलेगी। पार्टी कार्यकताओं में इस निर्णय को लेकर उत्साह देखा जा रहा है और सभी को नई टीम की घोषणा का बेसब्री से इंतजार है।

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि के अवसर पर राजधानी के सभी मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। भगवान शिव का विधिवत पूजा अर्चना की गई। इस दिन भगवान शिव के भक्त व्रत रखने के साथ रुद्राभिषेक भी किए।दिल्ली के प्राचीन गौरी शंकर मंदिर, वेद नाथ महादेव मंदिर, कालकाजी मंदिर,तुगलकाबाद गांव के प्राचीन शिव मंदिर समेत अनेक मंदिरों में भक्तों की लंबी कतार सुबह से ही देखने को मिली। जहां भक्त लंबी लाइनों में लगकर भगवान भोलेनाथ को जल अर्पण कर रहे हैं। तुगलकाबाद गांव के प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी अजय दीक्षित बताते हैं कि आज सुबह 3:00 से ही भक्त भगवान भोलेनाथ को जल अर्पण करने के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं. आज के दिन भक्त दूध, दही, शहद से भगवान भोलेनाथ को स्नान करा रहे हैं। इसके अलावा भक्तों के द्वारा भांग, धतूरा, बेलपत्र और बेर चढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन जब समुद्र मंथन हो रहा था तो विष निकला था, जिसे भगवान भोलेनाथ ने अपने गले में धारण किया था। जिस विष की वजह से उन्हें जलन हो रहा था तब देवताओं के द्वारा उन पर गले को ठंडक मिले इसलिए जल अर्पण किया गया। तब से महाशिवरात्रि के दिन उन्हें जल चढ़ाया जाता है।

डीटीसी ने 40 डिपो पर तैनात किए अपने कर्मचारी

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सार्वजनिक बस परिवहन व्यवस्था में बड़ा प्रशासनिक व संरचनात्मक बदलाव होने जा रहा है। दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (डीटीसी) ने 1 अप्रैल 2026 से दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांसिट सिस्टम (डिम्ट्स) के अधीन संचालित सभी बसों व डिपो का पूर्ण हैंडओवर लेने की दिशा में तैयारी तेज कर दी है। इस बदलाव को दिल्ली की बस व्यवस्था में लंबे समय से लंबित एक बड़े एकीकरण के रूप में देखा जा रहा है। डीटीसी अधिकारियों के मुताबिक हैंडओवर प्रक्रिया को सुचारु बनाने के उद्देश्य से करीब दो महीने पहले से ही जमीनी स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई थी। डीटीसी के डिप्टी सीजीएम अनिल देव छिकारा ने बताया कि 2 फरवरी से डिम्ट्स के सभी बस डिपो पर डीटीसी के डिपो मैनेजर तैनात कर दिए गए हैं। हालांकि अभी डिम्ट्स के भी कर्मचारी भी कार्यरत है। इन अधिकारियों को वहां के प्रशासनिक, तकनीकी व परिचालन कार्यों को समझने की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे हैंडओवर के बाद बसों के संचालन में किसी प्रकार की दिक्कत न आए और सेवा निरंतर जारी रह सके। एक अप्रैल से इस एकीकरण के बाद डीटीसी के बस नेटवर्क का दायरा काफी बड़ा हो जाएगा। अभी तक डीटीसी के पास 44 बस डिपो हैं, लेकिन डिम्ट्स के डिपो जुड़ने के बाद यह संख्या बढ़कर 84 हो जाएगी। इसी तरह डीटीसी के अधीन कुल बसों की संख्या भी बढ़कर करीब 5788 हो जाएगी। इनमें लगभग 2700 बसें ऐसी हैं, जो अभी तक डिम्ट्स के तहत चलाई जा रही हैं.डीटीसी के पास फिलहाल करीब 18 हजार बस परिचालक हैं। डीटीसी अधिकारियों ने बताया कि 2 फरवरी से बड़ी संख्या में परिचालकों को पहले ही डिम्ट्स के अधीन डिपो की बसों में तैनात करना शुरू कर दिया गया है, जिससे परिचालक वहां के रूट, टिकटिंग प्रणाली, यात्री व्यवहार व संचालन व्यवस्था को पहले से समझ सकें। इससे 1 अप्रैल के बाद बस संचालन में किसी तरह की दिक्कत न आए। डीटीसी अधिकारियों का दावा है कि इस एकीकरण से यात्रियों को सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा। अभी तक डीटीसी और डिम्ट्स के अलग-अलग एजेंसियों के कारण यात्रियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था। उदाहरण के तौर पर डेली पास जिस एजेंसी की बस में बनता था, वह केवल उसी एजेंसी की बसों में मान्य होता था। यात्रियों को इसकी जानकारी नहीं होने पर कई बार जुमार्ना भी भरना पड़ जाता था। अब एक ही संचालन एजेंसी होने से ये समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। एक ही पास सभी बसों में मान्य होगा। इसके अतिरिक्त एकीकृत संचालन से रूट निर्धारण अधिक वैज्ञानिक व जरूरत आधारित हो सकेगा। बसों की उपलब्धता, स्टाफ प्रबंधन व निगरानी व्यवस्था भी बेहतर होगी। डीटीसी अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव से न सिर्फ संचालन अधिक सुव्यवस्थित होगा, बल्कि यात्रियों को समय पर बसें, बेहतर कनेक्टिविटी व अधिक पारदर्शी टिकट व्यवस्था भी मिल सकेगी। कुल मिलाकर ये बदलाव दिल्ली की सार्वजनिक बस सेवा को एकीकृत, आधुनिक व यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

महाशिवरात्रि पर दिल्ली-एनसीआर शिवमय रेखा गुप्ता और नायब सैनी ने किया जलाभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दिल्ली-एनसीआर सहित देशभर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी विभिन्न शिवालयों में पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। रेखा गुप्ता ने उदयपुर के अम्बेरी स्थित प्राचीन श्री अमरख महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजा कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। वहीं नायब सिंह सैनी ने नूंह के नलेश्वर मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक और आरती की। दोनों नेताओं ने लोककल्याण, सेवा और राष्ट्र की उन्नति के लिए प्रार्थना की। राजधानी दिल्ली में चांदनी चौक स्थित गौरीशंकर मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्त घंटों प्रतीक्षा कर शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित करते नजर आए। सदर बाजार के प्राचीन शिव मंदिर और प्रीत विहार स्थित गुफा वाले शिव मंदिर में भी सुबह से ही पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी रहा, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब गया। एनसीआर के अन्य शहरों में भी महाशिवरात्रि का उत्साह चरम पर रहा। गुरुग्राम, फरीदाबाद और नोएडा के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे दिन जलाभिषेक का क्रम चलता रहा। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में दूर-दराज से पहुंचे कांवड़ियों ने गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया। नारनौल और कनीना के मंदिरों में भी सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं और जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। मंदिरों में उमड़ी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए थे। कई स्थानों पर रात्रि से ही पूजा प्रारंभ हो गई थी और श्रद्धालुओं के लिए जल, प्रसाद तथा कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था की गई। महाशिवरात्रि के इस पर्व पर दिल्ली-एनसीआर में आस्था, सामाजिक समरसता और धार्मिक उत्साह का अनूठा संगम दिखाई दिया, जहां हर मंदिर में एक ही भाव प्रमुख रहा—भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा और विश्वास।

बवाना प्लास्टिक कारोबारी हत्याकांड में पुलिस मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली।दिल्ली की आउटर नॉर्थ जिला पुलिस ने बवाना में प्लास्टिक कारोबारी की गोली मारकर हत्या के सनसनीखेज मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। बीती रात पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार बीती 9 फरवरी को बवाना थाना इलाके बवाना औद्योगिक इलाके में एक प्लास्टिक कारोबारी जोकि पैसे के लेन देन का भी काम करते थे, उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। मृतक की पहचान वैभव गांधी के रूप के हुई थी, जिनकी बावना में ही फैक्ट्री थी और उसी के पास इनकी हत्या की गयी थी। इस सनसनी खेज हत्याकांड के बाद कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से जुड़े रणदीप मलिक और अनिल पंडित ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी। सोशल मीडिया के जरिए यह दावा किया गया था कि रंगदारी न देने के कारण व्यापारी की हत्या की गई।

देशभर में इग्नू की मेगा प्लेसमेंट मुहिम सफल

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने परिसर नियुक्ति प्रकोष्ठ के माध्यम से देश के छह क्षेत्रीय केंद्रों में नामांकित विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों के लिए आयोजित राष्ट्रव्यापी नियुक्ति अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कर नई उपलब्धि हासिल की है। इस बहु-शहरी पहल में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भाग लिया और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त किए। परिसर नियुक्ति प्रकोष्ठ द्वारा बीजापुर, मुंबई, नागपुर, पुणे, बेंगलुरु और देहरादून क्षेत्रीय केंद्रों के सहयोग से आयोजित चार दिवसीय अभियान में कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तराखंड क्षेत्रों के 70 से अधिक अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को वित्तीय प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी तथा व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन से जुड़ी कंपनियों में सहायक संबंध प्रबंधक, ग्राहक सहयोग कार्यकारी, मानव संसाधन सामान्यज्ञ, विक्रय विशेषज्ञ और संग्रहण अधिकारी सहित विभिन्न पदों पर आकर्षक वेतनमान और प्रोत्साहन के साथ नियुक्ति मिली। देहरादून क्षेत्रीय केंद्र में 12 फरवरी को भारतीय उद्योग परिसंघ के सहयोग से आयोजित नियुक्ति अभियान में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के समीपवर्ती जिलों और दिल्ली से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में वैभव गुप्ता ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा चयन प्रक्रिया के अंत में उल्लेखनीय संख्या में अभ्यर्थियों का चयन और प्राथमिक सूची में स्थान सुनिश्चित हुआ। बेंगलुरु क्षेत्रीय केंद्र में 11 फरवरी को आयोजित अभियान के लिए पाँच हजार से अधिक शिक्षार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों से डिजिटल माध्यमों द्वारा संपर्क स्थापित किया गया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 16 फरवरी , 2026

संक्षिप्त खबरें

ज्योति नगर में अधेड़ महिला की हत्या, पति फरार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के ज्योति नगर इलाके में एक घर से अधेड़ महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान विमला के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि महिला के सिर, पेट और हाथ पर धारदार हथियार से किए गए हमले के गहरे निशान हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि उसने खुद को बचाने का प्रयास किया, लेकिन हमलावर ने बेरहमी से वार किए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से महिला का पति फरार बताया जा रहा है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से दंपती के संबंधों को लेकर भी पूछताछ कर रही है।

बलबीर नगर में 21 फरवरी को अष्टम श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बलबीर नगर स्थित 60 फुटा रोड पर 21 फरवरी को श्री श्याम भक्त परिवार द्वारा अष्टम भजन संध्या एवं श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का भव्य आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया कि भजन संध्या में सोनू सांवरिया एवं मंडली बाबा का गुणगान प्रस्तुत करेगी, जिसमें चंद्र मोहन, संगीता राठौर, हर्ष वर्मा और तुलसी प्रभाकर जैसे प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में संरक्षक अजीत अग्रवाल, मनीष मित्तल, शिव कुमार कौशिक और पंकज गोयल भट्टे वाले का विशेष सहयोग रहेगा। इसके अलावा नवीन जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनिल बंसल, आनंद मित्तल, महेश वर्मा, संदीप गोयल लवली उपाध्यक्ष, संजय गर्ग कोषाध्यक्ष, नीरज गुप्ता महासचिव, विकास जैन, सचिन, ललित कुमार सचिव, योगेश सोनी प्रचार सचिव, राहुल चौधरी कार्यालय सचिव, कानूनी सलाहकार तथा कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक जैन, संजय शर्मा, रितेश शर्मा, गौरव शर्मा, हरिओम शर्मा, सुरेंद्र बंसल और अंकुर गुप्ता की प्रमुख भूमिका रहेगी।

एक वर्ष में विकास और जनकल्याण को मिली गति : रोमेश चंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर शाहदरा जिले के महामंत्री रोमेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने अपने अधिकांश चुनावी वादे पूरे कर लिए हैं और अनेक नई जनहित योजनाएं भी शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, प्रदूषण नियंत्रण, यमुना की सफाई और कूड़े के पहाड़ों को कम करने जैसे सभी क्षेत्रों में व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए लगातार कार्य किया गया है। उनके अनुसार यह एक वर्ष दिल्ली के विकास, जनता की उन्नति और खुशहाली का वर्ष रहा है। रोमेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक निर्णय दिल्ली की जनता की बेहतरी के संकल्प के साथ लिया जाता है। मुख्यमंत्री से लेकर संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझ रहा है और उनके समाधान के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों की जर्जर स्थिति सुधारने, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, प्रदूषण कम करने और अन्य जनहित योजनाओं को लागू करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी पार्टी अपनी योजनाओं के अनुसार कार्य करती रहेगी और दिल्ली का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित होगा।

मोटर दुर्घटना मामलों की निगरानी व्यवस्था लागू करने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मामलों की निगरानी व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पुलिस आयुक्त को आवश्यक निर्णय लेने और ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने याचिका में उठाई गई चिंताओं पर शीघ्र कानूनी कार्रवाई करने को कहा और मामले का निपटारा कर दिया। याचिकाकर्ता अनूप कुमार रामपाल ने सड़क हादसों की जांच में जांच अधिकारियों की ओर से हो रही चूकों पर चिंता जताई थी। याचिका में कहा गया कि प्रथम दुर्घटना रिपोर्ट, अंतरिम दुर्घटना रिपोर्ट और विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट समय पर दाखिल नहीं की जा रही हैं। साथ ही इनकी प्रतियां संबंधित मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बीमा कंपनियों, पीड़ितों और दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही थीं।

सोमवार को साकेत के एपीजे स्कूल से बच्चों को रोल नंबर दिलवाएगी आप : सौरभ भारद्वाज

आम आदमी पार्टी दिल्ली में भाजपा सरकार और प्राइवेट स्कूल की गुंडागर्दी नहीं चलने देगी

- मंगलवार से सीबीएसई की परीक्षा है और एपीजे ने बच्चों के रोल नंबर रोक दिए हैं
- मनमाने ढंग से बढ़ाई गई फीस को जमा करने के लिए पेरेंट्स को ब्लैकमेल किया जा रहा है

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज साकेत के एपीजे स्कूल की ओर से रोके गए बच्चों के रोल नंबर को दिलवाने के लिए सोमवार खुद स्कूल जाएंगे। रविवार को उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा है कि पेरेंट्स परेशान न हों। सोमवार को दोपहर एक बजे वह साकेत स्थित एपीजे स्कूल जाएंगे और बच्चों को रोल नंबर दिलवाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार और प्राइवेट स्कूल की गुंडागर्दी नहीं चलने देंगे। मंगलवार से सीबीएसई की परीक्षा है और एपीजे स्कूल ने बच्चों के रोल नंबर रोक दिए हैं। स्कूल द्वारा मनमाने ढंग से बढ़ाई गई फीस को जमा करने के लिए पेरेंट्स को ब्लैकमेल किया जा रहा है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मंगलवार से 10वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं और कुछ प्राइवेट स्कूल पूरी तरह गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। अभिभावकों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। एपीजे स्कूल ने बच्चों के रोल नंबर रोके हुए हैं। इसमें एक ऐसी छात्रा भी है जो राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी है। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि जिन बच्चों की परीक्षाएं हैं, वे चार-चार घंटे स्कूलों के बाहर खड़े होकर रोल नंबर का इंतजार कर रहे हैं। स्कूल बदमाशी पर उतरे हुए हैं और दिल्ली की भाजपा सरकार चुप बैठी है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद को चेतावनी देते हुए कि अगर आज इन बच्चों को रोल नंबर नहीं मिले, तो आम आदमी पार्टी खुद सोमवार को दोपहर 1:00 बजे एपीजे स्कूल, साकेत जाएगी और बच्चों के रोल नंबर लेकर रहेगी। प्राइवेट स्कूलों की यह गुंडागर्दी नहीं चलने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लोग प्राइवेट स्कूलों के साथ मिल गए हैं और गुंडागर्दी की जा रही है। यह वही एपीजे स्कूल (साकेत और शेख सराय) है, जिसे फीस बढ़ाने के कारण 2020 में तत्कालीन आप सरकार द्वारा सील करा दिया गया था। तब स्कूल ने कोर्ट में सील खुलवाने के लिए अंडरटेकिंग दी थी कि सरकार द्वारा मान्य फीस ही ली जाएगी। अब ये गुंडागर्दी करके 21 लाख रुपए जमा करने और गैर-कानूनी फीस भरने को कह रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने अभिभावकों से अपील की कि वे इस लड़ाई में सहयोग करें। कुछ ही अभिभावक हैं जो सबकी लड़ाई लड़ते हैं। अगर वे लोग भी हार गए, तो भविष्य में कोई लड़ाई नहीं लड़ेगा। यह सरकार तो बिल्कुल नहीं लड़ेगी। इस साल स्कूलों ने 20 से 80 फीसदी फीस बढ़ा ली है। इसी तरह हर साल फीस बढ़ेगी और भाजपा सरकार कुछ नहीं करेगी। इसलिए अभिभावकों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी।

भाजपा सरकार में निकाले गए संविदा कर्मियों से आप का आह्वान, एक मार्च को पहुंचें जंतर मंतर

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार में नौकरी से निकाले गए संविदा कर्मचारियों की आवाज जंतर मंतर पर बुलंद करने की तैयारी तेज कर दी है। रविवार को आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने नौकरी से निकाले गए सभी संविदा कर्मचारियों को एक मार्च को जंतर मंतर पहुंचने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी बस मार्शल, डीटीसी कंडक्टर -ड्राइवर, अस्पताल के डेटा एंट्री ऑपरेटर, नर्स, फार्मासिस्ट, मोहल्ला क्लीनिक समेत सभी भाइयों और बहनों के हक के लिए आवाज उठाएगी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि डिम्स के 400 लोग हमारे साथ हैं और हम 10 हजार बस मार्शलों और 6,000 अन्य कर्मचारियों से बात करेंगे। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में पिछले 10 साल से काम कर रहे डेटा एंट्री ऑपरेटरों को एक-एक करके हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें इस सरकार को अपनी संख्या बल दिखानी होगी। हमारे पास 15 दिन का समय है। 15 दिनों के भीतर हर उस आदमी तक पहुंचना है जिसकी नौकरी खतरे में है या जिसे निकाल दिया गया है। सभी को बताना है कि 1 मार्च को रविवार है और उस दिन सभी को अपनी रोटी बांधकर जंतर-मंतर पहुंचना है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगर 2 मार्च तक सरकार नहीं मानी, तो 3 मार्च से हम सब लोग अपने-अपने घर के बाहर एक बड़ा बोर्ड लगाएंगे। उस बोर्ड पर लिखा होगा कि ह्लमेरी नौकरी भाजपा ने छीन ली हैह्व। उन्होंने कहा कि जब पड़ोसी, रिश्तेदार और गांव के लोग गुजरेंगे और वह बोर्ड देखेंगे, तो भाजपा उस गली में नहीं घुस पाएगी जहां यह बोर्ड लगा होगा। लोग भाजपाइयों से पूछेंगे कि उनकी नौकरी छीनने के बाद भाजपा यहां वोट मांगने कैसे आई है?

साहित्य सिखाता है सोचना, समझना और बोलना: प्रो. योगेश सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय के 104 साल के इतिहास में पहली बार तीन दिवसीय दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव (दिल्ली यूनिवर्सिटी लिटरेचर फेस्टिवल) का आयोजन किया गया । इस महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार, 12 फरवरी को विश्वविद्यालय के मल्टी पर्पज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुआ। उद्घाटन अवसर पर डीयूएलएफ के पैट्रन इन चीफ डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य हमें सोचना, समझना और बोलना सिखाता है ।साहित्य व्यक्ति को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ मिट्टी से जोड़ने का भी काम करता है । उद्घाटन समारोह के पश्चात अनेक वक्ताओं के चर्चा सत्र हुए और विद्यार्थियों ने वक्ताओं से सवाल भी पूछे। खुले मैदान में लगे अनेक प्रकाशकों के बुक स्टालों पर जहाँ भारी भीड़ रही तो वहीं रग्बी स्टेडियम में डीयू कल्चर काउंसिल की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों का खूब मन मोहा । कुलपति ने साहित्य महोत्सव के ध्येय वाक्य ह्ल राष्ट्र प्रथम-एकता में अनेकता ह्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज भारत आगे बढ़ रहा है। हमारे प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है, ऐसे में भारत की एकता को भी मजबूत करने की जरूरत है। शहीद भगत सिंह की जेल डायरी का उदाहरण देते हुए कुलपति ने बताया कि वह फांसी से पहले तक किताबें पढ़ते रहे और लेख लिखते रहे , इससे विद्यार्थियों को प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि आज के बच्चे रील्स और शॉर्ट वीडियो देखते हैं। अब 30 सेकेंड की राय, 15 सेकंड का गुस्सा और डेढ़-दो मिनट का ध्यान रह गया है। ऐसे में साहित्य हमें ठहरना, सोचना, समझना और फिर बोलना सिखाता है। कुलपति ने कहा कि यदि समाज की सोचने की क्षमता कमजोर हो गई तो लोकतंत्र भी ज्यादा समय तक मजबूत नहीं रह पाएगा। उन्होंने कहा कि गमलों में उगाने वाले लोग बरगद बनने की बात करते हैं, जबकि गमलों में बरगद के पेड़ नहीं उगा करते। अगर आपको बड़े बनना है तो अपने गमले तोड़ने होंगे, ये गमले हैं छोटी सोच और नेगेटिविटी के। उन्होंने कहा कि पुस्तकें जीवन में जीने का सलीका और प्रेरणा, दोनों देने में सहायता करती हैं। कार्यक्रम के आरंभ में डीयूएलएफ के संयोजक व कोर कमेटी के उपाध्यक्ष (डीयू सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष) अनूप लाठर ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के 104 वर्ष पूरे होने के बाद यह पहला अवसर है जब विश्वविद्यालय स्तर पर इस प्रकार का साहित्यिक उत्सव आयोजित किया जा रहा है । उन्होंने इस पहल का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से ही दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव का आयोजन संभव हो पाया है। अनूप लाठर ने आगे कहा कि यह आयोजन भले ही पहली बार हो रहा हो, किंतु आने वाले तीन वर्षों में इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। डीयूएलएफ की रूप रेखा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय उत्सव में कविताएं, लेखकों के संवाद, नाट्य प्रस्तुतियां और भजन जैसे विविध कार्यक्रम शामिल किए गए हैं, जो भारतीय सांस्कृतिक परंपरा और साहित्यिक विविधता को दर्शाते हैं। उद्घाटन समारोह के समापन पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित प्रस्तुत किया।

नए शराब ठेके के विरोध में करोल बाग में सांकेतिक प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जिला करोल बाग कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र भास्कर की अध्यक्षता में पदम सिंह रोड, करोल बाग पर नए शराब के ठेके के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन किया गया, जिसमें क्षेत्र के निवासी और कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। महेंद्र भास्कर ने इस अवसर पर कहा कि जो भारतीय जनता पार्टी आम आदमी पार्टी की आबकारी नीति का विरोध कर उसे मुद्दा बनाकर विधानसभा चुनाव जीती थी, वही अब दिल्ली को शराब की नगरी बनाने में लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में कई स्थानों पर नए शराब के ठेके खोल दिए हैं और अनेक जगह तय मापदंडों का उल्लंघन भी हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है तथा रेखा गुप्ता सरकार ने रविदास जयंती और होली जैसे त्योहारों पर भी शराब के ठेके खुले रखने के आदेश दिए हैं। महेंद्र भास्कर ने कहा कि होली के दिन पूर्व में सूखा दिवस होने के बावजूद असामाजिक तत्व उत्पात मचाते रहे हैं, अब घरों के पास ही शराब उपलब्ध होने से न केवल पुलिस के लिए नियंत्रण कठिन होगा बल्कि त्योहार के अवसर पर शराब के ठेकों पर भी कड़ी व्यवस्था करनी पड़ेगी।

निजी विद्यालयों की फीस वृद्धि पर सरकार विफल: देवेंद्र यादव

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि निजी विद्यालयों की फीस वृद्धि पर कानून बनाकर व्यापक प्रचार करने के बावजूद भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार उस पर नियंत्रण लगाने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि आज भी अभिभावकों से मनमाने ढंग से फीस वसूली जा रही है और बकाया न देने पर विद्यार्थियों को परीक्षा प्रवेश पत्र से वंचित किया जा रहा है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। नई दिल्ली जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता करते हुए देवेंद्र यादव ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया। बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष महेन्द्र मंगला ने किया, जिसमें पूर्व विधायक हरी शंकर गुप्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव अभिषेक दत्त, शांति स्वरूप, हरनाम सिंह, आकांक्षा ओला, गौरी शंकर शर्मा सहित जिला एवं ब्लॉक स्तर के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। देवेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले स्पष्ट रूप से घोषणा की थी कि अभिभावकों की सहमति के बिना फीस में वृद्धि नहीं होगी, जबकि इस विषय पर न्यायालय पहले ही रोक लगा चुका था। इसके बावजूद शिक्षा विभाग अभिभावकों का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने में विफल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि बढ़ी हुई फीस जमा न करने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने से रोका जा रहा है, जबकि शिक्षा निदेशालय द्वारा ऐसे विद्यार्थियों का नाम न काटने और उन्हें शिक्षा से वंचित न करने का निर्देश दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से प्रारंभ होने वाला है, लेकिन उससे पहले ही निजी विद्यालय मनमाने ढंग से फीस वृद्धि लागू कर अभिभावकों पर दबाव बना रहे हैं। हर वर्ष होने वाली इस वृद्धि पर नियंत्रण के लिए सरकार को स्पष्ट नियम और कठोर प्रावधान लागू करने चाहिए, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को राहत मिल सके। बैठक में संगठनात्मक विस्तार पर भी चर्चा हुई। देवेंद्र यादव ने बताया कि सभी विधानसभाओं में बीएलए-1 की नियुक्ति के बाद अब प्रत्येक बूथ पर बीएलए-2 की तैनाती अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि जिला और ब्लॉक अध्यक्षों की सक्रियता के कारण 258 ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों में मंडलम अध्यक्ष और सेक्टर प्रभारी की नियुक्ति का कार्य पूर्ण हो सका है। बीएलए-1 संगठन और चुनाव आयोग के बीच समन्वय स्थापित कर रहे हैं, वहीं बीएलए-2 की नियुक्ति से बूथ स्तर पर संगठन और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे क्षेत्रीय स्तर पर सक्रिय रहकर कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं और जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार की नीतियों के विरुद्ध सशक्त अभियान चलाएं।

23 मार्च को एनयूजे भगत सिंह के शहादत दिवस पर करेगा कार्यक्रम आयोजित: पवन दिवेदी

प्रात : किरण संवाददाता

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) की प्रयागराज जिला इकाई की नवीन सत्र 2026 की प्रथम मासिक बैठक आज 14 फरवरी 2026, शनिवार को डायट सभागार, सिविल लाइन्स में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह बैठक नए सत्र की पहली और अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक रही, जिसमें संगठन से जुड़े पुराने एवं नवागत सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। बैठक की शुरूआत आपसी परिचय सत्र से हुई, जिसमें सभी सदस्यों ने एक-दूसरे से परिचय प्राप्त किया। इसके पश्चात संगठन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, भावी योजनाओं एवं पत्रकार हितों से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक मे संरक्षक पवन दिवेदी की गरिमामयी उपस्थित के साथ जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने अध्यक्षता की साथ संचालन अश्वनी श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर संरक्षक पवन दिवेदी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की असली ताकत उसकी एकजुटता और सक्रियता में है। नवीन सत्र में हमारा प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक पत्रकार साथियों को संगठन से जोड़ा जाए, ताकि संख्या के साथ-साथ संगठन की आवाज और प्रभाव भी निरंतर बढ़े। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संदेश दिया। पवन दिवेदी ने कहाँ 23 मार्च को एनयूजे प्रयागराज शहीद दिवस आयोजित कर शहीदो को करेगा नमनः बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि संगठन को सही दिशा और मार्गदर्शन देने के लिए वरिष्ठ पत्रकारों की एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है, जिसकी भूमिका आने वाले समय में बेहद महत्वपूर्ण होगी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहाँ कि आपसी एकता समनवय के साथ हम आगे बढ रहे है हम सभी पत्रकार साथियो के सम्मान की बात करते है । यह हमारा नए सत्र का पहली बैठक है अब प्रत्यक माह के दूसरे शनिवार को नियमित बैठक होगी साथ ही संगठन दूारा सम्भावित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहाँ कि 23 मार्च को आजादी के आनंदोलन के महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह सुखदेव तथा राजगुरू की शहादत दिवस है जिसको लेकर संगठन शहीद दिवस पर एक बडा कार्यक्रम आयोजित करने की प्रस्ताव पास किया है इसका रूपरेखा जल्द ही तैयार कर लिया जाएगा। बैठक को सम्बोधित करने वालो मे अखिलेश शुक्ला महामंत्री चित्रांशी यादव संघठन मंत्री मुलायम सिंह विशेन वरिष्ठ उपाध्यक्ष धमेद्रं कुमार श्रीवास्तव मधुर दरबारी मो रिजवान सुशांत त्रिपाठी उपाध्यक्ष गण शहबाज अमित श्रीवास्तव अनिरूद त्रिपाठी आनन्द श्रीवास्तव भालचद्रं पान्डेय ने सम्बोधित किया ।बैठक मे सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। अंत में यह संकल्प लिया गया कि संगठन की मासिक बैठक प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार को नियमित रूप से आयोजित की जाएगी और नए सत्र में सदस्य संख्या बढ़ाने, पत्रकार हितों की रक्षा करने तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। यह पहली बैठक संगठन के लिए नई ऊर्जा, नई सोच और सकारात्मक शुरूआत का प्रतीक बनी, जिससे आने वाले समय में संगठन के विस्तार और मजबूती की स्पष्ट झलक दिखाई दी।बैठक मे उपस्थित मो जिया सिदीकी बी पी यादव धमेद्रं श्रीवास्तव रंजीत निषाद शहबाज रामबाबू कुलदीप मो नदीम अंसारी मो रिजवान शीतला प्रसाद तिवारी भालचद्रं पान्डेय शिव पान्डेय देवेदं शुक्ला सुशांत त्रिपाठी शाहिद खान मधुर दरबारी तशरफ अली जीतेद्रं कुमार सिंह आर के शुक्ला सुनीता देवी अनिरूद त्रिपाठी पंकज कुमार पाल बैठक मे उपस्थित थे।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने विभिन्न सदन समितियों के सदस्यों को किया परामर्श जारी

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने आठवीं विधान सभा की विभिन्न सदन समितियों में कार्यरत सदस्यों को परामर्श जारी करते हुए कहा कि सदन समितियां विधायी निगरानी की सशक्त और कार्यशील आधारशिला हैं। उनकी प्रभावशीलता सदस्यों की गंभीरता, नियमित सहभागिता तथा सामूहिक विवेक और प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। अध्यक्ष ने विभिन्न सदन समितियों में कार्यरत सभी सदस्यों को नियमित उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। परामर्श में इस बात पर बल दिया गया है कि समितियां शासन, प्रशासनिक कार्य प्रणाली और लोक जवाबदेही से संबंधित विषयों की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अध्यक्ष ने उल्लेख किया कि समितियों में सार्थक सहभागिता संस्थागत कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाती है तथा यह सुनिश्चित करती है कि अनुशंसा व्यापक और सुविचारित हों। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने पत्र में आगे रेखांकित किया गया है कि समिति की कार्यवाही के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति अक्सर आवश्यक होती है, ताकि वे प्रस्तुतिकरण दे सकें और विचाराधीन विषयों पर प्रासंगिक तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध करा सकें। वरिष्ठतम अधिकारियों की सहभागिता से ठोस एवं सारगर्भित चर्चा संभव होती है तथा निर्णय-प्रक्रिया में तेजी आती है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग कि ओर से सभी प्रशासनिक सचिवों को एक परिपत्र जारी कर निर्देश दिया है कि वे विधानसभा सचिवालय द्वारा बुलाए जाने पर सदन समितियों की बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। अपरिहार्य परिस्थितियों में विषय से पूर्णतः अवगत किसी उपयुक्त वरिष्ठ अधिकारी को पूर्व स्वीकृति के साथ नामित किया जा सकता है, ताकि कार्यवाही सुचारु रूप से संचालित हो सके। प्रशासनिक सचिवों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे समितियों द्वारा मांगी गई जानकारी और अभिलेख समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराएं। यह उल्लेखनीय है कि इस विषय पर कार्यपालिका और विधायिका के बीच बेहतर और व्यवस्थित समन्वय सुनिश्चित करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग पहले भी आवश्यक निर्देश जारी कर चुका है।

शाहदरा में महिला क्रिकेट में महिला मीडिया टीम ने महिला पुलिस टीम को हराया, डीसीपी प्रशांत गौतम ने बढ़ाया उत्साह

प्रात : किरण/मनोज जैन

शाहदराः दिल्ली पुलिस के स्थापना दिवस 2026 के अवसर पर शाहदरा जिले में महिला क्रिकेट का रोमांचक मैत्रीपूर्ण मुकाबला आयोजित किया गया। यमुना खेल परिसर, विवेक विहार में सुबह 10 बजे शुरू हुए इस मुकाबले में महिला मीडिया टीम ने महिला पुलिस टीम को मात्र सात ओवर में मात देकर जीत हासिल की। यह मुकाबला न केवल खेल का उत्सव था, बल्कि महिला पुलिस और महिला मीडिया टीम के बीच दोस्ताना तालमेल और सहयोग का प्रतीक भी बन गया। दर्शकों ने मैदान में पहुंचकर महिला खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और पूरे माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। भारी संख्या में पुलिस स्टाफ, क्षेत्रीय लोग और सामाजिक समुदाय भी मौजूद थे। इस आयोजन में विवेक विहार के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एसीपी) मोहिंदर सिंह, एसएचओ हर्षेश गाबा, और आनंद विहार के थाना प्रभारी मनीष कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि ऐसे आयोजन समाज में महिला प्रतिभाओं और टीम भावना को प्रोत्साहित करते हैं। इसके साथ ही शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डीसीपी प्रशांत गौतम ने कहा कि ह्लखेल केवल जीत-हार का नाम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने और महिला प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का माध्यम है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने पहले भी महिला पुलिस टीम के बीच मैत्रीपूर्ण मैच आयोजित किया था, जिसमें पुलिस महिलाओं ने अपनी खेल भावना और साहस का प्रदर्शन किया। महिला पुलिस टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 10 ओवर में 58 रन बनाकर महिला मीडिया टीम के सामने चुनौती रखी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महिला मीडिया टीम ने संयम और आक्रामक खेल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मात्र सात ओवर में ही 59 रन बनाकर जीत दर्ज की। महिला मीडिया टीम की दो खिलाड़ियों ने अकेले 55 रन बनाकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की और पूरे मैच को रोमांचक बना दिया। यह मुकाबला केवल खेल का नहीं था, बल्कि महिला पुलिस टीम और महिला मीडिया टीम के बीच आपसी संवाद, दोस्ताना तालमेल और सहयोग का प्रतीक भी था। डीसीपी प्रशांत गौतम ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में महिला सशक्तिकरण और टीम भावना को बढ़ावा देते हैं। पहले आयोजित महिला पुलिस मैच की स्मृति आज भी प्रेरक है, और वर्तमान मुकाबले ने इस परंपरा को और मजबूत किया। शाहदरा महिला पुलिस टीम और महिला मीडिया टीम के बीच यह मैत्री मैच खेल भावना, साहस और सहयोग की मिसाल पेश करता है, जो आने वाले वर्षों में भी याद रखा जाएगा।

कौशल चौधरी गैंग का शूटर कुलदीप सिंह गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात कौशल चौधरी गैंग के मास्टरमाइंड और शूटर कुलदीप सिंह (22) को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर बुराड़ी के एक कारोबारी की हत्या की साजिश रचने और पंजाब में 5 करोड़ रुपये की रंगदारी व फायरिंग मामले में संलिप्तता का आरोप है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड टीम ने नर्सरी रोड, द्वारका सेक्टर-17 के पास जाल बिछाकर आरोपित को उस समय दबोचा जब वह स्कूटी पर सवार होकर भागने की कोशिश कर रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल (7.62 एमएम), एक 7.65 एमएम पिस्टल लोडेड अवस्था में और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए। बरामद स्कूटी मुरादनगर थाने में दर्ज चोरी के मुकदमे की पाई गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में खुलासा हुआ कि विदेश में बैठे गैंगस्टर पवन शौकीन और गुरुदीप उर्फ पाज़ी ने दिल्ली में हत्या की साजिश रची थी। गैंग का मकसद बुराड़ी के एक कारोबारी की हत्या कर राजधानी में अपनी दहशत कायम करना और संगठित उगाही रैकेट खड़ा करना था। पुलिस के मुताबिक कुलदीप सिंह पहले भी 2024 में पंजाब के होशियारपुर में पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और फायरिंग करने के मामले में गिरफ्तार हो चुका है। वह अगस्त 2025 में जमानत पर जेल से बाहर आया था। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि 2019 में संपत्ति विवाद में उसके पिता की हत्या के बाद उसने बीए सेकेंड ईयर की पढ़ाई छोड़ दी और गलत संगत में पड़ गया। वह भलस्वा डेयरी इलाके का रहने वाला है। परिवार में मां, पत्नी और बड़ा भाई है। आरोपित ने खुलासा किया कि उसे गैंग के सदस्यों ने एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए संपर्क में रखा।

संक्षिप्त समाचार

यात्रियों को बेहतर और सुगम परिवहन सुविधा मिलेगी

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। करीब 20 साल बाद मप्र में सरकारी बस सेवा फिर से शुरू होने जा रही है। अप्रैल तक मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा के तहत बसें सड़कों पर उतरेंगी, जिससे निजी बसें भी एक ही सिस्टम (अंब्रेला) के तहत संचालित होंगी और यात्रियों को बेहतर और सुगम परिवहन सुविधा मिलेगी। इस व्यवस्था के बाद बसों का संचालन तो प्राइवेट बस ऑपरेटर ही करेंगे लेकिन उनके ऊपर नोडल कंपनियां होंगी जो एक राज्य स्तरीय संगठन के नीचे काम करेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सार्वजनिक परिवहन वाली मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत जन-बस को सड़क पर उतारने का खाका तैयार हो गया है। प्रदेश भर में कंपनियां बनाने से लेकर बसों के मार्ग चिह्नित करने का काम लगभग पूरा हो गया है। अब सिर्फ गांव-गांव, शहर-शहर तक सुगम परिवहन सेवा के लिए बसों का इंतजाम करना शेष है।

मप्र में सरकारी बस सेवा फिर से शुरू करने की तैयारियां ज़ोरों पर

अगले एक या दो महीने के भीतर बसों को सड़क पर उतारने का काम भी पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद अप्रैल 2026 में प्रदेश में फिर से सार्वजनिक परिवहन की बसें दौड़ना शुरू हो जाएंगी।

राज्य स्तरीय कंपनी बनाई गई

मौजूदा स्थिति में प्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर और रीवा में सिटी बसों का संचालन हो रहा है। सिटी बसों के संचालन के लिए इन शहरों में पहले से कंपनियां हैं। अब ये कंपनियां परिवहन विभाग के नियंत्रण में आ गई हैं। संभागीय स्तर पर जन-बस का नियंत्रण इन्हीं कंपनियों के पास रहेगा। हालांकि संभागीय कंपनियों का मालिकाना हक अभी भी नगरीय प्रशासन विभाग के पास है। जल्द ही मालिकाना हक परिवहन विभाग को मिलेगा। सभी संभागीय कंपनियों पर नियंत्रण के लिए राज्य स्तरीय कंपनी मप्र यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड बनाई गई है। कंपनी में एमडी समेत अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति हो गई है। सभी कंपनियां पीपीपी मोड पर काम करेंगी।
मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए सरकार एक भी बस नहीं खरीदेगी।
बल्कि निजी बस ऑपरेटरों से बसों का अनुबंध किया जाएगा। शहरी क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए अलग-अलग परमिट टैक्स होंगे। सुदूर ग्रामीण अंचल के लिए बस सेवा शुरू करने पर कंपनी द्वारा बस मालिकों, निजी कंपनियों को विशेष रियायत म अनुदान दिया जाएगा। इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

मध्यप्रदेश में सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए शुरू किया गया फार्मूला हुआ हिट

राजस्थान और उड़ीसा अपनाएंगे ऑनलाइन औचक निरीक्षण व्यवस्था

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश में सड़कों की गुणवत्ता सुधारने के लिए शुरू की गई ऑनलाइन औचक निरीक्षण का फॉर्मूला हिट हो गया है। मध्य प्रदेश के निरीक्षण का यह फॉर्मूला अब दो अन्य राज्यों को भी पंसद आया है। राजस्थान और उड़ीसा भी अब एमपी के इस नवाचार को अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। दोनों ही राज्यों ने मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण विभाग से ऑनलाइन औचक निरीक्षण के तरीकों की जानकारी मांगी है। मध्य प्रदेश में निरीक्षण के ऑनलाइन तरीकों से सड़कों की गुणवत्ता में सुधार आया है, हालांकि विभाग को कई बार निचले स्टाफ की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा है।

प्रदेश में सड़कों के निर्माण में उसकी गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। थोड़े से पानी में सड़कें उखड़ने लगती हैं। कई बार निर्माण के दौरान ही घटिया गुणवत्ता को लेकर लोगों की नाराजगी सोशल मीडिया पर दिखाई देती है। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह कहते हैं कि निरीक्षण की व्यवस्था को पुख्ता करने और सही मायने में निरीक्षण करने के लिए विभाग में ऑनलाइन औचक निरीक्षण की व्यवस्था शुरू की गई थी। औचक निरीक्षण महीने में दो दिन 5 और 20 तारीख को किया जाता है। इसमें चीफ इंजीनियर से लेकर पूरा इंजीनियर विभाग औचक निरीक्षण करता है। औचक निरीक्षण में एक दिन पहले तक किसी को पता नहीं होता कि किस अधिकारी को

कहां निरीक्षण के लिए जाना है? विभाग ने औचक निरीक्षण के लिए एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है। इसी सॉफ्टवेयर के माध्यम से उन्हें 24 घंटे पहले जानकारी मिलती है कि निरीक्षण किस जिले में करना है। जिले में पहुंचने पर ही उन्हें पता चलता है कि किन कामों का निरीक्षण करना है। निरीक्षण के दौरान लिए गए सेंपल की जानकारी लेकर उस पर क्यूआर कोड डाला जाता है और उसे सीधे लैब में भेजा जाता है। इससे किसी दूसरे को सैंपल की पहचान करना आसान नहीं होता।

एक साल में 80 इंजीनियरों को नोटिस

निरीक्षण के दौरान गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर पिछले एक साल में 80 इंजीनियरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और 7 को सस्पेंड किया गया। लगातार कार्रवाई के चलते विभाग को निचले स्टाफ की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा। विभाग में इंजीनियरों की कमी का हवाला देकर कार्रवाई पर सवाल उठाए गए। हालांकि अभी गड़बड़ी करने वाले ठेकेदारों पर ही कार्रवाई किए जाने का निर्णय लिया गया है। पिछले दो सालों के दौरान 52 ठेकेदारों को नोटिस दिया गया है जबकि 15 को ब्लैकलिस्ट किया जा चुका है।

दो राज्यों ने मांगी निरीक्षण की जानकारी

औचक निरीक्षण की ऑनलाइन व्यवस्था के अब दो राज्य राजस्थान और उड़ीसा भी मुरीद हो गए हैं। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह के मुताबिक दोनों राज्यों ने ऑनलाइन औचक निरीक्षण के तरीकों की पूरी जानकारी मांगी है। ये दोनों राज्य भी मध्य प्रदेश के नवाचार को अपनाने जा रहे हैं। उधर अब राज्य सरकार सड़क ठेकेदारों द्वारा बनाए गए लोक कल्याण सरोवर का औचक निरीक्षण भी शुरू करने जा रही है। इसमें विभाग के अधिकारी कहीं भी निरीक्षण कर सकते हैं।

टेलीकॉम कंपनियों के नेटवर्क पर खत्म होगी निर्भरता

पुलिस जल्द बनाएगी खुद का सैटेलाइट नेटवर्क

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

मप्र पुलिस अब हाईटेक पुलिसिंग की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। टेलीकॉम कंपनियों के नेटवर्क पर निर्भरता खत्म कर पुलिस खुद का कम्यूनिकेशन सिस्टम तैयार करने की योजना पर काम कर रही है। नए साल में पुलिस अपने सैटेलाइट की तैयारी शुरू कर रही है। सैटेलाइट प्रोजेक्ट फिलहाल प्लानिंग स्टेज में है। इसकी लागत, तकनीकी पहलू और अन्य व्यवस्थाओं पर काम चल रहा है। अनुमान है कि इस परियोजना पर 100 करोड़ से अधिक का खर्च आ सकता है। इससे मप्र पुलिस अपने सेटेलाइट पर दिए जाने वाले निर्देशों और रणनीतियों को अभेद बनाने जा रही है। अब अपनी पारंपरिक संचार प्रणाली के स्थान पर सैटेलाइट आधारित नेटवर्क पर शिफ्ट होने जा रही है। केंद्र सरकार के पुलिस वायरलेस समन्वय निदेशालय (डीसीपीडब्ल्यू) के मार्गदर्शन में होने वाला यह बदलाव राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। पुलिस के नक्सल ऑपरेशन के दौरान यह देखा गया कि शातिर उपद्रवी पुलिस के वायरलेस संदेशों को बीच में इंटरसेप्ट कर लेते हैं, जिससे पुलिस की रेड या ऑपरेशन फेल हो जाते हैं। लेकिन 100 करोड़ रुपए के इस नए प्रोजेक्ट के बाद ऐसा करना नामुमकिन होगा। यह सिस्टम पूरी तरह एनक्रिप्टेड होगा, यानी पुलिस की हर बात कोड में सुरक्षित रहेगी जिसे कोई भी बाहरी व्यक्ति डिकोड नहीं कर पाएगा। इस नए सिस्टम की सबसे बड़ी ताकत इसका डिजास्टर प्रूफ होना है। जब भी कोई बड़ी

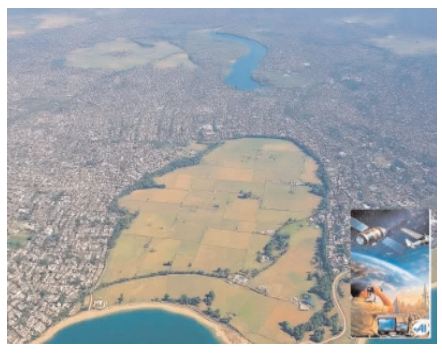

प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़ या भूकंप आता है, तो जमीन पर लगे मोबाइल टावर और बिजली लाइनें ठप हो जाती हैं। ऐसे समय में पुलिस का वायरलेस संपर्क टूट जाता है, जो राहत कार्यों में बड़ी बाधा बनता है। सैटेलाइट नेटवर्क सीधे अंतरिक्ष से संचालित होगा, इसलिए जमीन पर तबाही होने के बावजूद यह चौबीसों घंटे काम करेगा।

पुलिस की लाइन कभी बिजी नहीं होगी

मप्र पुलिस का यह सफर फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 1956 में प्रदेश की स्थापना के समय पुलिस सेना के रिजेक्टेड रेडियो सेट और मोर्स कोड (टिक-टिक वाली आवाज) के भरोसे थी। 1972 में पहली बार पुलिस के हाथ में वॉकी-टॉकी जैसे दिखने वाले वीएचएफ वायरलेस सेट आए। ये वेरी हाई फ्रीक्वेंसी पर काम करते थे। अब लगभग 70 साल बाद पुलिस बल सीधे अंतरिक्ष तकनीक का इस्तेमाल कर आधुनिक युग की चुनौतियों से लड़ने के लिए तैयार है। आम जनता के मोबाइल सिग्नल और पुलिस के नेटवर्क के बीच अक्सर ट्रैफिक जाम जैसी स्थिति बन जाती है। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार ने पुलिस और जांच एजेंसियों के लिए एक अलग रेडियो फ्रीक्वेंसी स्पेक्ट्रम आवंटित किया है। इसका फायदा यह होगा कि पुलिस की लाइन कभी बिजी नहीं होगी। पारंपरिक वीएचएफ सिग्नलों को स्कैनर या रेडियो रिसीवर की मदद से आसानी से इंटरसेप्ट किया (चोरी-छिपे सुना) जा सकता है। अपराधी पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने इसका फायदा उठाते रहे हैं। अब सैटेलाइट संचार आधुनिक डिजिटल एनक्रिप्शन का उपयोग करता है। इसमें सूचनाओं को कोड में बदल दिया जाता है, जिससे बातचीत को डिकोड करना नामुमकिन हो जाता है। वीएचफ सिस्टम केवल वॉयस कम्युनिकेशन के लिए बना है। इसके जरिए बड़ी फाइलें, हाई क्वालिटी वीडियो या लाइव लोकेशन साझा करना बहुत धीमा या असंभव होता है।

हर जगह एक समान काम करेगा यह सिस्टम

आधुनिक सैटेलाइट सिस्टम उच्च बैंडविड्थ पर चलते हैं। इसके जरिए रियल-टाइम वीडियो स्ट्रीमिंग, बायोमेट्रिक डेटा और जटिल डेटा फाइलों को पलक झपकते ही ट्रांसफर किया जा सकता है। प्रदेश में इस तकनीकी बदलाव पर लगभग 100 करोड़ का खर्च आएगा। इस नए सिस्टम को अपनाने जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया शुरू होगी। इसका एक बड़ा फायदा असीमित कवरेज के रूप में भी मिलेगा। वर्तमान वीएचएफ रेडियो लाइन ऑफ-साइट सिद्धांत पर काम करता है। इसकी सीमा आमतौर पर 40-60 किमी तक होती है। पहाड़ों, ऊंची इमारतों या घने जंगलों के कारण इसके सिग्नल बाधित हो जाते हैं। इससे उलट सैटेलाइट संचार में दूरी मायने नहीं रखती। सिग्नल सीधे अंतरिक्ष में स्थित उपग्रह से आते हैं, इसलिए यह ऊंचे पहाड़ों से लेकर गहरे जंगलों और सुदूर ग्रामीण इलाकों तक समान रूप से काम करता है। वीएचएफ में रेडियो फ्रीक्वेंसी का ओवरलैप होना एक समस्या है।

परियोजना के लिए राज्य के चार प्रमुख हाई वोल्टेज सबस्टेशनों का चयन

बैटरी स्टोरेज सिस्टम से मप्र को मिलेगी सस्ती बिजली

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र बिजली ट्रांसमिशन में बड़ी क्रांति करने जा रहा है. अगर प्रदेश सरकार का यह प्रयोग सफल रहा तो, भविष्य में किसानों को बड़ी राहत मिलेगी. 24 घंटे बिजली मिलने से किसानों को सिंचाई और दूसरी जरूरतों के लिए सस्ती बिजली मिल सकेगी. बिजली सब्सिडी घटाने में भी मदद मिलेगी. यानि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्र दिन-रात जगमगाएंगे, लोगों को कम दाम में 24 घंटे बिजली मिलेगी। इतना ही नहीं यह प्रयोग पर्यावरण के लिए भी बहुत असरदार होगा. प्रदेश ग्रीन एनर्जी का हब बन जाएगा. मप्र में सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बनने वाली बिजली को अब सुरक्षित रखकर जरूरत के समय इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके लिए राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली की बड़ी परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। दरअसल, मप्र में बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने और सौर ऊर्जा का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। राज्य में कुल 750 मेगावॉट क्षमता की बैटरी स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी, जिनसे करीब 3900 करोड़ का निवेश आने की संभावना है।

महंगी थर्मल बिजली पर निर्भरता कम होगी

परियोजना के तहत डेवलपर्स सौर ऊर्जा से बैटरियों को चार्ज करेंगे और जरूरत के समय बिजली ग्रिड में देंगे। इससे पीक डिमांड के दौरान महंगी थर्मल बिजली पर निर्भरता कम होगी। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम बिजली लागत को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इस पूरी योजना का क्रियान्वयन पॉवर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जो राज्य में बिजली खरीदने वाली मुख्य एजेंसी है। कंपनी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई सुविधाएं भी दे रही है, जैसे भूमि उपलब्ध कराना और ग्रिड से चार्जिंग के लिए व्यवस्था करना। मप्र में इस तरह की बड़ी परियोजनाएं शुरू होना ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं से न सिर्फ बिजली व्यवस्था

छत्तीसगढ़

GATE परीक्षा में हाईटेक चीटिंग का भंडाफोड़

'मुन्ना भाई MBBS स्टाइल में नकल की साजिश, पुलिस ने 6 को दबोचा

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। राष्ट्रीय स्तर की GATE परीक्षा में हाईटेक तरीके से नकल कराने की साजिश का रायपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध थाना डीडी नगर में विधिसम्मत कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि ब्रज्ञश्व परीक्षा के दौरान कुछ लोग इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से परीक्षार्थियों को अनुचित लाभ दिलाने की योजना बना रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी पश्चिम संदीप पटेल एवं डीसीपी क्राइम स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में एडीसीपी पश्चिम राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में एसीपी पुरानी बस्ती एवं क्राइम के नेतृत्व में थाना डीडी नगर और एसीसीयू रायपुर की संयुक्त टीम गठित कर तत्काल कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने परीक्षा केंद्र आयन डिजिटल ज़ोन (Ion Digital Zone), सरोना के आसपास गोपनीय निगरानी रखी। इस दौरान कुछ व्यक्तियों को संदिग्ध परिस्थितियों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ पकड़ा गया। पूछताछ और तलाशी में उनके पास नकल कराने में प्रयुक्त ब्लूटूथ और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि परीक्षा केंद्र के भीतर बैठे अभ्यर्थियों को विशेष ब्लूटूथ डिवाइस उपलब्ध कराए गए थे। अभ्यर्थी प्रश्न पढ़कर बाहर बैठे सहयोगियों तक पहुंचाते थे, जो गूगल सर्च के माध्यम से उत्तर निकालकर ब्लूटूथ डिवाइस से परीक्षार्थियों को भेजते थे। इसके बदले आरोपियों द्वारा परीक्षार्थियों से मोटी रकम वसूली जाती थी। इसके बाद पुलिस ने परीक्षा केंद्र से संपर्क कर संदिग्ध परीक्षार्थियों की तलाशी ली, जहां उनके पास से ब्लूटूथ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद की गई। डीडी नगर थाना में अपराध क्रमांक 112/2026 के तहत धारा 318(2), 61(2) ब्लृह्स्, 66 आईटी एक्ट, 10(1) लोक परीक्षा अनुचित साधनों का निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

मुंगेली की होनहार बेटी सुप्रिया ने पूरे प्रदेश का बढ़ाया मान, भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ चयन

बिलासपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। मुंगेली जिले के ग्राम टेढ़ाधौरा की रहने वाली सुप्रिया ठाकुर का चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद के लिए हुआ है. सुप्रिया का चयन SSC (W) Tech-66 Entr4 के माध्यम से हुआ है. उन्हें 17 एसएसबी बोर्ड, बेंगलुरु से रिकमेंडेशन मिला है. खास बात यह है कि सुप्रिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स वैकेंसी में ऑल इंडिया रैंक-4 हासिल कर देशभर में शानदार प्रदर्शन किया है. सुप्रिया ने अपनी स्कूली शिक्षा सेंट जोसेफ कॉन्वेंट हायर सेकेंड्री स्कूल, तारबहार, बिलासपुर से पूरी की. इसके बाद उन्होंने चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की. सुप्रिया एनसीसी 'C' सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर चुकी हैं, और इसी दौरान उन्हें भारतीय सेना का एक्सपोजर मिला, जिससे उनके भीतर देशसेवा का सपना और मजबूत हुआ. सुप्रिया ने बताया कि बचपन से ही उनके मन में सेना में ऑफिसर बनकर देश की सेवा करने की इच्छा थी. इस सफलता में उनके माता-पिता और भाई का बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया. सुप्रिया के पिता वैदेही शरण सिंह श्रीनेत और माता संतोषी सिंह श्रीनेत हैं. परिवार मूल रूप से मुंगेली जिले के ग्राम टेढ़ाधौरा का निवासी है, जबकि सुप्रिया की पढ़ाई बिलासपुर में हुई. सुप्रिया की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है. वहीं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी सुप्रिया ठाकुर को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं.

महाशिवरात्रि पर बाबा धाम में सीएम साय ने की पूजा-अर्चना

1.20 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ रायगढ़ प्रवास के दौरान देर रात एक बजे ग्राम कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम पहुंचे. उन्होंने भगवान भोलेनाथ एवं श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश वासियों को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी. इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने जिला खनिज न्यास मद के अंतर्गत 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया. प्रस्तावित कार्यों में मुख्य भवन के सामने ग्रेनाइट फर्श सहित शेड निर्माण, आगंतुकों के विश्राम एवं भोजन के लिए शेड निर्माण, शौचालय परिसर भवन का निर्माण तथा पार्किंग क्षेत्र के लिए सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण शामिल हैं. उन्होंने इन कार्यों के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोसमनारा स्थित यह धाम श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है. यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा समाज को सकारात्मक दिशा और आत्मबल प्रदान करती है. उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुरुजनों के आशीर्वाद और जनता के विश्वास के साथ जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है. उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित यह धाम वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा एवं भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं. स्थानीय जनश्रुति के अनुसार, श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा वर्ष 1998 से कठोर तपस्या में लीन हैं. वर्ष 2003 में उन्हें 'श्री श्री 108' की उपाधि प्राप्त हुई, जिसके बाद धाम की ख्याति और अधिक बढ़ी.

नशे के खिलाफ जंग: 50 किग्रा गांजा के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

धमतरी, प्रातःकिरण संवाददाता। एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट तथा थाना सिविल लाईन पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कार से गांजा की तस्करी करते दो तस्करों को पकड़ने में कामयाबी पाई है. तस्करों के पास से 50.94 किलोग्राम गांजा के साथ 2 लाख रुपए नगदी, कार और मोबाइल सहित कुल 32,67,000 रुपए का माल जब्त किया है. जानकारी के अनुसार, एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट की टीम को 14 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली की सिविल लाइन थाना क्षेत्रांतर्गत केनाल रोड स्थित दुर्गा मंच के पीछे खाली मैदान में एक चारपहिया वाहन में सवार दो व्यक्ति अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री के उद्देश्य से ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं. सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एण्ड साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को सूचना की तस्दीक कर आरोपियों को मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए. वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट तथा थाना सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर वाहन में सवार दो लोगों से पूछताछ की.

शिक्षा गुणवत्ता अभियान

'मिशन 90 प्लस' से बदलेगी तस्वीर

डी-ई ग्रेड विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा से परिवर्तन कार्यक्रम

मुंगेली, प्रातःकिरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 'मिशन 90 प्लस' के अंतर्गत जिले में प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के 'डी' एवं 'ई' ग्रेडिंग वाले विद्यार्थियों को परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया. कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, परीक्षा भय को दूर करना और उत्कृष्ट परिणाम के लिए प्रेरित करना था. कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने खुलकर अपनी शंकाएँ साझा कीं. विद्यार्थियों ने टाइम टेबल बनाने, लंबे समय तक ध्यान केंद्रित रखने, नकारात्मकता से दूर रहने तथा प्रतिशत और ज्ञान के महत्व जैसे विषयों पर भी प्रश्न किए, जिस पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया. विद्यार्थियों ने परीक्षा से पहले होने वाले तनाव, पढ़ाई के बाद भूलने की समस्या तथा सफल जीवन के लिए आवश्यक टिप्स, बोर्ड परीक्षा में उत्तर लिखते समय होने वाली घबराहट, परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन, परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन और कम समय में प्रभावी तैयारी के उपाय जानने की जिज्ञासा व्यक्त की.

इसी तरह कक्षा 11वीं की छात्रा मनीषा मनहरण ने स्वयं के नोट्स बनाने के महत्व को साझा करते हुए आगे की पढ़ाई के लिए हॉस्टल सुविधा की मांग रखी. इन सभी पर कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने मार्गदर्शन प्रदान कर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने प्रेरित किया.

सीमित संसाधन में बेहतर परिणाम -कलेक्टर

कार्य म को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएँ जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव हैं. उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि सीमित संसाधन में बेहतर परिणाम आते हैं तथा अभाव में ही व्यक्ति की क्षमता में निखरकर सामने आती है, इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए पूरी लगन एवं मेहनत से पढ़ाई करें.
कलेक्टर ने बताया कि संसाधनों का बेहतर उपयोग, मोबाइल से अनावश्यक दूरी और समय प्रबंधन सफलता की कुंजी हैं. उन्होंने विद्यार्थियों को अपने डर की सूची बनाकर उन्हें दूर करने के लिए कार्य करने की सलाह दी. कलेक्टर ने कहा कि परेशानियों को अवसर के रूप में लें और उनका डटकर सामना करें. उन्होंने नियमित रिवीजन, लिखने का अभ्यास और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने पर बल देते हुए परीक्षा में अच्छे अंक लाने के तरीके भी बताए. बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच से बेहतर परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे.

प्रेम का उत्सव या संवेदना का अवसान?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

सृष्टि में यदि किसी तत्व को ईश्वरीय शुभाशीष का सर्वोच्च उपहार कहा जाए, तो वह निःसंदेह प्रेम है। प्रेम जो सर्वतो भावेन अनन्य समर्पण है। प्रेम जो ब्रह्मरस की साकार अनुभूति है। प्रेम जो करुणा, क्षमा और सहअस्तित्व की चरम अभिव्यक्ति है। प्रेम कोई क्षणिक आकर्षण नहीं, कोई देहप्रधान अनुभूति नहीं, कोई बाजारू उत्पाद नहीं, बल्कि वह आत्मा से आत्मा का संवाद है। भारतीय दर्शन में प्रेम को काम नहीं, बल्कि प्रेम कहा गया है जहाँ काम वासना है, वहीं प्रेम साधना। लेकिन आज का समय इस मूल अवधारणा से विमुख होता प्रतीत हो रहा है। प्रेम, जो कभी साध्य था, अब साधन बनता जा रहा है। भारतीय परंपरा में प्रेम को चार स्तरों पर समझा गया है । प्रीत यानि आत्मीय लगाव। नीति यानि कर्तव्यनिष्ठ स्नेह। मित्रता (मित) यानि समानता और विश्वास। रीति यानि सामाजिक और सांस्कृतिक मयार्दा। इन चारों का समन्वय ही प्रेम को पूर्ण बनाता है। यह प्रेम माता-पिता और संतान के बीच है, गुरु और शिष्य के बीच है, पति-पत्नी के बीच है, और सबसे ऊपर ईश्वर और भक्त के बीच है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में प्रेम को पूजा का रूप दिया गया है, न कि प्रदर्शन का। पिछले कुछ दशकों में भारतीय समाज में एक विचित्र द्वंद्व दखा जा रहा है। आधुनिकता अपनाना चाहते हैं, लेकिन विवेक त्यागकर। वैश्विक बनना चाहते हैं, परंतु अपनी जड़ों को काटकर। वेलेंटाइन डे इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह दिन मूलतः पाश्चात्य समाज की ऐतिहासिक-धार्मिक पृष्ठभूमि से उपजा है, परंतु भारत में इसे प्रेम के सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर दिया गया है बिना यह समझे कि भारतीय समाज में प्रेम की अभिव्यक्ति पहले से कहीं अधिक गहन और व्यापक रही है। आज प्रेम को मापा जाता है महंगे उपहारों से। सोशल मीडिया पोस्ट से। रेस्तरां बुकिंग से। ब्रांडेड गुलाब और चॉकलेट से। प्रेम अब अनुभूति नहीं, प्रदर्शन है। जहाँ पहले प्रेम त्याग सिखाता था, वहीं अब वह अपेक्षा सिखाता है। जहाँ पहले प्रेम मौन में जीया जाता था, वहीं अब वह कैमरे के सामने सिद्ध किया जाता है। यह व्यावसायीकरण केवल प्रेम को नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को ही वस्तु में बदल रहा है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि एक ओर गुलाब दिवस, चॉकलेट दिवस, वेलेंटाइन दिवस मनाते हैं और दूसरी ओर छह वर्ष पूर्व देश के 40 वीर जवानों की शहादत स्मृति-पटल से ओझल होती जा रही है। यह प्रश्न केवल एक घटना का नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का है। जब समाज स्मरण से कटता है, तो उसका भविष्य दिशाहीन हो जाता है। आज प्रेम परिवार से बाहर खोजा जा रहा है, जबकि परिवार स्वयं प्रेम की प्रथम पाठशाला है। माँ-पिता का प्रेम अब मदर्स डे और फादर्स डे तक सीमित होता जा रहा है। बच्चे प्रेम नहीं, कंटेंट उपभोग कर रहे हैं। संवाद नहीं, नोटिफिकेशन बढ़ रहे हैं। यह स्थिति केवल सामाजिक नहीं, बल्कि मानसिक और नैतिक संकट का संकेत है। आधुनिक समाज ने प्रेम को देह से जोड़ दिया है। लेकिन भारतीय दर्शन प्रेम को आत्मा से जोड़ता है। देह आकर्षण चाहती है, आत्मा समर्पण। देह उपभोग चाहती है, आत्मा स्थायित्व। जब प्रेम देह तक सीमित होता है, तो वह टूटता है। जब आत्मा तक पहुँचता है, तो वह शाश्वत बनता है। आज दुख, शोक, प्रेम, करुणा, सब ब्रेकिंग न्यूज बन चुका है। संवेदना अब अनुभूति नहीं, बल्कि हेडलाइंस है। यही कारण है कि शहादत पर दो मिनट का मौन रखते हैं, और प्रेम पर सात दिन का उत्सव। आज आवश्यकता है प्रेम को पुनः समझने की। प्रेम को बाजार से मुक्त करने की। प्रेम को देह से ऊपर उठाने की। प्रेम को परिवार, समाज और राष्ट्र से जोड़ने की। प्रेम केवल प्रेमी-प्रेमिका का विषय नहीं है, वह मानवता का आधार है। प्रेम कोई दिवस नहीं है, प्रेम कोई ट्रेंड नहीं है, प्रेम कोई उत्पाद नहीं है। प्रेम निरंतर साधना है। यदि प्रेम है तो शहीदों का सम्मान होगा। माता-पिता की सेवा होगी। समाज में करुणा होगी और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व होगा। यही प्रेम का भारतीय स्वरूप है। यही प्रेम का शाश्वत सत्य है।

चुनाव के बाद चुप्पी: क्या राइट टू रिकॉल समय की मांग है?

यदि इसे संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर, चरणबद्ध और संतुलित रूप में लागू किया जाए, तो यह लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बना सकती है। एक सशक्त लोकतंत्र वही होता है जहाँ जनता केवल वोट डालने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सत्ता को नियंत्रित करने की वास्तविक क्षमता भी रखे। इसके साथ ही यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि विपक्षी दल या प्रभावशाली हित समूह इस अधिकार का दुरुपयोग कर सकते हैं और जनभावनाओं को भड़काकर निर्वाचित सरकारों को गिराने का प्रयास कर सकते हैं। तात्कालिक असंतोष या अफवाहों के आधार पर लिया गया निर्णय दीर्घकालिक नीतियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इन आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सत्ता जनता के हाथों में निहित होती है और निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं। चुनाव इसी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जिनके द्वारा जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है। किंतु व्यवहार में यह आदर्श अक्सर कमजोर पड़ता दिखाई देता है। चुनाव से पहले नेता जनता के बीच सक्रिय रहते हैं, जनसभाएँ करते हैं, समस्याएँ सुनते हैं और बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जैसे ही चुनाव संपन्न होता है और सत्ता मिलती है, वही नेता जनता से दूर होते चले जाते हैं। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी बन जाती है कि जनता अपने ही प्रतिनिधियों से मिलने और अपनी बात रखने के लिए संघर्ष करती नजर आती है। यही वह विरोधाभास है जिसने राइट टू रिकॉल जैसे विचार को जन्म दिया है। वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के पास प्रतिनिधियों को नियंत्रित करने का एकमात्र प्रभावी साधन अगला चुनाव होता है, जो प्रायः पाँच वर्ष बाद आता है। यदि इस अवधि के दौरान कोई प्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाए, जनता की समस्याओं की अनदेखी करे या अपने चुनावी वादों से पूरी तरह मुकर जाए, तो जनता असहाय बनी रहती है। यह असहायता लोकतंत्र में निराशा और अविश्वास को जन्म देती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जिस जनता को प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है, क्या उसे प्रतिनिधि को हटाने का अधिकार नहीं होना चाहिए? राइट टू रिकॉल इसी प्रश्न का उत्तर प्रस्तुत करता है। इसका तात्पर्य है कि यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करता, जनता के विश्वास को तोड़ता है या लगातार जनविरोधी कार्य करता है, तो जनता एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से उसे कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही पद से हटा सके। यह अवधारणा लोकतंत्र को केवल प्रतिनिधिक नहीं रहने देती, बल्कि उसे वास्तविक अर्थों में जवाबदेह बनाती है। इससे प्रतिनिधियों को यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि उनकी जिम्मेदारी चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे कार्यकाल में जनता के प्रति बनी रहती है। दुनिया के कई हिस्सों में इस विचार को व्यवहार में लाया गया है। उदाहरणस्वरूप, स्विट्जरलैंड में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की परंपरा मजबूत मानी जाती है, जहाँ नागरिकों की भूमिका केवल प्रतिनिधि चुनने तक सीमित नहीं रहती। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर पर रिकॉल चुनावों के माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधियों को हटाने की व्यवस्था मौजूद है। ये उदाहरण दशार्ते हैं कि ह्लराइट टू रिकॉलह्व कोई अव्यावहारिक कल्पना नहीं, बल्कि एक कार्यशील लोकतांत्रिक उपाय है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में जवाबदेही का प्रश्न और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ पंचायत स्तर पर कुछ राज्यों में सरपंच या स्थानीय प्रतिनिधियों को हटाने की सीमित व्यवस्थाएँ मौजूद हैं, किंतु विधायक और सांसद जैसे उच्च पदों के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। परिणामस्वरूप, कई बार जनता को पाँच वर्षों तक ऐसे प्रतिनिधियों को झेलना पड़ता है, जो न तो सदन में सक्रिय रहते हैं और न ही अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। भारत में राइट टू रिकॉल की मांग समय-समय पर उठती रही है। इसके समर्थकों का मानना है कि यह व्यवस्था नेताओं में निरंतर जवाबदेही का भाव पैदा करेगी। जब प्रतिनिधि को यह ज्ञात होगा कि जनता चाहे तो उसे पद से हटा सकती है, तब वह जनहित के मुद्दों को गंभीरता से लेगा। इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, सत्ता के दुरुपयोग की प्रवृत्ति कम होगी और लोकतंत्र केवल औपचारिक न रहकर जीवंत बनेगा। इसके अतिरिक्त, यह अधिकार जनता को केवल मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में स्थापित करेगा। हालाँकि इस अवधारणा के आलोचक भी कम नहीं हैं। उनका तर्क है कि राइट टू रिकॉल से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। बार-बार रिकॉल की कोशिशें सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि विपक्षी दल या प्रभावशाली हित समूह इस अधिकार का दुरुपयोग कर सकते हैं और जनभावनाओं को भड़काकर निर्वाचित सरकारों को गिराने का प्रयास कर सकते हैं। तात्कालिक असंतोष या अफवाहों के आधार पर लिया गया निर्णय दीर्घकालिक नीतियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इन आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन इन्हें आधार बनाकर राइट टू रिकॉल की अवधारणा को पूरी तरह खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि इसे संतुलित और विवेकपूर्ण ढंग से लागू किया जाए। यदि रिकॉल प्रक्रिया शुरू करने के लिए मतदाताओं के एक बड़े हिस्से का समर्थन अनिवार्य किया जाए, कार्यकाल के शुरूआती और अंतिम चरणों में इस पर रोक लगाई जाए और पूरी प्रक्रिया स्वतंत्र तथा पारदर्शी संस्थाओं द्वारा संचालित हो, तो दुरुपयोग की संभावना काफी हद तक कम की जा सकती है। लोकतंत्र कोई स्थिर व्यवस्था नहीं है; यह समय और समाज की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होता रहता है। जिस प्रकार सार्वभौमिक मताधिकार, सूचना का अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े सुधारों ने लोकतंत्र को अधिक मजबूत बनाया, उसी प्रकार ह्लराइट टू रिकॉलह्व भी लोकतांत्रिक विकास की अगली कड़ी के रूप में देखा जा सकता है। आज जब जनता पहले से अधिक जागरूक है, सूचना तक उसकी पहुँच व्यापक है और वह अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है, तब लोकतंत्र में जवाबदेही के नए औजारों की मांग स्वाभाविक है। अंततः राइट टू रिकॉल कोई चमत्कारी समाधान नहीं है, लेकिन यह उस समस्या को अवश्य संबोधित करता है जिसमें चुनाव के बाद जनता और नेता के बीच दूरी बढ़ जाती है। यह अवधारणा नेताओं को यह स्मरण कराती है कि सत्ता स्थायी अधिकार नहीं, बल्कि जनता की अमानत है।

ढाका में बदलाव की हवा, भारत के सामने नई कसौटी

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असर केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव व्यापक दक्षिण एशियाई भू-राजनीति पर भी पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान क्षेत्र में अपने प्रभाव को लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक होगा कि वह बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत रखे, ताकि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के प्रतिकूल न जाए। बहुपक्षीय मंचों और उप-क्षेत्रीय सहयोग पहलों के माध्यम से संवाद और सहयोग को सुदृढ़ किया जा सकता है। ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए संतुलित और सक्रिय कूटनीति अपनाना अनिवार्य होगा।

प्रियंका सौरभ
लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

बांग्लादेश के हालिया आम चुनावों में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने तारिक रहमान के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। सत्रह वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद राजनीति में लौटे तारिक रहमान ने अपनी माँ और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी को दो-तिहाई से अधिक सीटें दिलाईं। यह जीत न केवल एक चुनावी सफलता है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में सत्ता संतुलन के व्यापक पुनर्संयोजन और एक नए राजनीतिक दौर की शुरूआत का संकेत भी देती है। भारत के लिए यह परिणाम अवसरों के साथ-साथ कई रणनीतिक अनिश्चितताएँ भी लेकर आया है, जिनका प्रबंधन आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेगा। पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय तक बांग्लादेश की राजनीति पर अवामी लीग और शेख हसीना का वर्चस्व रहा। इस अवधि में स्थिरता, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ सत्ता के केंद्रीकरण, विपक्ष के दमन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने के आरोप भी लगातार लगते रहे। लंबे समय तक एक ही राजनीतिक धारा के प्रभुत्व ने मतदाताओं में प्रशासनिक थकान और परिवर्तन की आकांक्षा को जन्म दिया। बीएनपी की जीत को इसी व्यापक जन-असंतोष और राजनीतिक विकल्प की तलाश के परिणाम के रूप में देखा जा सकता। तारिक रहमान लंबे समय से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली, किंतु विवादास्पद चेहरा रहे हैं। निर्वासन काल के दौरान उन पर भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कट्टरपंथी तत्वों से संबंधों जैसे आरोप लगे, जिनके कारण उनकी छवि धूमिल हुई। हालांकि दिसंबर 2025 में लंदन से स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने पार्टी संगठन का पुनर्गठन किया, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया और जमीनी स्तर पर जन आंदोलन को पुनर्जीवित किया। निर्वासन काल के अनुभवों को उन्होंने राजनीतिक पूंजी में बदला और बीएनपी को चुनावी रूप से पुनर्स्थापित किया। इस संदर्भ में यह जीत केवल पारिवारिक विरासत का विस्तार नहीं, बल्कि रणनीतिक पुनर्संयोजन, संगठनात्मक अनुशासन और बदलते राजनीतिक यथार्थ को समझने की क्षमता की सफलता भी मानी जा रही है। बीएनपी ने 13वें आम चुनावों में आर्थिक सुधार, भ्रष्टाचार उन्मूलन और अल्पसंख्यक सुरक्षा को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में प्रस्तुत किया। बेरोजगारी, महँगाई और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया। पार्टी ने अपनी पारंपरिक कट्टरपंथी छवि से दूरी बनाने का प्रयास किया और हिंदू समुदाय सहित सभी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह जनादेश इस बात को रेखांकित करता है कि लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक वर्चस्व और प्रशासनिक थकान के बाद मतदाताओं ने परिवर्तन को प्राथमिकता दी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्ता परिवर्तन ने यह भी संकेत दिया कि बांग्लादेशी समाज स्थिरता के साथ-साथ उत्तरदायी शासन की अपेक्षा रखता है। भारत के दृष्टिकोण से बीएनपी की यह जीत मिश्रित संकेत देती है। ऐतिहासिक रूप से भारत के संबंध अवामी लीग सरकार के साथ अधिक सहज और स्थिर रहे हैं। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद-रोधी सहयोग और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में शेख हसीना सरकार ने भारत के साथ घनिष्ठ तालमेल रखा। इसके विपरीत, बीएनपी को लेकर नई दिल्ली में हमेशा संदेह बना रहा है, विशेषकर 2001-06 के शासनकाल के अनुभवों के कारण। हालांकि हाल के वर्षों में तारिक रहमान ने भारत के प्रति अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। चुनावों से पहले भारत द्वारा बीएनपी को अनौपचारिक रूप से ह्लग्रीन सिग्नलह्व देना इसी बदलते दृष्टिकोण को दशार्ता है। यह संकेत करता है कि भारत अब बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में किसी एक दल पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी संवाद की नीति अपनाने को तैयार है। आर्थिक दृष्टि से बीएनपी सरकार भारत के लिए नए अवसर खोल सकती है। बांग्लादेश भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दक्षिण एशिया में भारत की ह्लनेबरहुड फर्स्टह्व नीति का अहम स्तंभ भी है। नई सरकार के कार्यकाल में द्विपक्षीय व्यापार के 20 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जलविद्युत सहयोग, सीमा व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिल सकती है। बांग्लादेश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारतीय निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है। अल्पसंख्यक हितों की रक्षा को लेकर बीएनपी की सार्वजनिक प्रतिबद्धता भारत की सामाजिक और राजनीतिक चिंताओं को कुछ हद तक कम करती है। इसके बावजूद, अनिश्चितताएँ बनी हुई हैं। बीएनपी पर कट्टरपंथी तत्वों के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगते रहे हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों की भूमिका को लेकर सतर्कता आवश्यक है। तारिक रहमान पर लगे पुराने भ्रष्टाचार आरोप, पाकिस्तान के साथ कथित संबंध और हालिया सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ, तस्करी, मानव तस्करी और आतंकवाद से जुड़े जोखिम भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती, तो द्विपक्षीय विश्वास प्रभावित हो सकता है।

जलवायु परिवर्तन की दस्तक सिमटता वसंत और बढ़ती फरवरी की गर्मी

उत्तर भारत में इस वर्ष फरवरी का महीना अप्रत्याशित गर्मी लेकर आया है। कई शहरों में तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोगों को ऐसा महसूस हो रहा है मानो सर्दी के बाद सीधे मई का मौसम आ गया हो। जिस समय फागुन की मादक बयार बहती थी और दिन में हल्की गर्मी के साथ रात में ठंडक रहती थी उस समय अब तेज धूप और शुष्क हवाएं चल रही हैं। वसंत का संतुलित और सुखद स्वरूप जैसे अचानक सिमट गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह स्थिति केवल एक अस्थायी बदलाव नहीं बल्कि दीर्घकालिक जलवायु प्रवृत्ति का संकेत है। वैश्विक स्तर पर पिछले वर्ष अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई और 2025 भी गर्म वर्षों में शामिल रहा। इसका प्रभाव क्षेत्रीय मौसम चक्र पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सीधी गर्मी आने के पीछे कई कारण हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा धरती की सतह से उत्सर्जित ऊष्मा को रोक लेती है जिससे तापमान बढ़ता है। औद्योगीकरण वाहनों की बढ़ती संख्या ऊर्जा की अत्यधिक खपत और जंगलों की कटाई इस प्रवृत्ति को तेज कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है जिससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। सर्दियों में अपेक्षित वर्षा और हिमपात में कमी भी ठंड के प्रभाव को सीमित कर देती है और तापमान तेजी से ऊपर चला जाता है। वसंत के सिमटने का असर प्रकृति पर स्पष्ट है। पहले सरसों के खेत कई दिनों तक पीले फूलों से लहराते थे और पेड़ों पर नई कोपलें धीरे धीरे खिलती थीं। अब तेज गर्मी के कारण फसल जल्दी पक रही है और फूलों का जीवनकाल कम हो रहा है। अमलतास गुलाब और चमेली की सुगंधित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। पतझड़ और नई पत्तियों के आने का क्रम असंतुलित हो गया है जिससे परागण प्रक्रिया और जैव विविधता पर प्रभाव पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र के लिए यह परिवर्तन चुनौतीपूर्ण है। समय से पहले तापमान बढ़ने से गेहूं जैसी रबी फसलों की उपज प्रभावित हो सकती है। मिट्टी की नमी जल्दी समाप्त होती है और सिंचाई की मांग बढ़ जाती है। यदि मार्च और अप्रैल में ही लू जैसे हालात बनते हैं तो किसानों की लागत बढ़ेगी और उत्पादन घट सकता है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न भी है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यदि फरवरी में ही गर्मी बढ़ती रही तो हीटवेव का खतरा पहले उत्पन्न हो सकता है। बुजुर्ग बच्चों और श्रमिक वर्ग को अधिक सावधानी की आवश्यकता होगी। जल की कमी और बिजली की बढ़ती मांग से सामाजिक दबाव बढ़ सकता है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रेस के मामलों में वृद्धि की आशंका रहती है। जहां तक आगे ठंड बढ़ने की संभावना का प्रश्न है तो अल्पकाल में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ दिनों के लिए बादल और वर्षा हो सकती है जिससे तापमान में हल्की गिरावट आएगी। पश्चिमी हिमालय में वर्षा और बर्फबारी का प्रभाव मैदानी क्षेत्रों तक महसूस हो सकता है परंतु दीर्घकालिक प्रवृत्ति गर्मी की ओर झुकी हुई है। इसलिए यह मानना उचित होगा कि मौसम में अस्थिरता बनी रहेगी और वसंत की पारंपरिक अवधि छोटी होती जाएगी। निवारण के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। कार्बन उत्सर्जन में कमी सबसे महत्वपूर्ण कदम है। सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होगा। सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना चाहिए। वृक्षारोपण और हरित क्षेत्रों का विस्तार स्थानीय तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगा। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को प्राथमिकता देनी चाहिए। नीति निर्माण में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है। व्यक्तिगत स्तर पर भी जिम्मेदारी निभानी होगी। ऊर्जा की बचत जल का संयमित उपयोग और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाना आवश्यक है।

एआई की नकारात्मकता से निपटने हेतु भारत की अभिनव पहल

डॉ. रवीन्द्र अरजरिया

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को लेकर समूचे संसार में तकनीकी क्रान्ति का शंखनाद हो चुका है जिसमें मानवीय क्षमताओं को चुनौती देने की सामर्थ विकसित की गई है। साइबर युग में एआई को एक बेहद उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। भारत ने इसे एक अवसर के रूप में स्वीकार करके विश्वस्तर पर अग्रणीय बनने की पहल शुरू कर दी है। देश के नेतृत्व ने जी-20 के बाद पुनः अपनी धरती पर संसार को एकत्रित करके मेजबानी का सम्मानित स्थान प्राप्त कर लिया है। नई दिल्ली के भारत मण्डपम् में 16 फरवरी से 20 फरवरी तक आयोजित हो रहे एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को एक बडी सफलता माना जा रहा है। समावेशी और प्रभावशाली एआई के द्वारा संसार का भविष्य तय करने के लिए इस समिट को मील के पत्थर के रूप में चिन्हित किया गया है जिसमें 20 देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति अपनी भागीदारी दर्ज करेंगे। आयोजन में आने हेतु भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, बोलिविया के उपराष्ट्रपति एडमंड लारा मोंटानो, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा, क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेय प्लेंकोविच, एस्टोनिया के अलार कारिस, फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेट्टेरी ऑरपो, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यिरियाकोस मित्सोटाकिस, गुयाना के उपराष्ट्रपति भरत जगदेव, कजाखस्तान के प्रधानमंत्री ओल्झास बेक्टेनोव, लिकटेंस्टाइन के प्रिंस एलोइस, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्सांदर वुचिच, स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी, स्पेन के राष्ट्रपति पेद्रो सांचेज पेरेज, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबास्टियन पिल्ले, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पारमेलिन, नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ, यूएई के शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान तथा अबू धाबी के क्राउन प्रिंस ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके अलावा 45 से ज्यादा देशों के मंत्रीस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचेंगे। इस श्रंखला का शुभारम्भ सन् 2023 में एआई सेफ्टी समिट के रूप में ब्लेचली पार्क यूके से हुआ था जिसके अगले वर्ष दक्षिण कोरिया में एआई सोल समिट हुई और फिर सन् 2025 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में एआई एक्शन समिट आयोजित की गई। नई दिल्ली में होने वाली समिट का नाम एआई इम्पैक्ट समिट रखा गया है। इस चौथा समिट को पीपल, प्लैनेट तथा प्रोग्रेस आधार पर संचालित करने की व्यवस्था निर्धारित है। मानव के द्वारा निर्मित की जाने वाली यह तकनीय अब कम समय में उससे भी ज्यादा कार्य करने के लिए तैयार है। इस सकारात्मक अनुसंधान को कलुषित मानसिकता वाली डीप स्टेट ने अपने लिए संसार पर राज्य करने का हथियार बना लिया है। विकृतियां परोसने, विध्वंसात्मक षडयंत्रों को धरातल पर उतारने तथा धातक नीतियों को क्रियान्वित की दिशा में अग्रसर हो रहे सक्षम राक्षसों ने स्वार्थपूर्ति, वर्चस्व स्थापना और तानाशाही करने हेतु एक व्यापक कार्य योजना बना रखी है। संसार के लगभग सभी देशों में डीप स्टेट ने अपने स्लीपर सेल बना रखे हैं जिन्हें आवश्यकतानुसार सक्रिय करके लक्ष्य भेदन के प्रयास किये जाते हैं। अनेक देशों का सत्ता परिवर्तन, आन्तरिक कलह, आतंकवादी गतिविधियां, हिंसक प्रहार जैसे उदाहरण निरंतर सामने आ रहे हैं। इन सबके पीछे केवल और केवल डीप स्टेट ही है। यह गुप्त संगठन संसार के सभी देशों में मौजूद लालची प्रवृति वाले राष्ट्रद्रोही मीर जाफरों को चिन्हित करता हैं, उन्हें सुखद भविष्य का सब्जबाग दिखाता हैं और फिर भौतिक संसाधनों सहित आर्थिक लाभ की तराजू पर तौलकर अपना गुलाम बना लेता हैं। यही मीरजाफर है जो अपने ही राष्ट्र को किस्तों में कत्ल करते हुए बेशर्मी के ठहाके लगाते हैं। इनमें राजनेताओं, अधिकारियों तथा सम्पन्न लोगों की एक बडी संख्या मौजूद है। डीप स्टेट अपने स्लीपर सेल को उनकी प्रतिभा के अनुरूप एआई में पारंगत करके तकनीकी माध्यम से अशान्ति फैलाने, आकाओं के हित साधने तथा स्वार्थपूर्ति के लक्ष्य भेदन करने हेतु तैयार कर रहा है। ऐसे में चिन्ता के बादलों तले आशंकित संसार के माथे पर उभरने वाली रेखायें निरंतर गहरा रहीं हैं। एआई की विगत तीन समिट के बाद अपेक्षाकृत परिणामों की बेहद कमी दृष्टिगोचर हुई है किन्तु भारत में आयोजित इस चौथी समिट को लेकर समूचा संसार आशावान है। दुनिया भर में एआई के दो स्वरूपों की व्यापक चर्चा हो रही है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 16 फरवरी, 2026

केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय बजट 2026-27 को आत्मनिर्भर भारत का बजट बताया

● यह बजट 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने मे मील का पत्थर साबित होगा – केंदीय मंत्री सतीश चन्द्र दुबे

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर बगहा में भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सतीश चंद्र दुबे ने बजट को ह्यआत्मनिर्भर भारत का बजटह्ण और ह्यविकसित भारत का संकल्प पत्रह्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि यह बजट देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ किसानों, युवाओं और मध्यम वर्ग के सपनों को साकार करने की दिशा में ठोस कदम है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि बजट में कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने, किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक तकनीक से खेती को जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। सिंचाई, भंडारण और ग्रामीण अवसंरचना के विकास के लिए प्रावधान बढ़ाए गए हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। युवाओं के लिए कौशल विकास, स्टार्टअप और रोजगार सृजन से जुड़े प्रावधानों को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना है। शिक्षा और डिजिटल इनोवेशन को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। सतीश चंद्र दुबे ने बताया कि बुनियादी ढांचे, सड़क, रेलवे और कनेक्टिविटी पर विशेष फोकस से क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि यह बजट 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा।

महाशिवरात्रि के मधेनजर जटाशंकर प्रवेश द्वार पर की गई वाहन जांच सख्त

बगहा। महाशिवरात्रि के मौके पर शिवालयों मे श्रधालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी। जिसे देखते ही वन विभाग ने वीटीआर के प्रवेश द्वार जटाशंकर चेकनाका पर वन विभाग द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। अग्नय समान के साथ साथ अग्नयास्त्र के वीटीआर जंगल मे किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। बतादें की वीटीआर जंगल के बिचो बीच जटाशंकर शिवालय स्थापित है जिसका जिक्र पुराणो मे उक्केरित है इसलिए श्रधालु दूर दूर से इस मंदीर मे श्रधालु पूजा अर्चना के लिए आते हैं। वहीं वन विभाग वन संपदा की सुरक्षा के मधेनजर वन प्रवेश द्वार जटाशंकर चेकनाका पर वाहन जांच अभियान तेज किया।

बगहा एसडीएम और रामनगर एसडीपीओ ने पूजा स्थलों का निरीक्षण कर नीलकंठ महादेव का जलाभिषेक किया

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा के बाबा विश्वभर नाथ पक्की बवली समेत रामनगर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। इस दौरान बगहा एसडीएम चांदनी कुमारी और रामनगर एसडीपीओ रागिनी कुमारी ने भी नीलकंठ महादेव को जलाभिषेक किया और पूजा स्थल की व्यवस्था समेत मेला का निरीक्षण किया। रामनगर में करीब 2 किलोमीटर तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हुई थी जो भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते रहे।बगहा एसडीएम और रामनगर एसडीपीओ ने मंदिर का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। चौक-चौराहों पर पुलिस की मुस्तैदी देखी गई और भारी वाहनों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई थी। महाशिवरात्रि पर लाखों श्रद्धालुओं ने बगहा और रामनगर समेत वाल्मीकिनगर में भगवान शिव को जलाभिषेक कर अपने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान पुलिस और प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। खुद दोनों वरिय महिला पुलिस प्रशासन की आलाधिकारी दर्शन करने शिव मंदिर पहुंचे हैं और जिलेवासियों को बधाई और शुभकामनायें दीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

रक्सौल में आवश्यक रख रखाव हेतु विद्युत आपूर्ति 3 घंटे तक रहेगी बाधित

रक्सौल। रक्सौल में सोमवार को शीतलपुर और टाउन 3 फीडर की विद्युत आपूर्ति सुबह 09 बजे से दिन के 12 बजे तक तथा आईसीपी, बियाडा, रेलवे, इंडस्ट्रीयल तथा कौड़ीहार फीडर की विद्युत आपूर्ति उपरोक्त अवधि के दौरान एक घंटे के लिए बाधित रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन ने बताया कि विद्युत शक्ति उपकेंद्र में पावर ट्रांसफार्मर के अर्थिंग केबल के मरम्मत हेतु उपरोक्त फीडरो की विद्युत आपूर्ति 3 घंटे तक बाधित रहेगी, जिसके कारण रक्सौल शहर, कौड़ीहार, आईसीपी, बियाडा, शीतलपुर, इंडस्ट्रील फीडरो के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों कि विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से इस अवधि के पहले अपने जरूरी कार्य निपटाने कि अपील करते हुए कहा है कि ट्रांसफर्मर के रख रखाव का काम निर्धारित समय में पूरा कर लिया जायेगा।

नौजवान मजदूर की सड़क दुर्घटना में मौत

गरखा। प्रखंड के नाराव गाँव निवासी मजदूर की शनिवार देर रात सड़कभरण दुर्घटना में मौत हो गई मृतक अपने साला की शादी समारोह में सामिल होने मकेर थाना क्षेत्र के मसूरिया गाँव गया था ' समारोह में शामिल होने के बाद अपने गाँव लौट रहा था ' रास्ते में दरियापुर मनचितवा पुल के पास अज्ञात वाहन के चपेट में आने से घटना स्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई ' मृतक हेम नारायण साह का 33 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार साह बटाया गया है ' घटना की सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु छपरा भेज दिया ' मृतक की दो साल पहले शादी हुई थी पिछले साल एक लड़का पैदा लिया ' सुनील चार भाई बहनों में सबसे बरा था ' माता पिता और पत्नी तथा बच्चे पर से साया उठने के बाद हर तरफ चर्चा है कि अब परिवार का भरण पोषण कौन करेगा ' माँ-बाप, भाई-बहन और पत्नी का रोते रोते दात लग जा रहा है।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

छपरा सदर। रविवार को राज्यपाल सचिवालय के निदेर्शानुसार जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ एव राष्ट्रीय सेना योजना के संयुक्त तत्वाधान में रिस्टोरिंग चाइल्डहुड प्रीवेंटिंग ड्रग एब्यूज एंड रेटिंग्रेशन ऑफ चिल्ड्रेन इन वेड ऑफ केयर एंड प्रोटेक्शन विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु विभिन्न महाविद्यालयों से आए छात्र एवं छात्राओं में उत्साह देखा गया।

मुख्यरूप से हरिराम महाविद्यालय मैरवा, एच० आर० महाविद्यालय अमनौर, पी०एन० कॉलेज परसा, एम०एम० महाविद्यालय गोपालगंज, कमला राय महाविद्यालय गोपालगंज, बी० पी० एस० महाविधालय भोरे, राजेन्द्र महाविद्यालय छपरा, गोपेश्वर महाविद्यालय हथुआ, पी०जी० (जन्तु विज्ञान विभाग) जयप्रकार विश्वविद्यालय छपरा के छात्र व छात्राए इसमे सम्मिलित हुए। प्रोफेसर डॉ० हरिशचन्द्र कार्यक्रम समन्वयतु राष्ट्रीय सेवा योजना एवं प्रोफेसर डॉ. उदय शंकर ओझा सांस्कृतिक सचिव ने कुलपति परमेन्द्र कुमार वाजपेयी के प्रति अभार प्रकट करते हुए कहा कि कुलपति ने इस कार्यक्रम को इतने कम समय में करवाने हेतु आदेश देने की कृपा प्रदान किया। इसके लिए हम सभी अभारी है।

कोर्ट के फैसले से पहले यूसीसी के विरोध में सर्वण समाज की चौथी बैठक

बगहा। बगहा में यूसीसी कानून के विरोध में सर्वण समाज के लोगों ने चौथी बार बैठक आयोजित की। यह कार्यक्रम बथवरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चंद्रहार रूपौलिया गांव में आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।बैठक का नेतृत्व संगठन के अध्यक्ष तुषार सिंह ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए इस कानून को काला कानून बताते हुए इसका कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 19 मार्च को फैसला सुनाया जाना है। यदि फैसले में कोई संशोधन नहीं किया जाता है तो बड़े स्तर पर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा।वक्ताओं ने समाज के लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए गांव-गांव जाकर जनजागरण अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सर्वण समाज लगातार बैठकों और कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को संगठित कर अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। बैठक में हृदय दुबे, आशीष मिश्रा, विशाल पांडेय, चंद्रशेखर राव, मंटू दुबे समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर दरौंदा में उमड़ी आस्था की लहर, उजाय के श्री गौरी शंकर बाबा मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

दरौंदा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में श्रद्धालु शिवभक्ति में डूबे नजर आए। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं और पूरा वातावरण ह्यहर-हर महादेवह्ण और ह्यबम-बम भोलेह्ण के जयघोष से गूंज उठा। उजाय स्थित ऐतिहासिक श्री गौरी शंकर बाबा मंदिर में तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। करीब 100 वर्ष पुराने इस प्राचीन मंदिर में हजारों भक्तों ने लंबी कतारों में लगकर शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर परिसर में पंडित सचिन मिश्रा एवं ओम प्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में विधि-विधान से रुद्राभिषेक कराया गया। पूरे दिन भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना रहा। उजाय का यह श्री गौरी शंकर बाबा मंदिर क्षेत्र में आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां हर वर्ष महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन समिति और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह की देखरेख में पुलिस बल एवं चौकीदारों की तैनाती की गई थी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कतारें व्यवस्थित बनी रहें। मंदिर कमेटी के अनुसार दिन में मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें सरपंच मिथलेश सिंह, पैक्स अध्यक्ष संजीव सिंह उर्फ छोटे सिंह, प्रहलाद सिंह, राजेश सिंह, रितेश सिंह उर्फ बजरंगी, प्रदीप सिंह, राहुल सिंह, बुलेट सिंह, अमित सिंह, ऋषभ सिंह, अंकित गुप्ता, शिवम बाबा, अनमोल कुमार, रवि कुमार एवं राजीव कुमार भारती सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा।

महाशिवरात्रि के मौके पर श्रधालुओं ने त्रिवेणी धाम की परिक्रमा

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रधालुओ ने त्रिवेणी धाम स्थित दर्जनों शिवालयों की परिक्रमा के दौरान जत्था वाल्मीकिनगर पहुंचा। महंत केशवदास महाराज ने बताया की हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नेपाल के त्रिवेणी स्थित नागाकुट्टी से परिक्रमा शुरू हुई, जो विभिन्न शिवालयों की परिक्रमा करते हुए वाल्मीकिनगर स्थित शिवालयों की परिक्रमा कर पूजा अर्चना की। इसी क्रम मे परिक्रमा के दौरान अल्पकाल के लिए परिक्रमा तीन आरडी स्थित राइश मिल मे विश्राम कर अल्पाहार कर वापस नेपाल के नागाकुट्टी लौट गई। इस परिक्रमा मे सैकड़ो की संख्या मे श्रधालु शामिल हुए।

कृषि कनेक्शन के लिए 16 से 27 फरवरी तक विभिन्न पंचायतों में लगेंगे विशेष शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, रक्सौल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न सेक्शनों के किसानों के लिए अच्छी खबर है। रक्सौल कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने बताया कि कृषि कार्य हेतु नए बिजली कनेक्शन देने और संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए 16 फरवरी से 27 फरवरी तक विभिन्न पंचायतों में विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कार्यपालक अभियंता के अनुसार, विभाग ने किसानों की सुविधा के लिए विस्तृत शेड्यूल जारी किया है ताकि उन्हें कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। आदापुर सेक्शन में 16 से 18 फरवरी तक। इसमें 16 को मझरिया, आंध्रा, औरैया, बरवा, मूर्तियां, लक्ष्मीपुर पोखरिया व पुरैनिया पंचायतों में शिविर आयोजित की जाएगी। जबकि 17 फरवरी को भवानीपुर, सिरिसिया कला, श्यामपुर, भेड़िहारी, नरकटिया, बेलवा, गम्हारिया कला तथा 18 फरवरी को हरपुर, डुबहा, नकरदेई, भटनहिया, बखरी, रामपुर, कोरिया पंचायतों में शिविर लगेगी। विभिन्न पंचायतों में शिविर लगेंगे। बनकटवा सेक्शन में 19 और 20 फरवरी को जिसमें 19 को बनकटवा के हीरमणि, बिजबनी नॉर्थ, जीतपुर, नीमोइया वेस्ट, इनरवा फुलवार और 20 फरवरी को बरवा कला, कुदरकट, भिजवानी ईस्ट, बगही बेलवा, भेलवा व झंझरा सहित अन्य क्षेत्रों में कैंप का आयोजन होगा। छौड़ादानो सेक्शन में 21 फरवरी को महुआवा, दरपा, तिनकोनी और खैरवा पंचायतों में किसान इसका लाभ उठा सकेंगे। वहीं घोड़ासहन सेक्शन में 23 फरवरी को कदमावा, गुरमिया, विजय और श्रीपुर सहित विभिन्न पंचायतों में शिविर लगाए जाएंगे। इधर रामगढ़वा सेक्शन में 24 फरवरी को पखनहिया, सिंगासनी, अमौदेई, शिवनगर और बेला सहित कई पंचायतों में कैंप आयोजित होंगे। रक्सौल (ग्रामीण) सेक्शन में 25 फरवरी को परसौना तपसी, जोकियारी, हरनाही और भेलाही जैसी पंचायतों में शिविर लगेंगे। सुगौली सेक्शन में 26 और 27 फरवरी को सुगांव, फुलवारिया, बगही और पचरुखा ईस्ट सहित अन्य पंचायतों में कैंप के साथ इस अभियान का समापन होगा। कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने अपील की है कि किसान भाई अपनी नजदीकी पंचायत में निर्धारित तिथि पर पहुंचकर कृषि कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य है कि खेती के सीजन से पहले अधिक से अधिक किसानों को बिजली का लाभ मिले।

निमार्णाधीन मकान की छत पर पानी टंकी चढ़ाने के क्रम में दीवार गिरा, एक मजदूर की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा के मस्तान टोला में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में 20 वर्षीय मजदूर मो. कैश की मौत हो गई। वह एक निमार्णाधीन मकान की छत पर पानी की टंकी चढ़ाने का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक मकान की दीवार भरभराकर गिर गई और वह मलबे में दब गया।मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने उसे गंभीर अवस्था में मलबे से बाहर निकाला और तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया। अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विजय कुमार ने बताया कि युवक के सिर में गंभीर चोट आई थी और अधिक रक्तस्राव हो रहा था, इसलिए उसे तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा गया।परिजनों के अनुसार, बेतिया ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जीएमसीएच पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई मो. इब्राहिम ने बताया कि कैश अविवाहित था और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का सहारा बना हुआ था।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा छपरा, शिव विवाह शोभा यात्रा बनी आस्था और परंपरा का संगम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर में शिव विवाह शोभा यात्रा का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन किया गया। हाथी-घोड़ा, गाजे -बाजे , आकर्षक झांकियों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ निकली शिव बारात ने पूरे शहर को शिवमय कर दिया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। शोभा यात्रा को देखने और उसमें शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिससे शहर के प्रमुख मार्गों पर आवागमन प्रभावित रहा। बता दें कि महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भगवान शिव और माता पार्वती के पावन विवाह का प्रतीक पर्व है। इसी धार्मिक मान्यता के तहत निकाली गई शिव विवाह शोभा यात्रा का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार करना, धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखना और सामाजिक समरसता को मजबूत करना रहा। शिव बारात में शामिल श्रद्धालु बाराती के रूप में ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते हुए नजर आए ।बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग- सभी वर्गों की सहभागिता ने इस आयोजन को और भी भव्य बना दिया। शोभा यात्रा के दौरान भगवान शिव के विभिन्न पारंपरिक और लोक स्वरूपों की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कहीं कैलाशपति भोलेनाथ तपस्वी रूप में तो कहीं दूल्हा बने शिव, बारातियों के साथ सजे-धजे रथ पर विराजमान दिखे । माता पार्वती, गणेश, नंदी और भूत-प्रेतों के रूप में सजी झांकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा, रंग-बिरंगी रोशनी और सुसज्जित रथों ने शोभा यात्रा की भव्यता को और बढ़ा दिया। शिव विवाह शोभा यात्रा के स्वागत में शहर के विभिन्न चौक-चौराहों और मार्गों पर भंडारों का आयोजन किया गया। स्थानीय व्यापारियों, सामाजिक संगठनों, रोटरी इंटरनेशनल क्लब, इनर व्हील क्लब सहित कई संस्थाओं ने श्रद्धालुओं के लिए जलपान और प्रसाद की व्यवस्था की। बारात में शामिल भक्तों और दर्शकों ने उत्साहपूर्वक भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। सेवा और समर्पण की यह भावना महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक संदेश को साकार करती नजर आई। महाशिवरात्रि को लेकर शहर के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। धर्मनाथ मंदिर, कटहरी बाग मंदिर सहित अन्य शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे दिन मंदिर परिसरों में भजन-कीर्तन और जयकारों से वातावरण भक्तिरस में डूबा रहा। शोभा यात्रा के मार्ग में सदर अस्पताल, डाकबंगला रोड, थाना चौक, साहिबगंज सरकारी बाजार और कटहरी बाग तक सबसे अधिक जाम की स्थिति बनी रही। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और आम लोगों की संख्या अधिक होने के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। हालांकि, लोगों ने इसे आस्था का उत्सव मानते हुए धैर्य और सहयोग का परिचय दिया। इस बड़े धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में दिखाई दिया। शोभा यात्रा मार्गों पर हर चौक-चौराहे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। ट्रैफिक नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। प्रशासन की चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था के कारण कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिव विवाह शोभा यात्रा को देखने के लिए शहर ही नहीं, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। खासकर युवाओं और छात्रों में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

26 फरवरी को राजेन्द्र कॉलेज में आयोजित होंगे पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन सह सम्मान समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। लंबे अर्शे बाद आगामी 26 फरवरी को जेपीविवि के प्रीमियर कॉलेज राजेन्द्र महाविद्यालय में पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो(डॉ) उदय शंकर पांडेय द्वारा इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु 12 सदस्यीय कमिटी का गठन किया गया है। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ संजय कुमार को संयोजक एवं भौतिकी के प्राध्यापक डॉ सुनील प्रसाद को सह संयोजक बनाया गया है। इस कमिटी में शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ प्रशांत कुमार, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ देवेश रंजन , वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ अर्चना उपाध्यक्ष, हिंदी विभाग के डॉ ऋचा मिश्रा, डॉ बेठियार सिंह साहु, अर्थशास्त्र विभाग के डॉ इकबाल जफर अंसारी, डॉ इश्तेयाक अहमद, डॉ गौरव शर्मा , शिक्षकेत्तर प्रतिनिधि हरिहर मोहन एवं आयूब खान का नाम शामिल है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्राचार्य डॉ यूएस पांडेय के प्रयास से राजेन्द्र कॉलेज एलुमिनाई एसोसिएशन का पंजीयन कराया जा चुका है। जो संस्था के विकास एवं उन्नयन हेतु आवश्यक सुझाव एवं पहल करेगा। ज्ञात है कि एल्यूमिनी मीट किसी स्कूल, कॉलेज या यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रों का एक मिलन समारोह है, जो पुरानी यादों को ताजा करने, नेटवर्क बढ़ाने और संस्थान से संबंध मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम पेशेवर सलाह, करियर विकास, मेंटरशिप और पुरानी दोस्ती को फिर से जीवंत करने का एक शानदार मंच प्रदान करता है। राजेन्द्र कॉलेज का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर कई लोग देश-विदेश के कई महत्वपूर्ण पदों पर आसीन होकर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं।

धनी धर्मनाथ मंदिर में स्काउट-गाइड ने संभाली कमान श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे 50 स्वयंसेवक

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के सुप्रसिद्ध धनी धर्मनाथ मंदिर में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को सुगम दर्शन कराने और उनकी सहायता के लिए भारत स्काउट और गाइड, सारण के स्वयंसेवकों ने मुस्तैदी से मोर्चा संभाला। मंदिर प्रशासन द्वारा भेजे गए आग्रह पत्र के आलोक में जिला मुख्य आयुक्त के निदेर्शानुसार कुल 50 स्काउट और गाइड की प्रतिनियुक्ति की गई थी। यह पूरा सेवा कार्य जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज के कुशल दिशानिर्देश और जिला प्रशिक्षक प्रणव सिंह के सफल नेतृत्व में संपन्न हुआ। मंदिर परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर गर्भगृह तक स्वयंसेवकों ने कतारबद्ध तरीके से श्रद्धालुओं को दर्शन कराने में सहयोग किया। विशेष रूप से बुजुर्गों, दिव्यांगों और बच्चों की सहायता के लिए स्काउट्स और गाइड्स हर मोड़ पर तैनात दिखे। इन स्वयंसेवकों ने निभाई मुख्य भूमिकाः सेवा कार्य में सीनियर स्काउट आशुतोष कुमार, सोनू गुप्ता, हार्दिक और मोहित ने अपनी सक्रियता दिखाई, वहीं गाइड विभाग से खुशी ठाकुर, राधा रानी, नंदनी और दृष्टि समेत अन्य स्वयंसेवकों ने अनुशासन के साथ अपनी ड्यूटी निभाई। मंदिर प्रशासन ने भारत स्काउट और गाइड के इस निस्वार्थ सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों के सहयोग से भीड़ नियंत्रण में काफी मदद मिली और श्रद्धालुओं को सुरक्षित दर्शन प्राप्त हुए। जिला संगठन आयुक्त अमन राज ने बताया कि स्काउटिंग का मूल मंत्र ही ह्यसेवाह्ण है और ऐसे आयोजनों में युवा स्वयंसेवक समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा से करते हैं।

महाशिवरात्रि पर सरयू गंगा के संगम पर भगवान शिव का पार्थिव शिवलिंग बनाकर किया पूजा अर्चना

प्रात : किरण संवाददाता

रिविलगंज। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सरयू और गंगा के संगम के तट पर संगम स्नान कर भगवान शिव का पार्थिव शिवलिंग बनाकर जलाभिषेक एवं श्रृंगार कर रिविलगंज के नागरिकों ने पूजा अर्चना किया । संगम स्नान कर पूजा करने के दौरान विजय अवस्थी गुड्ड, मनोज साह, अभिषेक शर्मा, गुंजन अवस्थी, पप्पू प्रसाद ने सामूहिक रूप से कहा कि यदि बिहार सरकार की अनुशंसा हो तो पूरे सारण वासियों को संगम स्नान की लिए प्रयागराज जाने की आवश्यकता नहीं होगी रिविलगंज में ही सरयू और गंगा के संगम स्नान कर सकते है । आगे उन्होंने बताया कि अगर किसी भी नागरिकों को संगम स्नान करना है तो रिविलगंज से नौका की व्यवस्था है न्यूनतम शुल्क पर संगम स्नान करवाया जाता है । आज महाशिवरात्रि पर जहां प्रयागराज में लाखों लोग जुटे है संगम स्नान के लिए परंतु हनुमान जी के ननिहाल में अधिकांश लोगों को मालूम भी नहीं है कि रिविलगंज में भी सरयू और गंगा का संगम है यदि सारण जिले के लोगों को बताया जाए कि रिविलगंज में भी संगम है तो लोगों को संगम स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हो जाएगा और उनके पैकेट पर ज्यादा बोझ नहीं आएगा । संगम स्नान के बाद भगवान भोले का पूजा पाठ पूरे विधि से किया गया जिसमें मौके पर विजय अवस्थी गुड्ड, मनोज साह, अभिषेक शर्मा, पप्पू प्रसाद, शैलेन्द्र चौहान, प्रदीप प्रसाद, धर्मवीर चौधरी, बिट्टू प्रसाद, धर्मेंद्र राय, जितेंद्र राय, अंकित मिश्रा राहुल मिश्रा, राम बाबू बिंद, अंकित कुमार इत्यादि उपस्थित थे

क्लब के सदस्यों ने किया श्रद्धालुओं के बीच ठंडई का वितरण

छपरा कार्यालय। लायंस क्लब ऑफ छपरा सारण का परमानेंट प्रोजेक्ट लायंस अन्नपूर्णा भोजन सेवा के चेयर पर्सन लायन अमर कुमार एवं उनकी टीम के लायन वासुदेव गुप्ता, मनोज वर्णवाल, बृजेंद्र किशोर, रणधीर जायसवाल आदि सदस्यों द्वारा साहेबगंज में स्टाल लगाकर श्रद्धालुओं को दो ड्राम ठंडई (जिसमें प्रचुर मात्रा में ड्राई फ्रूट्स, केसर आदि डाला गया था), 30 किलो काजू कतली, कई कार्टून बिस्किट्स तथा मिनरल वाटर की सेवा प्रदान किया गया। ये सामान पाकर श्रद्धालु लोग काफी आनंदित एवं प्रसन्न महसूस कर रहे थे और लायंस क्लब और अन्नपूर्णा भोजन सेवा के सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद दे रहे थे। सभी श्रद्धालुओं को लायन नवीन कुमार, बासुदेव गुप्ता एवं मोनू कुमार द्वारा चंदन टीका लगाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पी डी जी लायन डॉ एस के पाण्डेय, अध्यक्ष लायन संजय कुमार आर्या, डॉ ओम प्रकाश गुप्ता, डॉ नागेंद्र कुमार, मुकेश कुमार ,डॉ मनोज संकल्प, डॉ विक्की आनंद, आनंद अग्रहरि पत्नी सहित, आशुतोष शर्मा, भी एन गुप्ता, रजनीश कुमार, संदीप कुमार, प्रमोद जी सहित लियो अध्यक्ष विशाल भास्कर, विकाश पटेल, लियो परवीन, सुप्रीम कुमार, मोनू कुमार सचिव, पी आर ओ सूर्य प्रकाश सहित सभी अधिकारी सहित सभी सदस्य उपस्थित थे। जानकारी जनसंपर्क पदाधिकारी लायन गणेश पाठक ने दी

संक्षिप्त खबरें

महाशिवरात्रि पर उमड़ा जनसैलाब भक्तों की उमड़ी भीड़

पीरो। महाशिवरात्रि पर बैरिया मेला के नाम से प्रसिद्ध खपड़िया बाबा की तपोस्थली बहरी महादेव धाम, पीरो में आस्था का ऐसा ज्वार उमड़ा कि पूरा इलाका घंटों तक हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। तड़के तीन बजे से ही श्रद्धालुओं की अंतहीन कतारें लग गई और लाखों महिला-पुरुष भक्तों ने जलाभिषेक कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि की कामना की। बहरी महादेव पूजा समिति के अध्यक्ष अमरजीत कुमार सिंह ने दावा किया कि इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या ने नया इतिहास रच दिया। पीरो अनुमंडल के साथ तरारी, चरपोखरी, अगिआंव और जगदीशपुर प्रखंड से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भीड़ इतनी विकराल रही कि पूजा समिति के सैकड़ों स्वयंसेवकों और पुलिस बल के लिए बड़ी चुनौती बन गया। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार, थानाध्यक्ष दीपक कुमार साह और एसआई सोमर बिद समेत कई अधिकारी खुद मैदान में डटे रहे। मेले में बच्चों का उत्साह भी चरम पर रहा। झूले, खिलौने और मेले की रौनक ने माहौल को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया। शाम छह बजे बनारस से आए पुजारियों द्वारा भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। भीड़ प्रबंधन में जुटे कार्यकताओं की उपसभापति प्रत्याशी मनीष यादव ने खुलकर सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। महाशिवरात्रि को लेकर पूरे अनुमंडल के मंदिरों में देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही।

गांव के छोटे दुकानदार का बेटा बना सीआईएसएफ जवान

चरपोखरी। कहते हैं कि अगर घर में ही सही उस्ताद मिल जाए तो मैदान जीतना आसान हो जाता है।सियाडीह गाँव के शिवशंकर प्रसाद के पुत्र उत्तम कुमार ने इसे साबित कर दिखाया है।जिन्हें हाल ही में केंद्र स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के तहत सीआईएसएफ का नियुक्ति पत्र सौंपा गया।इस कामयाबी के पीछे की असली कहानी उनके बड़े भाई गौतम कुमार की है जिन्होंने बिना किसी महँगी कोचिंग या एकेडमी के खुद कोच बनकर छोटे भाई को दिन-रात पसीना बहाना सिखाया।उनकी इसी कड़ी ट्रेनिंग का नतीजा है कि आज छोटा भाई देश की सेवा के लिए तैयार है।इसको लेकर घर मे खुशी का माहौल है।

मैट्रिक की कदाचार मुक्त परीक्षा की योजना तैयार

आरा। भोजपुर जिले में 17 फरवरी 2026 से शुरू होने वाली बिहार बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा के लिए 36 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जो दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इन केंद्रों में 41,410 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिनके लिए 100 मजिस्ट्रेट और सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।आरा अनुमंडल में 26, जगदीशपुर में 6 और पीरो अनुमंडल में 4 केंद्र हैं, जिनमें 19 महिला और 17 पुरुष केंद्र शामिल हैं।समय पहली पाली सुबह 9:30 से 12:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 से 5:15 बजे तक होगी।परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा और चप्पल पहनकर जाना अनिवार्य है।कदाचारमुक्त परीक्षा के लिए 100 मजिस्ट्रेट तैनात, जिसमें 70 स्टैटिक और 16 गश्ती मजिस्ट्रेट हैं। परीक्षा 17 से 25 फरवरी 2026 तक संचालित की जाएगी।

सहार में महाशिवरात्रि को धूमधाम से पूजा किया गया

आरा। सहार में महाशिवरात्रि को धूमधाम से पूजा किया गया और कहा जाता हैं की महाशिवरात्रि को शिव जी और उनकी पत्नी पार्वती जी के मिलन का भी उत्सव है।महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का एक पवित्र त्योहार है, जो भगवान शिव को समर्पित है। उत्तर भारत में महाशिवरात्रि हिंदू पंचांग के अंतिम महीने (फाल्गुन) में मनाई जाती है, और महाशिवरात्रि का भगवान शिव से जुड़ा है, जिसमें मुख्य रूप से समुद्र मंथन के दौरान विष पीने और दुनिया को बचाने की कथा, भगवान शिव और पार्वती के विवाह की कथा, और शिव के लिंग स्वरूप में प्रकट होने की घटना शामिल है, और सहार में महाशिवरात्रि का पूजा धूम धाम से श्रद्धालु द्वार किया गया।

पेरहाप में सात बीघा पुआल में लगी आग, भारी नुकसान

आरा । सहार (भोजपुर)। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के पेरहाप गांव में रविवार की दोपहर अचानक आग लगने से लगभग सात बीघा रखे पुआल जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार यह पुआल देवकुमार साह, पिता स्वर्गीय करीमन साह का बताया जा रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक धुआं उठता देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते पूरा पुआल जल गया। ग्रामीणों ने बाल्टी और पानी के सहारे आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, परंतु आग पर काबू नहीं पाया जा सका।घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग को दी गई।

15 फरवरी 1932 तारापुर गोलीकांड में शहादत हासिल करने वालों के सम्मान में उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री ने शहीद स्मारक पर किया झंडोत्तोलन

● पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के तहत सुबह 8:40 बजे समारोह पूर्वक किया गया झंडोत्तोलन

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। 15 फरवरी 1932 को तारापुर थाना भवन पर तिरंगा झंडा फहराने के क्रम में अंग्रेजों द्वारा चलाई गई गोलीकांड में शहादत हासिल करने वाले वीरों के सम्मान में रविवार को सुबह 8:40 पर उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री मंत्री सम्राट चौधरी ने समारोह पूर्वक झंडोत्तोलन के बाद राष्ट्रीय गान किया। समारोह के मौके पर उपमुख्यमंत्री सहित पूर्व विधायक राजीव कुमार सिंह लोजपा के राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार डीआईजी राकेश कुमार जिला पदाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर एसपी सैयद इमरान मसूद ने समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम मौके पर आईपीएस सह डीएसपी संकेत कुमार एसडीएम राकेश रंजन कुमार अधिकार हरे कृष्ण वर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे। गौरतलब है कि शहीद हुए वीरों की याद में लगाए गए मूर्ति एवं खूबसूरत पार्क का उपमुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। सुबह से ही समारोह स्थल के आसपास बज रहे गीत जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी के बीच समारोह में आए लोगों की यादें ताजा हो जा रहे थे। बता दें कि 15 फरवरी 1932 को अंग्रेज सरकार की क्रूरता एवं गोलीकांड में कुल 34 वीरों ने अपनी शहादत दिया। जिसमें 13 वीरों की पहचान की गई। वहीं 21 अमर शहीदों जिनके नामों की जानकारी नहीं हो पाई। झंडोत्तोलन के बाद उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शहीद स्मारक जीर्णोद्धार के कामों को लेकर क्षेत्र के नौजवानों समाजसेवियों ने लगभग 70 से 75 वर्षों से आवाज उठाते आ रहे थे। जिसे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कॉल टेंशन किया था। जिसे आज राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी वीर शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इसके पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पुराने थाना भवन जीर्णोद्धार कार्य को लेकर इसका विधिवत शिलान्यास भी किया। इस मौके पर जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र सिंह कल्लू मुखिया वीर कुंवर जितेंद्र प्रमुख अश्वनी राज राजद नेता जितेंद्र कुशवाहा पूर्व मुखिया जितेंद्र शर्मा डॉक्टर प्रप्पएजाज मोहम्मद भोलू मोहम्मद मुजाहिद मंगल सिंह सहित सैकड़ों से अधिक की संख्या में क्षेत्र के शिक्षाविद समाजसेवी युवा मौजूद थे।

महाशिवरात्रि पर नि :शुल्क सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। सोमवार को नगर के मारवाड़ी टोला स्थित होटल प्रज्ञा में महाशिवरात्रि के अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार की हवेली खड़गपुर शाखा की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एसडीम राजीव रोशन , प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार तिवारी एवं थानाध्यक्ष राजेश कुमार और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मुख्य पार्षद दीपा केशरी और पूर्व उपमुख्य पार्षद शंभू केशरी विशेष रूप से मौजूद थे। वैदिक मंत्रोच्चार और संगीतमय भाव के साथ सूरमा कुमारी के साथ प्रकाश मुर्मू एवं पार्वती कुमारी संग रवि कुमार का निःशुल्क विवाह सम्पन्न कराया गया। भागवताचार्य गायत्री विकास भारती और उनकी संगीत टोली ने विवाह गीत और विवाह से जुड़े तमाम तथ्यात्मक प्रसंग से लोगों को अवगत कराया। युग गायिका शालिनी तिवारी, उदगाता नंदन निराला के साथ नाल पर बसंत बिहार और पैड पर कुदेश कुमार ने संगत किया। भागवताचार्य विकास भारती ने विवाह परंपरा को लेकर विवाह के सभी रस्मो रिवाज का व्यवहारिक व वैज्ञानिक आधार समझाते हुए विवाह सम्पन्न कराया। उन्होंने कहा कि शंख लक्ष्मी का भाई है। समुद्र के गर्भ से शंख और लक्ष्मी निकली। समुद्र के गर्भ से चंद्रमा निकला। इसलिए शंख पानी विवाह में काफी अहम माना जाता है। विवाह में वर-वधू के लिए आवश्यक वैवाहिक सामग्री, कन्यादान सामग्री तथा सामूहिक भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई। मुख्य अतिथि प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार तिवारी ने कहा कि सादगी, समानता और संस्कार आधारित वैवाहिक परंपरा को बढ़ावा दिया देने के उद्देश्य से गायत्री परिवार की ओर से यह नेक कार्य काफी सराहनीय है।इसके पूर्व समाज में समरसता और जरूरतमंद परिवारों की सहायता के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में दो योग्य वर-वधू का पंजीकरण किया गया। वहीं अतिथि और मौजूद नागरिकों ने दोनों जोड़े को उपहार, नकद आदि देकर उनके मंगल जीवन की कामना की। इस मौके पर सुरेश बाजोरिया, मीना केशरी, आशुतोष शर्मा, सुधीर चंद्र साहा, सुनील कुमार साहा, कुमार अनुपम, वार्ड पार्षद सरिता केशरी, शुभम केशरी, सत्यम निराला, आर्यन राज, नीतेश मिश्रा, शैलब झा, स्मिता देवी, शैलबाला अग्रवाल, प्रतिमा भारती, शांति देवी, राधा देवी, बिपिन साह, विदेशी सिंह, परमेश्वर प्रसाद केशरी, हरेंद्र गुप्ता ।

शिवरात्रि पर दिनेश्वरनाथ धाम में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, हजारों भक्तों ने किया जलाभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जिले के कोइलवर स्थित प्रसिद्ध बाबा दिनेश्वरनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के भोर से ही श्रद्धालु भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए मंदिर प्रांगण में पहुंचने लगे और देर शाम भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। सोन नदी के तट पर स्थित इस प्राचीन मंदिर में पूरा दिन भक्तिमय माहौल बना रहा। शिव भक्तों ने बेलपत्र, दूध, दही, गंगाजल और पुष्प से महादेव का अभिषेक किया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के नारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना दिनेश्वरनाथ धाम बाबा दिनेश्वरनाथ धाम मंदिर के मुख्य पुजारी बुधन बाबा ने बताया कि शिवरात्रि का विशेष महत्व है। यह दिन अत्यंत पवित्र माना जाता है। उन्होंने कहा, भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए किसी बड़े आयोजन की जरूरत नहीं होती। वे केवल एक लोटा जल से ही खुश हो जाते हैं। जो भी श्रद्धा और भक्ति से उन्हें जल अर्पित करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने आगे बताया कि विवाह में बाधा, संतान सुख की इच्छा और जीवन की अन्य समस्याओं से ग्रसित लोग यदि महाशिवरात्रि के दिन सच्चे मन से शिव का जलाभिषेक करें, तो उनकी सारी बाधाएं दूर होती हैं।

एसबी कॉलेज में स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शहर के एसबी कॉलेज में महाशिवरात्रि के अवसर पर स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती मनाई गई। मौके पर कॉलेज परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मुख्य अतिथि भोजपुर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष सह सीनेटर प्रो बलिराज ठाकुर और मुख्य वक्ता भोजपुरी विभागाध्यक्ष प्रो दिवाकरपाण्डेय थे। इस अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ।अध्यक्षता डॉ राधिका रमण सिंह,संचालन डॉ पंकज कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ धनंजय प्रसाद राय ने किया।मुख्य अतिथि प्रो.बलिराज ठाकुर ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत में किसान आंदोलन जनक थे।देश सेवा में अपने को लगाकर स्वामी जी ने संन्यास जीवन को सार्थक किया। प्रो.ठाकुर ने स्वामी जी को किसान-मजदूर व दलितों के मसीहा बताते हुए कहा कि स्वामी जी के भाषणों में क्रांति की चिंगारी और क्रियात्मक व्यवहार में विद्रोह छिपा था।नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने स्वामी जी के साहस और दृढ़ विश्वास की खुलकर प्रशंसा की थी।नेताजी सुभाष चंद्र बोस और सरदार पटेल ने स्वामी जी की नीतियों और कार्यक्रम के समर्थक थे।मुख्य वक्ता प्रो दिवाकर पाण्डेय ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती एक सर्वमान्य संत थे। स्वामी सहजानंद सरस्वती एक महान क्रांतिकारी औरकिसानआंदोलन के प्रखर नेता थे। उन्होंने एक सशक्त राष्ट्र की कल्पना की थी। उन्होंने समाज में किसानों की दशा कोसुधारने पर कार्य किया।उन्होंने अपने नेतृत्व क्षमता से किसानो को जागृत किया और देश में सबसे बड़ेकिसानआंदोलन के नेता बने।प्रो पांडेय ने स्वामी जी के जीवनकाल में विभिन्न आयामों में हुए क्रांतिकारी परिवर्तन की चर्चा की। डॉ आदित्य कुमार आनन्द ने कहा कि राष्ट्रसेवा और किसानो के हित में ही वह अपने जीवन को समर्पित किया है । कार्यक्रम में उपस्थित थे डॉ राकेश कुमार,डॉ मुन्ना कुमार ज्योति, रमेश राय,विकास कुमार, अनिल कुमार,कृष्णा यादव, विमल कुमार,राजीव कुमार,सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

24 घंटे का अखंड रामधुन शुरू, 121 कन्याओं ने निकाली कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। प्रखंड के मुरादे पंचायत अंतर्गत चुनाकोठी गांव में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्री श्री 108 अखंड रामधुन कमेटी के तत्वावधान में 24 घंटे का अखंड रामधुन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आयोजन से पूर्व रविवार को 121 कन्याओं द्वारा भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा चुनाकोठी -कठौतिया स्थित शिव मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई। सिर पर कलश धारण किए 121 कन्याएं खड़गपुर झील पहुंचीं, जहां पंडित मृत्युंजय मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरवाया। इसके पश्चात कन्याएं जल से भरे कलश लेकर गांव लौटीं। कलश यात्रा खड़गपुर झील, गोड़धोवा, रारोडीह और हथिया समदा होते हुए रामधुन स्थल पहुंची। पूरे मार्ग में "जय श्रीराम" और "हर-हर महादेव" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर नींबू शर्बत एवं पेयजल की व्यवस्था की गई थी। रामधुन कार्यक्रम का उद्घाटन रविवार शाम चार बजे पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि नरेश बिन्द ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पंचानंद ओम प्रकाश, शिवनाथ सुमन सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे। आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्सव का माहौल बना हुआ है।

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर का उद्घाटन आज,तैयारी पूरी रविवार की देर रात तक तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की मेजबानी में रोहतास के एसपी जैन कॉलेज सासाराम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकीकरण शिविर की सफलता को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। शनिवार से ही विभिन्न राज्यों की टीमों का आना शुरू हो गया। रविवार की देर रात और सोमवार की सुबह तक राज्यों की टीम पहुंची। इधर क्षेत्रीय पदाधिकारी विनय कुमार प्राचार्य प्रो नवीन कुमार और एनएसएस समन्वयक डॉ साधना रावत ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया।इस दौरान स्वयंसेवकों के रहने के स्थल मंच मैदान आदि जगहों का निरीक्षण कर आवश्यक गाइड लाइन जारी किया गया। डॉ साधना रावत ने कहा कि इस शिविर में बिहार समेत 16 राज्यों के 180 से अधिक युवा जुट रहे है। उद्घाटन कार्यक्रम में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ शैलेंद्र कुमार चतुवेर्दी राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा शामिल होंगे।राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में गुजरात ओडिशा छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश हिमाचलप्रदेश असम,हरियाणा,तेलंगाना,राजस्थान, पश्चिम बंगाल उत्तराखंड,उत्तरप्रदेश महाराष्ट्र,केरल,बिहार,झारखंड केविश्वविद्यालयों के एनएसएस के स्वयंसेवक और कार्यक्रम पदाधिकारी भाग लेंगे।आगामी 22 फरवरी तक आयोजित है। एनएसएस सलाहकार समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय के निदेशक विनय कुमार द्वारा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को यह मेजबानी सौंपी गई है। एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर हो रहा शिविर मालूम हो कि विश्वविद्यालयों की मेजबानी में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर अक्सर आयोजित किए जाते हैं। इस बार वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को मेजबानी मिली है।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने आयोजन स्थल एसपी जैन कॉलेज सासाराम चयनित किया है। इसमें ढाई सौ से अधिक प्रतिभागी शिरकत करेंगे। शिविर का विषय एक भारत श्रेष्ठ भारत है। शिविर में 16 राज्यों के एनएसएस स्वयंसेवक सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेकर राष्ट्रीय एकता और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देंगे। शिविर का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक समझ और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान करना है।सात दिनों तक चलने वाले शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम (नृत्य, गायन, पेंटिंग), वाद-विवाद, व्याख्यान, सामुदायिक सेवा और प्रशिक्षण सत्र सहित कई गतिविधियां होगी।वहीं शिविर के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम (शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय गायन, शास्त्रीय वादन, लोकनृत्य एवं लोकगीत आदि) शैक्षणिक कार्यक्रम, भाषण एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन होना है।राष्ट्रीय एकता शिविर का मुख्य उद्देश्य एक-दूसरे राज्यों की संस्कृति का आदान प्रदान करना है। सभी राज्य के युवा शिविर में अपने राज्यों की संस्कृति की झलक पेश करेंगे और एक-दूसरे राज्यों की सांस्कृतिक परंपराओं को जानेंगे।

पेरहाप में स्वर्ण अधिकार एकता संघ के तत्वाधान में समाजिक उत्थान के लिए बैठक

आरा। सहार प्रखंड के पेरहाप में स्वर्ण अधिकार एकता संघ के तत्वावधान मे स्वर्ण वर्ग के सामाजिक उत्थान के लिए बैठक आयोजित किया गया। जिसमे स्वर्ण वर्गों में सामाजिक स्तर पर हो रहे परेशानियां एवं समस्या के साथ समाधान और अन्य विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में सहार प्रखंड के सभी गांवों से सैकड़ों की संख्या में लोग सम्मिलित हुए। बैठक में स्वर्ण अधिकार एकता संघ के विभिन्न पद के लिए निम्नलिखित

व्यक्तियों को चयन किया गया। जिसमे अध्यक्ष अविनाश कुमार, सचिव चंदन कुमार चांद, उपाध्यक्ष नारायण जी ,कोषाध्यक्ष विक्रांत कुमार सिंह, प्रवक्ता अमरेंद्र मिश्र, मीडिया प्रभारी विवेक कुमार, महामंत्री गया राय, मंत्री धीरज राय, सह मंत्री अनूप कुमार, उपेंद्र राय, सोशल मीडिया प्रमुख अक्षय राय , सूचना एवं संपर्क प्रभारी मनोज राय, कार्यकारी सदस्य पिंटू राय,प्रशांत कुमार, अभिषेक नारायण, शशिरंजन राय, उज्ज्वल कुमार, अनीश राय, चंद्रशेखर राय ,अजीत पांडे, मृत्युंजय कुमार, ऋषिकेश कुमार, अंकित कुमार, सुजीत कुमार, निर्भय राय , अनिल राय, बिट्टू राय त्रिपुरारी सिंह आदि सम्मिलित रहें।

आरा में ही मिलेगा बेहतर इलाज

आरा। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल,आरा भोजपुर के जीरो माइल क्षेत्र में बन रहा है। यह बिहार सरकार की सात निश्चय योजना के तहत विकसित हो रहा अत्याधुनिक मेडिकल कैंपस है, जिसमें मेडिकल कॉलेज और इ.रू. नर्सिंग कॉलेज शामिल हैं। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।भोजपुर के लिए बड़े फायदेअब गंभीर मरीजों को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल या अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना नहीं जाना पड़ेगा।सस्ता और बेहतर इलाज घर के पास मिलेगा।स्थानीय छात्रों को टइइर की पढ़ाई का अवसर मिलेगा।हजारों रोजगार और व्यापार में बढ़ोतरी।यह मेडिकल कॉलेज आरा और पूरे शाहाबाद क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

पंचमुखी नाथ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़कपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हवेली खड़गपुर स्थित प्रसिद्ध पंचमुखी नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में देखी गईं। श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करने के लिए उत्साहपूर्वक पहुंचे। धश्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है तथा प्रवेश और निकास के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। हवेली खड़गपुर अनुमंडल के प्रशिक्षु डीएसपी मिथिलेश कुमार तिवारी ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से मंदिर के मुख्य द्वार तक साइकिल, मोटरसाइकिल और टोटो के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। श्रद्धालुओं को अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़े कर पैदल मंदिर तक पहुंचने की व्यवस्था की गई है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग निर्धारित नियमों का पालन करें और शांतिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ तैनात है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का विशेष माहौल बना रहा।

99 साल के बाद भी बरकरार है जमालपुर में जिमखाना का भव्य भवन

● जिमखाना में केक काटकर ईरमी महानिदेशक ने अधिकारी के साथ मनाया जश्न

प्रात : किरण संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर) : ईरमी जमालपुर के 99 वां वर्षगांठ समारोह देर रात्रि जिमखाना परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं केक काटकर संपन्न किया गया।ईरमी के महानिदेशक अनिमेष कुमार सिन्हा नेतृत्व में जिमखाना डिजाइन का बनाया गया भव्य केक अतिथि रेल महाप्रबंधक चेन्नई यू सुब्बाराव, रेल महाप्रबंधक रायबरेली एवं कपूरथला के प्रशांत कुमार मिश्रा, ईस्टर्न रेलवे के पीसीएमई परमानंद शर्मा सहित तमाम अतिथि कांटा तो तालिया की गड़गड़ाहट से जिम खाना गूंज उठा। हालांकि इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए रेल के विभिन्न जोन से पहुंचे अधिकारी अपने पत्नी के साथ ईरमी एवं जिमखाना में बिताए गए पुरानी यादों को ताज भी किया। केक काटने के बाद अधिकारियों ने जहां एक दूसरे को ईरमी के उज्जवल भविष्य की बधाई भी दिए। इधर देर रात्रि तक चले ईरमी के दो दिवसीय वार्षिक उत्सव समारोह का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। मौके पर पूर्व आईआरएसएमई ऋतुराज वर्मा,पीसीएमई अतुल प्रियदर्शी,पीसीएमई अनिल द्विवेदी, पूर्व जीएम संजीव किशोर, रेलवे बोर्ड के आर के मंगला,पीसीएमई एमके पोद्दार, डीआरएम हावड़ा विशाल कपूर, डीआरएम मालदा मनीष गुप्ता, डीआरएम उदय सिंह मीणा, पूर्व आईआरएसएमई ऋतुराज वर्मा,डीन प्रेम प्रकाश, सीनियर प्रोफेसर जनार्दन प्रसाद,सीडब्ल्यूएमक्ष विनय प्रसाद वर्णवाल,डिप्टी डीजी प्रसेनजीत कुमार, प्रोफेसर प्रोजेक्ट मो. अय्यूब खान,प्रोफेसर एडमिन पंकज कुमार,प्रोफेसर सुसरन तिरु,प्रोफेसर सिद्धार्थ शंकर सहित कई अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

सहार में महाशिवरात्रि को धूमधाम से पूजा किया गया

आरा। सहार में महाशिवरात्रि को धूमधाम से पूजा किया गया और कहा जाता हैं की महाशिवरात्रि को शिव जी और उनकी पत्नी पार्वती जी के मिलन का भी उत्सव है।महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का एक पवित्र त्योहार है, जो भगवान शिव को समर्पित है। उत्तर भारत में महाशिवरात्रि हिंदू पंचांग के अंतिम महीने (फाल्गुन) में मनाई जाती है, और महाशिवरात्रि का भगवान शिव से जुड़ा है, जिसमें मुख्य रूप से समुद्र मंथन के दौरान विष पीने और दुनिया को बचाने की कथा, भगवान शिव और पार्वती के विवाह की कथा, और शिव के लिंग स्वरूप में प्रकट होने की घटना शामिल है, और सहार में महाशिवरात्रि का पूजा धूम धाम से श्रद्धालु द्वार किया गया।

विश्वविद्यालय अतिथि प्राध्यापको का धरना

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अतिथि प्राध्यापक संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 17 फरवरी को पटना के गर्दनीबाग में एकदिवसीय धरना देने की घोषणा की है। संघ के अध्यक्ष डॉ आदित्य कुमार आनन्द ने रविवार को आयोजित बैठक में बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार को कई बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिसके कारण उन्हें सड़क पर उतरने का निर्णय लेना पड़ा है।संघ के अध्यक्ष डॉ आनन्द ने कहा कि अतिथि प्राध्यापक वर्षों से नियमित शिक्षकों की तरह ही शैक्षणिक दायित्व निभार हैं,लेकिन उन्हें न तो समुचित मानदेय मिल रहा है और न ही सेवा सुरक्षा। संघ के संरक्षक डॉ अमर कुमार का कहना है कि समान कार्य के लिए समान वेतन, सेवा नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू करने, बकाया मानदेय के भुगतान और स्पष्ट सेवा शर्तों की अधिसूचना उनकी प्रमुख मांगें हैं।डॉ अनुज कुमार ने बताया कि 17 फरवरी के धरने में विश्वविद्यालय के विभिन्न अंगीभूत और संबद्ध महाविद्यालयों के सैकड़ों अतिथि प्राध्यापक भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि यदि सरकार और प्रशासन ने शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और तेज किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर राज्यव्यापी आंदोलन और कक्षाओं के बहिष्कार जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं।अतिथि प्राध्यापकों का तर्क है कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी के कारण शिक्षण व्यवस्था काफी हद तक उनके भरोसे चल रही है। इसके बावजूद उन्हें स्थायी नियुक्ति से वंचित रखा गया है। डॉ पंकज कुमार ने कहा कि वे शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं, लेकिन अस्थायी व्यवस्था में काम करना उनके भविष्य के लिए चिंता का विषय है।धरने को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। डॉ सोमेश शशि और डॉ मुकेश कुमार ने बताया कि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को रखने के लिए प्रशासन को पूर्व सूचना दे दी गई है। साथ ही अन्य विश्वविद्यालयों और शिक्षक संगठनों से भी समर्थन की अपील की गई है। सोशल मीडिया और विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए अतिथि प्राध्यापकों से अधिक से अधिक संख्या में पटना पहुंचने का आह्वान किया गया है।17 फरवरी को गर्दनीबाग में होने वाला यह धरना राज्य सरकार के लिए भी एक महत्वपूर्ण परीक्षा माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि अतिथि प्राध्यापकों की मांगों पर सरकार और प्रशासन क्या रुख अपनाते है। इस मौके पर डॉ धनंजय राय, डॉ अशोक तिवारी, राकेश चौधरी, डॉ जुगल किशोर, डॉ कंचन कुमारी, डॉ अमरेश कुमार, डॉ रंजीत कुमार, डॉ शिवकांत, डॉ छाया कुमारी, डॉ मधु कुमारी, डॉ संगीता कुमारी मौजूद रहे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 16 फरवरी, 2026

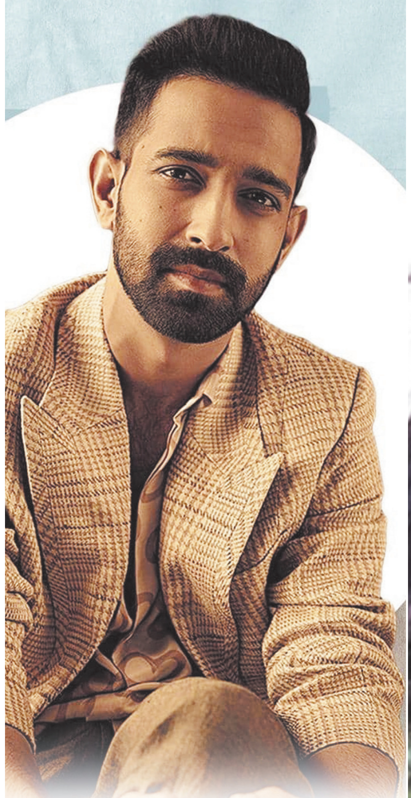

'रामायण' में रिप्लेस किए जाने पर विक्रांत मैसी ने तोड़ी चुप्पी

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म 'रामायण' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। इसे बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। इस बीच यह भी चर्चा चल रही थी कि विक्रांत को मूवी में मेघनाद के किरदार के लिए अप्रोच किया गया है। लेकिन शुक्रवार को य खबर ट्रेंड करने लगी कि उनकी जगह फिल्म में दूसरे एक्टर को लिया गया है। फिल्म में खुद को रिप्लेस किए जाने पर विक्रांत ने क्या कहा?

राघव जुयाल ने किया विक्रांत को रिप्लेस

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक राघव जुयाल फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनने जा रहे हैं। राघव जुयाल इस फिल्म में मेघनाद का किरदार निभा सकते हैं। उनका किरदार 'रामायण पार्ट टू' में नजर आएगा, जो 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी। पहले इस किरदार को विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, ऐसी खबरें सामने आई थीं। लेकिन किन्हीं कारणों से वह फिल्म से दूर हो गए। इस पूरी स्थिति को लेकर विक्रांत मैसी ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया।

फिल्म 'रामायण' को लेकर क्या बोले विक्रांत?

अपने इंस्टाग्राम पेज पर विक्रांत मैसी ने एक स्टोरी पोस्ट, जिसे बाद में डिलीट भी कर दिया। इसमें उन्होंने लिखा था, 'मैं इन खबरों पर विराम लगाता हूं। मैं कभी भी इस फिल्म का हिस्सा नहीं था।' उन्होंने आगे फिल्म को लेकर लिखा, 'बहरहाल, रामायण फिल्म की पूरी कास्ट को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मैं जरूर टिकट खरीदकर ये मूवी देखने जाऊंगा।'

कब रिलीज होगी फिल्म 'रामायण'?

फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, साउथ एक्टर यश, सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आंएगे। फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं। फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। पहला पार्ट इस दिवाली (2026) में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं इस फिल्म का दूसरा भाग 2027 दिवाली पर रिलीज होगा।

क्या अल्लू अर्जुन के साथ नेगेटिव रोल में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

अल्लू अर्जुन और एटली एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के टाइटल का अभी एलान नहीं किया गया है। इसके बावजूद फिल्म ने काफी चर्चा बटोर ली है। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि इस प्रोजेक्ट में पहली बार एक पावरफुल स्टार और एक ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर साथ काम कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म आने वाले वक्त में सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी।

कैसा होगा रश्मिका का किरदार?

लेट्स ओटीटी के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि इसमें रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। बताया जाता है कि रश्मिका मंदाना एक डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी। फिल्म में रश्मिका का किरदार उन खुशमिजाज किरदारों से बहुत अलग है, जो वह आमतौर पर स्क्रीन पर निभाती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अल्लू अर्जुन ने पर्सनली इस रोल के लिए उनका नाम सजेस्ट किया था। फैंस को लगता है कि यह किरदार रश्मिका का बिल्कुल नया साइड सामने लाएगा।

फीमेल लीड कौन है?

फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड फीमेल रोल में हैं। दो मजबूत एक्ट्रेस के अहम रोल निभाने से फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। कई फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि फिल्म में उनके किरदार कैसे होंगे।

कितनी शूट हुई फिल्म?

खबर है कि रश्मिका ने इस हफ्ते अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। वह फरवरी भर काम करती रहेंगी। इस महीने के आखिर में वह अपनी शादी के लिए छोटा ब्रेक ले सकती हैं। फिल्म का प्रोडक्शन आसानी से चल रहा है। करीब 25 से 30 प्रतिशत शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है।

सामने आई कोंकणा सेन शर्मा की 'अक्यूज्ड' की रिलीज डेट

कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा अपनी अपकमिंग फिल्म 'अक्यूज्ड' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इसका टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है। अब इसकी रिलीज डेट सामने आ गई है। अनुभूति कश्यप के निर्देशन में बनी साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज 27 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। मेकर्स ने 'अक्यूज्ड' की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। इसे 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। इसकी कहानी सीमा अग्रवाल और यश केसवानी ने लिखी है। इसे करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमेन मिश्रा ने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। 'अक्यूज्ड' लंदन की एक इज्जतदार डॉक्टर की कहानी है। डॉक्टर की जिंदगी तब बिखरने लगती है जब उस पर यौन दुराचार का आरोप लगता है। जैसे-जैसे जांच तेज होती है वैसे-वैसे उसकी मुश्किलें बढ़ती हैं। जांच उसके रिश्तों और इज्जत पर असर डालती है। फिल्म में दिखाया गया है कि जब सच्चाई का पता न हो तो धारणाएं जल्दी हावी होने लगती हैं। एक महिला को आरोप के केंद्र में रखकर बनाई गई फिल्म 'अक्यूज्ड' बेचैनी और शक की कहानी दिखाती है।

प्रतिभा की दूसरी फिल्म

फिल्म 'अक्यूज्ड' प्रतिभा रांटा की दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह 2023 में किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' में नजर आई थीं।

साबुन की ब्रांड एंबेसडर बनकर विवादों में फंसी तमन्ना भाटिया

कर्नाटक का प्रसिद्ध मैसूर चंदन साबुन (मैसूर सैंडल सोप), जो 108 साल पुराना है, अब दोबारा लॉन्च हो रहा है। इसी साबुन के लिए अब तमन्ना भाटिया को इसका ब्रांड एंबेसडर चुना गया है। मैसूर चंदन साबुन की कंपनी ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। तमन्ना मुंबई में जन्मी हैं और मुख्य रूप से हिंदी-तेलुगु-तमिल फिल्मों में काम करती हैं। पिछले साल मई में उन्हें 6.2 करोड़ रुपये में दो साल के लिए यह कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। अब फरवरी 2026 में साबुन का नया लुक और पैकेजिंग के साथ रीलॉन्च हुआ है।

क्या है विवाद

तमन्ना को मैसूर चंदन साबुन का ब्रांड एंबेसडर बनाने के इस फैसले पर काफी विवाद हो रहा है। कई लोग, खासकर कन्नड़ समर्थक और राजनीतिक नेता कह रहे हैं कि कंपनी को कर्नाटक की किसी स्थानीय कन्नड़ अभिनेत्री को चुनना चाहिए था, जैसे रश्मिका मंदाना, पूजा हेगड़े, श्रीनिधि शेट्टी या राम्या। भाजपा के सांसद के. सुधाकर ने इसे कांग्रेस सरकार की 'कन्नड़ विरोधी सोच' बताया और कांग्रेस को 'गद्दार पार्टी' कहकर आलोचना की।

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की अफवाहों के बीच दिमागी सुकून पर बोलीं सुतारिया

तारा सुतारिया इन दिनों वीर पहाड़िया के साथ कथित तौर पर ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वीर पहाड़िया से उनका ब्रेकअप हो गया है। इस बीच उन्होंने बताया है कि वह अपने दिमागी सुकून पर ध्यान दे रही हैं। आइए जानते हैं उन्होंने और क्या कहा है।

क्या है जिंदगी का मकसद?

इल्ले इंडिया से बातचीत में तारा सुतारिया ने कहा 'मैंने हमेशा से इस बात पर यकीन किया है कि असली कामयाबी दिमागी सुकून में है। मेरी जिंदगी का यह मकसद रहा है कि आपके पास जो मुट्ठी भर लोग हैं, वह आपको प्यार करें और आपको जानें।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे करियर आगे बढ़ा है, शांत रहना और भी जरूरी हो गया है।

शांति की रक्षा करना सीखा

तारा सुतारिया ने बताया कि उन्हें यह समझने में समय लगा कि उन्हें अच्छा महसूस करने के लिए क्या चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी शांति की रक्षा करना सीख लिया है। सिर्फ हम जानते हैं कि अपने नर्वस सिस्टम को कैसे शांत करना है।'

वायरल वीडियो के बाद फैली अफवाह

हाल ही में खबरें आईं कि तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि दोनों ने इस पर कुछ नहीं कहा है। एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो के बाद उनके ब्रेकअप की अफवाहें फैलीं। इस वीडियो की सुतारिया ने आलोचना की और इसे पेड पीआर बताया। वहीं पहाड़िया ने कहा कि जो क्लिप सर्कुलेट हो रही थी, उसे एडिट किया गया था।

ओरी ने शेयर किया वीडियो

इसके बाद, ओरी ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें पहाड़िया, सुतारिया और एपी ढिल्लों को चीयर कर रहे थे। इस वीडियो को री-शेयर करते हुए पहाड़िया ने लिखा 'सच की हमेशा जीत होती है।' वर्क फ्रंट की बात करें तो सुतारिया अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। यश स्टारर यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी।

यश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा

बेटे के डेब्यू पर गोविंदा का बड़ा बयान

गोविंदा बीते दिनों से चर्चाओं का विषय बने हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी ने उनपर एक्सट्रामैरिटल अफेयर के आरोप लगाए थे। हालांकि इन सभी आरोपों को गोविंदा ने खारिज कर दिया। अब उनके बेटे बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा ने उनके बेटे की एक्टिंग पर भी खुलकर बात की है।

यश मुझसे भी बेहतर एक्टर बनेगा

गोविंदा ने कहा कि उन्हें अपने बेटे पर पूरा भरोसा है और यश आगे चलकर उनसे भी बेहतर एक्टर बनेगा। बातचीत में गोविंदा ने कहा, 'यश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा। वो टेक्निकली मुझसे ज्यादा मजबूत है।' अपने बेटे को सपोर्ट करने को लेकर गोविंदा ने बताया कि उनकी सिफारिश पर निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने यश को अपने ऑफिस में जगह दी, ताकि वह फिल्ममेकिंग के अलग-अलग पहलू सीख सके।

करण जौहर पर कसा तंज

इस इंटरव्यू के दौरान गोविंदा ने बताया कि उनके नाम पर एक फिल्म बनाई गई थी। गोविंदा बोले, 'किसी ने मेरे नाम से पिक्चर बना दी थी। शायद उसका नाम 'गोविंदा मेरा नाम' था। मुझे पता नहीं, पर लगता है कि वो करण जौहर की फिल्म थी।' बता दें, साल 2022 में रिलीज हुई 'गोविंदा मेरा नाम' में विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी ने साथ काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया था। वहीं इसके प्रोड्यूसर करण जौहर थे।

गोविंदा ने क्यों छोड़ी राजनीति

वहीं राजनीति छोड़ने के फैसले पर गोविंदा ने कहा कि उन्होंने यह कदम अपने परिवार के लिए उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि राजनीति मेरी फैमिली लाइफ और बच्चों पर असर डाले।'

न्यूकमर्स के साथ काम करना चाहते हैं गोविंदा

खबर है कि गोविंदा सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आ सकते हैं। हालांकि इस बात को लेकर कोई जानकारी मेकर्स ने शेयर नहीं की है। हां, सलमान खान ने 'बिग बॉस 19' के मंच पर जरूर कहा था कि वह गोविंदा के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं। गोविंदा ने आगे कहा कि वह नए कलाकारों के साथ काम करना चाहते हैं और नहीं चाहते कि कोई भी एक्टर उनके बारे में गलत डर बनाए। इसी वजह से उन्होंने सभी से माफी भी मांगी। वहीं, हाल ही में सुनीता आहूजा के भी बॉलीवुड में डेब्यू करने की बात सामने आई है।

यशवर्धन करने वाले हैं बॉलीवुड में डेब्यू

गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। बेटी टीना ने 2015 में फिल्म 'सेकंड हैंड हसबैंड' से डेब्यू किया था। बेटा यशवर्धन भी जल्द ही फिल्मों में कदम रखने वाले हैं।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, सोमवार, 16 फरवरी , 2026

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला रहेगा जारी : मुंबई। आईटी कंपनियों पर दबाव से घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह गिरावट देखी गई और अब आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर ग्लोबल सेंटीमेंट पर ज्यादा रहेगी। घरेलू स्तर पर अगले सप्ताह आयात–निर्यात के आंकड़े जारी होने हैं। इससे भी बाजार में निवेश धारणा प्रभावित हो सकती है। निवेशक ग्लोबल फैक्टर्स से संकेत लेकर अपनी रणनीति तय कर सकते हैं।

मुफ्त में एलपीजी सिलेंडर... : मुंबई। होली का त्योहार आने वाला है। इस त्योहारी माहौल में करोड़ों लोगों को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा। हालांकि, यह स्कीम दो राज्य– उत्तर प्रदेश और दिल्ली के लोगों के लिए है। इसका लाभ उन्हीं लोगों को मिलेगा जो इससे जुड़े सभी शर्तों को पूरा करते हैं। आइए इसके बारे में विस्तार से जान लेते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएम–उज्ज्वला) के तहत उत्तर प्रदेश की महिला लाभार्थियों को मुफ्त एलपीजी रिफिल दिया जाएगा, जिससे राज्य भर की 1.86 करोड़ महिलाओं को त्योहारों के दौरान राहत मिलेगी।

20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनी पर यूएई की कंपनी का आया दिल

मुंबई, एजेंसी। सॉफ्टवेयर और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज करीब 80 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आगामी 18 फरवरी को एक मीटिंग होगी। इसी मीटिंग में 80 करोड़ रुपये तक के स्ट्रेटेजिक इक्विटी इनवेस्टमेंट प्रोपोजल पर विचार किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, इससे कंपनी का पोस्ट–मनी वैल्यूएशन लगभग 400 करोड़ रुपये हो सकता है। यूएई की कंपनी खरीदेगी हिस्सेदारी उल्लेखनीय है कि संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी टूलेजर टेक्नोलॉजीज एफजेडई ने सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज में 20 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने में रुचि दिखाई है। उन्होंने इसके लिए एक गैर–बाध्यकारी लेटर ऑफ इंटेंट भी भेजा है। उस कंपनी से मिली राशि का इस्तेमाल कंपनी की बैलेंस शीट को मजबूत करने, विकास की पहलों को तेज करने और टेक्नोलॉजी–आधारित विस्तार की रणनीति को समर्थन देने के लिए किया जाएगा। कंपनी इस 20 प्रतिशत हिस्सेदारी को प्रेफरेंशियल बेसिस पर ऑफर करने का विचार कर रही है। शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार कंपनी की अगली बोर्ड मीटिंग में एक स्वतंत्र – रजिस्टर्ड वैल्युअर और प्रोफेशनल एडवाइजर्स की नियुक्ति पर भी विचार किया जाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि कंपनी का सही मूल्यांकन हो। सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और याकिन जोशी का कहना है कि कंपनी टूलेजर टेक्नोलॉजीज एफजेडई से मिले एलओआई का मूल्यांकन कर रही है। उन्होंने कहा, यह प्रस्तावित लेनदेन शेयरधारकों के लिए लंबे समय तक वैल्यू बढ़ाने और कंपनी को स्केलेबल ग्रोथ के अगले चरण के लिए तैयार करने पर हमारे निरंतर फोकस को दर्शाता है। हाल ही में लॉन्च किए गए सिल्वर एआई को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहले ही हफ्ते में इसके 24,000 से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर्स हो गए हैं। यह दिखाता है कि कंपनी की नई टेक्नोलॉजी लोगों को पसंद आ रही है। यह फंड जुटाने का कदम कंपनी को और मजबूत बनाएगा और भविष्य में और भी बड़ी सफलता दिलाने में मदद करेगा।

यूएस डील ने बदला विदेशी निवेशकों का मूड, भारतीय बाजार में डाले 19675 करोड़

मुंबई, एजेंसी। एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे। कुल मिलाकर, 2025 में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। अमेरिका–भारत व्यापार समझौते के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार की ओर रुझान बढ़ा है। ऐसे निवेशकों ने फरवरी के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में 19,675 करोड़ रुपये डाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई का यह फ्लो लगातार तीन माह की भारी बिकवाली के बाद हुआ है। बता दें कि एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे। कुल मिलाकर, 2025 में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) की निकासी की है। यह एफपीआई के फ्लो की दृष्टि से सबसे खराब वर्षों में रहा है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हाल की खरीदारी को वैश्विक वृहद चिंताओं में कमी, खासकर अमेरिका के नरम महंगाई आंकड़ों से समर्थन मिला है। इससे उन की भारत समेत उभरते बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बेहतर हुई है। इसी तरह की राय जताते हुए एंजेल वन के विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि यह फ्लो अमेरिका–भारत व्यापार करार, समर्थन देने वाले 2026–27 के आम बजट और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं में कमी की वजह से देखने को मिला है।

1374 करोड़ रुपये की बिकवाली–एफपीआई फरवरी माह के 11 कारोबारी सत्रों में से सात में खरीद रहे और चार सत्रों में बिकवाल रहे। इसके बावजूद आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने इस महीने शुद्ध रूप से 1,374 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। इसकी वजह यह है कि 13 फरवरी को निफ्टी में 336 अंक की गिरावट के दौरान एफपीआई ने 7,395 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस सप्ताह एंथ्रोपिक झटके की वजह से आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली।

भाई से मिला तोहफा बेच लगाया ठेला, मां के हुनर का किया इस्तेमाल

- अपने भाई-बहनों में सबसे छोटे
- अब हनी अपने स्टॉल से रोजाना 5,000 रुपये से 6,000 रुपये की बिक्री करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी 18 साल के हनी खान की है। वह लखनऊ के रहने वाले हैं। उनकी अब एक अलग पहचान बन गई है। लखनऊ यूनिवर्सिटी के बाहर वह इडली और मेंडू वड़ा बेचते हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने पिछले साल सितंबर से की थी। भाई से गिफ्ट में मिले प्लेस्टेशन को 14,000 रुपये में बेचकर उन्होंने इडली स्ट्रीट नाम का स्टॉल शुरू किया था। हनी की मां रजिया का हुनर इसमें बहुत काम आया। वह चेन्नई के रोयापुरम की रहने वाली हैं। दक्षिण भारतीय व्यंजन बहुत अच्छी तरह बनाती हैं। शादी के बाद वह 20 साल की उम्र में लखनऊ आ गई थीं। अब हनी अपने स्टॉल से रोजाना 5,000 रुपये से 6,000 रुपये की बिक्री करते हैं। उनकी इडली और मेंडू वड़ा हाथों-हाथ बिकते हैं। आइए, यहां हनी खान की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। चार भाइयों और एक बहन में शहजाद खान उर्फ हनी खान सबसे छोटे

हैं। ऐशबाग में एक साधारण दो बेडरूम के किराए के अपार्टमेंट में रहते हैं। उनके दूसरे भाई खाड़ी देशों में काम करते हैं। बहन हरियाणा में रहती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के बाहर इडली और मेंडू वड़ा बेचकर हनी हर महीने चोखी कमाई कर रहे हैं। उन्होंने सितंबर 2025 में इडली स्ट्रीट की शुरुआत की थी। अपनी मां के दक्षिण भारतीय व्यंजनों को बनाने में महारत का फायदा उठाकर उन्होंने इस स्टॉल को शुरू किया था। हनी की मां रजिया खान शादी के बाद 20 साल की उम्र में लखनऊ आ गई थीं। वह मूल रूप से चेन्नई के रोयापुरम की रहने वाली हैं। वहीं उन्होंने दक्षिण भारतीय व्यंजन बनाने सीखे। हनी को अपने बड़े भाई से गिफ्ट में मिला था। इसे 14,000 रुपये में बेचकर उन्होंने 2,500 रुपये का एक मेटल बॉक्स खरीदा। उसमें इडली और मेदू वड़ा रखकर लखनऊ विश्वविद्यालय के बाहर बेचना शुरू किया।

दुनिया के टॉप 10 रईसों में आए तीन भाई-बहन, देशों की जीडीपी से ज्यादा है परिवार की दौलत

वॉरेन बफे और स्टीव बालमर जैसे दिग्गज टॉप 10 से बाहर हो चुके हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के टॉप रईसों की लिस्ट में हाल में काफी उलटफेर देखने को मिला है। वॉरेन बफे और स्टीव बालमर जैसे दिग्गज टॉप 10 से बाहर हो चुके हैं जबकि एक ही परिवार के तीन भाई-बहनों ने इसमें जगह बनाई है। इनमें जिम वॉल्टन, उनके भाई बॉब वॉल्टन और बहन एलिस वॉल्टन शामिल हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स में जिम आठवें, बॉब नौवें और एलिस दसवें नंबर पर शामिल हैं। एलिस दुनिया की सबसे रईस महिला अरबपति हैं। इन तीनों का संबंध वॉल्टन परिवार से है जो रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी वॉलमार्ट की प्रमोटर फैमिली है। इस परिवार के दो अन्य सदस्यों को भी दुनिया को टॉप 100 रईसों में जगह मिली है।

वॉल्टन फैमिली को दुनिया का सबसे रईस परिवार माना जाता है। वॉलमार्ट में वॉल्टन परिवार की 47 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस कंपनी की स्थापना साल 1962

में सैम वॉल्टन ने की थी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक सैम वॉल्टन के बेटे जिम वॉल्टन .158 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में आठवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 21.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। उनके भाई रॉब वॉल्टन .154 अरब की नेटवर्थ के साथ नौवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 20.7 अरब डॉलर बढ़ी है। जिम और बॉब की बहन एलिस वॉल्टन .154 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 21 अरब डॉलर की तेजी आई है। सैम वॉल्टन के एक बेटे जॉन वॉल्टन की मौत हो चुकी है। उनके पुत्र लुकास वॉल्टन की नेटवर्थ 53.9 अरब है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 33वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की विधवा क्रिस्टी वॉल्टन 25.4 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 100वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की 2005 में एक हवाई हादसे में मौत हो गई थी। इससे क्रिस्टी वॉल्टन को वॉलमार्ट में करीब 2 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली थी। टॉप 100 रईसों में शामिल वॉल्टन परिवार के पांच सदस्यों की कुल नेटवर्थ 545 अरब डॉलर है जो ग्रीस, हंगरी और ईरान जैसे कई देशों की जीडीपी से ज्यादा है। वॉलमार्ट के दुनिया के 19 देशों में 10,500 से अधिक स्टोर हैं। वॉल्टन का बिजनेस पूरी तरह डिस्काउंट कल्चर पर आधारित था और यही वजह है कि मंदी के दौरान भी इसका स्टॉक हमेशा तेजी में रहा।

आत्मनिर्भर नहीं, डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने की बात करती है, वह अब ट्रंप पर निर्भर होती नजर आ रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार ने भारत की विदेश और आर्थिक नीतियों को अमेरिका के साथ संरेखित करने पर सहमति जताई है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कार्यकारी आदेशों का हवाला देते हुए संकेत दिया गया है कि यदि भारत रूसी तेल की खरीद जारी रखता है तो 25 प्रतिशत का दंडात्मक टैरिफ फिर से लगाया जा सकता है। सेवा तीर्थ पर क्या बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन– 1 और 2 के

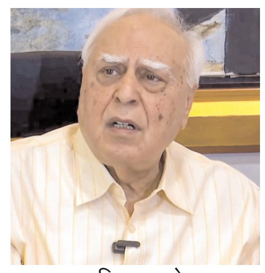

उद्घाटन का जिक्र करते हुए सिब्बल ने सवाल किया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री ने देश के प्रति कौन सा कर्तव्य निभाया है। उन्होंने कहा कि इमारतें बनाना अच्छी बात है, लेकिन शासन और नीतियों पर जवाबदेही भी जरूरी है। सिब्बल ने यह भी दावा किया कि सरकार ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान और सेवाएं खरीदने पर सहमति जताई है और इस पूरे समझौते पर प्रधानमंत्री को संसद में आकर स्पष्ट बयान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी चुनाव जीतना जानती है।

प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते आ रहे हैं 3 कंपनियों के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते तीन कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं। इन तीन कंपनियों के आईपीओ में दो एसएमई सेगमेंट के हैं। वहीं, एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। आइए एक-एक करके जानते हैं इन कंपनियों के विषय में ...

कंपनी के आईपीओ का साइज 49 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 23 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। यह इश्यू पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। आईपीओ 16 फरवरी से 18 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने 205 रुपये से 216 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। वहीं, लॉट साइज 600 शेयरों का बनाया है। रिटेल निवेशकों को कम से कम 1200 शेयरों पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से मिनिमम इन्वेस्टमेंट वैल्यू 259200 रुपये है।

ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 4 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। इन्वेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी के आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 6 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, सबसे कम जीएमपी जीरो रुपये है। यह आईपीओ 18 फरवरी को खुलेगा। कंपनी का आईपीओ 20 फरवरी तक ओपन रहेगा। कंपनी ने 110 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। वहीं,

लॉट साइज 1200 शेयरों का बनाया गया है। रिटेल निवेशकों को कम से कम 2400 शेयरों पर दांव लगाना होगा। मिनिमम इन्वेस्टमेंट वैल्यू 264000 रुपये है। इस आईपीओ का साइज 88.88 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 81 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी।

गौडियम आईवीएफ और महिला स्वास्थ्य आईपीओ

इस हफ्ते के आखिरी में यह आईपीओ खुलेगा। निवेशकों के पास 20 फरवरी से 24 फरवरी तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। यह मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। आईपीओ के जरिए कंपनी 2.09 करोड़ शेयर जारी करेगी। इसमें 1.14 करोड़ शेयर फ्रेश इश्यू के जरिए जारी होंगे।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में स्टार्टअप्स के दिन लद गए

पुरानी कंपनियों ने जमाया कब्जा, लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक टूव्हीलर को भारत में लोकप्रिय करने का श्रेय भले ही स्टार्टअप्स को जाता हो। लेकिन अब वे ग्राहकों की चित्त से उतर रहे हैं। जी हां, भारत के ई 2व्हीलर बाज़ार में एक बड़ा बदलाव आया है। इस साल से पहले तक स्टार्टअप्स का भले ही दबदबा रहा हो, लेकिन अब पुरानी और जानी-मानी कंपनियां इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में आगे बढ़ रही हैं।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 तक, टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो और हीरो मोटोकॉर्प जैसी बड़ी कंपनियों ने इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार का 60 प्रतिशत हिस्सा अपने कब्ज़े में ले लिया है। यह आंकड़ा 2023 में सिर्फ 34 प्रतिशत था। ऑटोमोटिव मार्केट रिसर्च फर्म जाटो डायनेमिक्स के मुताबिक, यह एक बड़ा बदलाव है। इस रिपोर्ट के मुताबिक यह बदलाव पिछले एक साल में तेजी से हुआ है। स्टार्टअप्स ने भले ही इस बाज़ार की शुरुआत की और शुरुआती खरीदारों को आकर्षित किया। लेकिन अब पुरानी कंपनियां अपने बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, बिक्री के बाद की सर्विस और सही समय पर नए मॉडल लॉन्च करके आम ग्राहकों को जीत रही हैं। पहले से जमा-जमाया नाम भी है इन कंपनियों का। तभी तो इनका भरोसा ईवी में भी सामने

आ रहा है ऐसा क्यों हुआ, इस पर एक इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने कहा, शुरुआती दौर में सबसे पहले आना मायने रखता था। अब लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ज़्यादा ज़रूरी है। उन्होंने आगे कहा, पुरानी कंपनियों ने इंतज़ार किया, अपनी सप्लाई चेन और डीलरों को तैयार किया, और अब वे सही समय पर अपने प्रोडक्शन को बढ़ा रही हैं। बड़ा फायदा किस कंपनी को

रिपोर्ट के मुताबिक टीवीएस मोटर इस बदलाव का एक बड़ा फायदा उठाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। उनकी इलेक्ट्रिक व्हीकल की रणनीति में शामिल है- लगातार प्रोडक्शन बढ़ाना और प्रोडक्ट्स की रेंज को वाइड करना शामिल है। इससे वे अलग-अलग तरह के ग्राहकों को आकर्षित कर पा रहे हैं। कंपनी के क्यू3 एफवाय26 नतीजों के बाद, टीवीएस मोटर ह के सीईओ और डायरेक्टर, के.एन. राधाकृष्णन ने बताया कि उनके फ्लैगशिप आईक्यूब और नए लॉन्च हुए ऑर्बिटर , जो अलग तरह के खरीदारों को टारगेट करता है, दोनों की मांग बहुत अच्छी है। तभी तो दिसंबर 2025 की तिमाही में, कंपनी ने पहली बार एक लाख (100,000) से ज़्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। यह तब हुआ जब साल की शुरुआत में प्रोडक्शन में कुछ दिक्कतें थीं। विश्लेषकों का कहना है कि यह टीवीएस की डिस्ट्रीब्यूशन पहुंच का फायदा दिखाता है, जब प्रोडक्शन बड़े पैमाने पर होता है।

बजाज ऑटो बजाज ऑटो ने भी बैटरी पैक की सप्लाई की शुरुआती दिक्कतों को दूर करने के बाद ज़बरदस्त वापसी की है। इससे पहले तो बैटरी पैक की वजह से प्रोडक्शन को धीमा कर रही थीं। प्रोडक्शन बढ़ने के साथ, दिसंबर की तिमाही में बिक्री तेज़ी से बढ़ी। तभी तो बजाज ऑटो ने इलेक्ट्रिक स्कूटर बाज़ार में दूसरा स्थान फिर से हासिल कर लिया। कंपनी ने रेंज को एक नए एंट्री-लेवल वेरिएंट के साथ बढ़ाया है, जो युवा खरीदारों और महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इससे इसकी पहुंच बढ़ी है और विश्वसनीयता और वैल्यू पर इसका ज़ोर और मज़बूत हुआ है। इस समय स्टार्टअप्स के लिए ग्रोथ की राहें अब ज़्यादा अलग-अलग हो रही हैं। हालांकि, एथर एनर्जी ने अपना रिज्टा स्कूटर की बढ़ती मांग और बेहतर ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस के कारण दिसंबर की तिमाही में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन ओला इलेक्ट्रिक के मार्केट शेयर में बड़ी गिरावट आई है। ज़्यादा प्रतिस्पर्धी बाज़ार में बढ़ती हुई मुश्किलों से अब कंपनी को दो-चार होना पड़ रहा है।

भारतीय पर्यटकों पर दुनिया की नजर डेस्टिनेशन वेडिंग से एडवेंचर टूरिज्म तक बना रहे रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत वैश्विक पर्यटन के लिए भविष्य के ग्रोथ इंजन के तौर पर उभर रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय पर्यटकों ने विदेशी यात्राओं में अब तक 3.17 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह देखते हुए कि केवल 92 मिलियन भारतीयों के पास पासपोर्ट है और भारत अभी भी पूरे साउट ईस्ट एशिया से अधिक आउटबाउंड यात्रा करता है। इससे यह दुनिया में विशेषकर एशियाई देशों के लिए एक आवश्यक बाजार बन गया है।

भारतीय पर्यटकों को अन्य देश कैसे कर रहे हैं आकर्षित: अनुमान है कि 2040 तक भारतीय ट्रैवलर्स हर साल 80 से 90 मिलियन ट्रिप करेंगे, जिससे भारत आउटबाउंड ट्रैवल के लिए सबसे बड़ा सोर्स मार्केट बन जाएगा। इस बाजार का लाभ उठाने के लिए मलेशिया, श्रीलंका, सिंगापुर व अन्य एशियाई देश भारतीय पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसमें स्पोर्ट और एडवेंचर टूरिजम के साथ डेस्टिनेंशन वेडिंग, बॉलीवुड और टॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग के साथ फ्लाइंन और क्रूज पर्यटनों के लिए इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं।

भारतीयों के डेस्टिनेशन वेडिंग पर एशियाई देशों की नजर: विदेशी स्तर पर पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुंबई वन वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (ओटिएम) सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 60 देशों ने हिस्सा लिया। मलेशिया पर्यटन विभाग के चैयरमैन मनोहरन पेरियासामी ने बताया कि वर्मतान समय में भारत हमारे लिए एक आवश्यक पर्यटन बाजार है और हम इस बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत बनाने पर जोर दे रहे हैं। हम भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए पर्यटन स्थानों, स्पोर्ट और एडवेंचर टूरिजम के साथ डेस्टिनेंशन वेडिंग के लिए विशेष ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। क्योंकि भारतीय शादियां लगभग पांच दिन लंबी होती हैं और उनमें अधिक पैसा खर्च होता है। इसके लिए हम मलेशिया में ऐसे सुंदर और नए स्थानों का विस्तार कर रहे हैं, जो डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उपयुक्त हैं। हम एक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं, जो भारतीयों की शादी ब्याह की आवश्कताओं को पूरा करता है। इसमें मलेशिया पर्यटन विभाग और श्रीलंका पर्यटन विभाग दोनों ही भारतीय शादियों को संभालने के लिए एक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। जिसमें डेस्टिनेश वेडिंग के लिए मोहक जगहों का विस्तार किया जा रहा तो दूसरी ओर भारतीय पर्यटकों के लिए शुद्ध शाकाहारी खानों के लिए केटरिंग सर्विस तक शामिल है।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला रहेगा जारी : मुंबई। आईटी कंपनियों पर दबाव से घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह गिरावट देखी गई और अब आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर ग्लोबल सेंटीमेंट पर ज्यादा रहेगी। घरेलू स्तर पर अगले सप्ताह आयात-निर्यात के आंकड़े जारी होने हैं। इससे भी बाजार में निवेश धारणा प्रभावित हो सकती है। निवेशक ग्लोबल फैक्टर्स से संकेत लेकर अपनी रणनीति तय कर सकते हैं।

मुफ्त में एलपीजी सिलेंडर...: मुंबई। होली का त्योहार आने वाला है। इस त्योहारी माहौल में करोड़ों लोगों को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा। हालांकि, यह स्कीम दो राज्य- उत्तर प्रदेश और दिल्ली के लोगों के लिए है। इसका लाभ उन्हीं लोगों को मिलेगा जो इससे जुड़े सभी शर्तों को पूरा करते हैं। आइए इसके बारे में विस्तार से जान लेते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएम-उज्ज्वला) के तहत उत्तर प्रदेश की महिला लाभार्थियों को मुफ्त एलपीजी रिफिल दिया जाएगा, जिससे राज्य भर की 1.86 करोड़ महिलाओं को त्योहारों के दौरान राहत मिलेगी।

20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनी पर यूएई की कंपनी का आया दिल

मुंबई, एजेंसी। सॉफ्टवेयर और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी करने का विचार कर रही है। शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार कंपनी की अगली

सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज करीब 80 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आगामी 18 फरवरी को एक मीटिंग होगी। इसी मीटिंग में 80 करोड़ रुपये तक के स्ट्रेटेजिक इक्विटी इनवेस्टमेंट प्रोपोजल पर विचार किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, इससे कंपनी का पोस्ट-मनी वैल्यूएशन लगभग 400 करोड़ रुपये हो सकता है। यूएई की कंपनी खरीदेगी हिस्सेदारी उल्लेखनीय है कि संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी टूलेजर टेक्नोलॉजीज एफजेडई ने सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज में 20 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने में रुचि दिखाई है। उन्होंने इसके लिए एक गैर-बाध्यकारी लेटर ऑफ इंटेंट भी भेजा है। उस कंपनी से मिली राशि का इस्तेमाल कंपनी की बैलेंस शीट को मजबूत करने, विकास की पहलों को तेज करने और टेक्नोलॉजी-आधारित विस्तार की रणनीति को समर्थन देने के लिए किया जाएगा। कंपनी इस 20 प्रतिशत हिस्सेदारी को प्रेफरेंशियल बेसिस पर ऑफर बोर्ड मीटिंग में एक स्वतंत्र - रजिस्टर्ड वैल्युअर और प्रोफेशनल एडवाइजर्स की नियुक्ति पर भी विचार किया जाएगा। यह सुनिश्चित करेगा कि कंपनी का सही मूल्यांकन हो। सिल्वरलाइन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और याकिन जोशी का कहना है कि कंपनी टूलेजर टेक्नोलॉजीज एफजेडई से मिले एलओआई का मूल्यांकन कर रही है। उन्होंने कहा, यह प्रस्तावित लेनदेन शेयरधारकों के लिए लंबे समय तक वैल्यू बढ़ाने और कंपनी को स्केलेबल ग्रोथ के अगले चरण के लिए तैयार करने पर हमारे निरंतर फोकस को दर्शाता है। हाल ही में लॉन्च किए गए सिल्वर एआई को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। पहले ही हफ्ते में इसके 24,000 से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर्स हो गए हैं। यह दिखाता है कि कंपनी की नई टेक्नोलॉजी लोगों को पसंद आ रही है। यह फंड जुटाने का कदम कंपनी को और मजबूत बनाएगा और भविष्य में और भी बड़ी सफलता दिलाने में मदद करेगा।

यूएस डील ने बदला विदेशी निवेशकों का मूड, भारतीय बाजार में डाले 19675 करोड़

मुंबई, एजेंसी। एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे। कुल मिलाकर, 2025 में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है।

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार की ओर रुझान बढ़ा है। ऐसे निवेशकों ने फरवरी के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में 19,675 करोड़ रुपये डाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई का यह फ्लो लगातार तीन माह की भारी बिकवाली के बाद हुआ है। बता दें कि एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये निकाले थे। कुल मिलाकर, 2025 में एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) की निकासी की है। यह एफपीआई के फ्लो की दृष्टि से सबसे खराब वर्षों में रहा है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हाल की खरीदारी को वैश्विक वृहद चिंताओं में कमी, खासकर अमेरिका के नरम महंगाई आंकड़ों से समर्थन मिला है। इससे उन की भारत समेत उभरते बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बेहतर हुई है। इसी तरह की राय जताते हुए एंजेल वन के विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि यह फ्लो अमेरिका-भारत व्यापार करार, समर्थन देने वाले 2026-27 के आम बजट और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं में कमी की वजह से देखने को मिला है।

1374 करोड़ रुपये की बिकवाली-एफपीआई फरवरी माह के 11 कारोबारी सत्रों में से सात में खरीद रहे और चार सत्रों में बिकवाल रहे। इसके बावजूद आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने इस महीने शुद्ध रूप से 1,374 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। इसकी वजह यह है कि 13 फरवरी को निफ्टी में 336 अंक की गिरावट के दौरान एफपीआई ने 7,395 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस सप्ताह एंथ्रोपिक झटके की वजह से आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली।

भाई से मिला तोहफा बेच लगाया ठेला, मां के हुनर का किया इस्तेमाल

● अपने भाई-बहनों में सबसे छोटे ● अब हनी अपने स्टॉल से रोजाना 5,000 रुपये से 6,000 रुपये की बिक्री करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी 18 साल के हनी खान की है। वह लखनऊ के रहने वाले हैं। उनकी अब एक अलग पहचान बन गई है। लखनऊ यूनिवर्सिटी के बाहर वह इडली और मेंडू वड़ा बेचते हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने पिछले साल सितंबर से की थी। भाई से गिफ्ट में मिले प्लेस्टेशन को 14,000 रुपये में बेचकर उन्होंने इडली स्ट्रीट नाम का स्टॉल शुरू किया था। हनी की मां रजिया का हुनर इसमें बहुत काम आया। वह चेन्नई के रोयापुरम की रहने वाली हैं। दक्षिण भारतीय व्यंजन बहुत अच्छी तरह बनाती हैं। शादी के बाद वह 20 साल की उम्र में लखनऊ आ गई थीं। अब हनी अपने स्टॉल से रोजाना 5,000 रुपये से 6,000 रुपये की बिक्री करते हैं। उनकी इडली और मेंडू वड़ा हाथों-हाथ बिकते हैं। आइए, यहां हनी खान की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। चार भाइयों और एक बहन में शहजाद खान उर्फ हनी खान सबसे छोटे

हैं। ऐशबाग में एक साधारण दो बेडरूम के किराए के अपार्टमेंट में रहते हैं। उनके दूसरे भाई खाड़ी देशों में काम करते हैं। बहन हरियाणा में रहती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के बाहर इडली और मेंडू वड़ा बेचकर हनी हर महीने चोखी कमाई कर रहे हैं। उन्होंने सितंबर 2025 में इडली स्ट्रीट की शुरुआत की थी। अपनी मां के दक्षिण भारतीय व्यंजनों को बनाने में महारत का फायदा उठाकर उन्होंने इस स्टॉल को शुरू किया था। हनी की मां रजिया खान शादी के बाद 20 साल की उम्र में लखनऊ आ गई थीं। वह मूल रूप से चेन्नई के रोयापुरम की रहने वाली हैं। वहीं उन्होंने दक्षिण भारतीय व्यंजन बनाने सीखे। हनी को अपने बड़े भाई से गिफ्ट में मिला था। इसे 14,000 रुपये में बेचकर उन्होंने 2,500 रुपये का एक मेटल बॉक्स खरीदा। उसमें इडली और मेदू वड़ा रखकर लखनऊ विश्वविद्यालय के बाहर बेचना शुरू किया।

दुनिया के टॉप 10 रईसों में आए तीन भाई-बहन, देशों की जीडीपी से ज्यादा है परिवार की दौलत

वॉरेन बफे और स्टीव बालमर जैसे दिग्गज टॉप 10 से बाहर हो चुके हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के टॉप रईसों की लिस्ट में हाल में काफी उलटफेर देखने को मिला है। वॉरेन बफे और स्टीव बालमर जैसे दिग्गज टॉप 10 से बाहर हो चुके हैं जबकि एक ही परिवार के तीन भाई-बहनों ने इसमें जगह बनाई है। इनमें जिम वॉल्टन, उनके भाई बॉब वॉल्टन और बहन एलिस वॉल्टन शामिल हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स में जिम आठवें, बॉब नौवें और एलिस दसवें नंबर पर शामिल हैं। एलिस दुनिया की सबसे रईस महिला अरबपति हैं। इन तीनों का संबंध वॉल्टन परिवार से है जो रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी वॉलमार्ट की प्रमोटर फैमिली है। इस परिवार के दो अन्य सदस्यों को भी दुनिया को टॉप 100 रईसों में जगह मिली है।

वॉल्टन फैमिली को दुनिया का सबसे रईस परिवार माना जाता है। वॉलमार्ट में वॉल्टन परिवार की 47 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस कंपनी की स्थापना साल 1962 में सैम वॉल्टन ने की थी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक सैम वॉल्टन के बेटे जिम वॉल्टन 158 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में आठवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 21.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। उनके भाई रॉब वॉल्टन 154 अरब की नेटवर्थ के साथ नौवें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 20.7

अरब डॉलर बढ़ी है। जिम और बॉब की बहन एलिस वॉल्टन 154 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 21 अरब डॉलर की तेजी आई है। सैम वॉल्टन के एक बेटे जॉन वॉल्टन की मौत हो चुकी है। उनके पुत्र लुकास वॉल्टन की नेटवर्थ 53.9 अरब है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 33वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की विधवा क्रिस्टी वॉल्टन 25.4 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 100वें नंबर पर हैं। जॉन वॉल्टन की 2005 में एक हवाई हादसे में मौत हो गई थी। इससे क्रिस्टी वॉल्टन को वॉलमार्ट में करीब 2 प्रतिशत हिस्सेदारी मिली थी। टॉप 100 रईसों में शामिल वॉल्टन परिवार के पांच सदस्यों की कुल नेटवर्थ 545 अरब डॉलर है जो ग्रीस, हंगरी और ईरान जैसे कई देशों की जीडीपी से ज्यादा है। वॉलमार्ट के दुनिया के 19 देशों में 10,500 से अधिक स्टोर हैं। वॉल्टन का बिजनेस पूरी तरह डिस्काउंट कल्चर पर आधारित था और यही वजह है कि मंदी के दौरान भी इसका स्टॉक हमेशा तेजी में रहा।

आत्मनिर्भर नहीं, डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने की बात करती है, वह अब ट्रंप पर निर्भर होती नजर आ रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार ने भारत की विदेश और आर्थिक नीतियों को अमेरिका के साथ संरेखित करने पर सहमति जताई है, जो देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कार्यकारी आदेशों का हवाला देते हुए संकेत दिया गया है कि यदि भारत रूसी तेल की खरीद जारी रखता है तो 25 प्रतिशत का दंडात्मक टैरिफ फिर से लगाया जा सकता है। सेवा तीर्थ पर क्या बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन-1 और 2 के

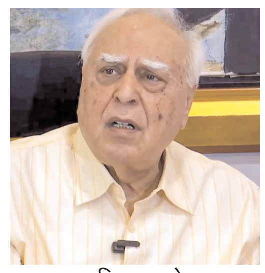

उद्घाटन का जिक्र करते हुए सिब्बल ने सवाल किया कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री ने देश के प्रति कौन सा कर्तव्य निभाया है। उन्होंने कहा कि इमारतें बनाना अच्छी बात है, लेकिन शासन और नीतियों पर जवाबदेही भी जरूरी है। सिब्बल ने यह भी दावा किया कि सरकार ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान और सेवाएं खरीदने पर सहमति जताई है और इस पूरे समझौते पर प्रधानमंत्री को संसद में आकर स्पष्ट बयान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी चुनाव जीतना जानती है।

प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते आ रहे हैं 3 कंपनियों के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइमरी मार्केट में इस हफ्ते तीन कंपनियों के आईपीओ खुल रहे हैं। इन तीन कंपनियों के आईपीओ में दो एसएमई सेगमेंट के हैं। वहीं, एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। आइए एक-एक करके जानते हैं इन कंपनियों के विषय में ...

कंपनी के आईपीओ का साइज 49 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 23 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। यह इश्यू पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। आईपीओ 16 फरवरी से 18 फरवरी तक खुला रहेगा। कंपनी ने 205 रुपये से 216 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। वहीं, लॉट साइज 600 शेयरों का बनाया है। रिटेल निवेशकों को कम से कम 1200 शेयरों पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से मिनिमम इन्वेस्टमेंट वैल्यू 259200 रुपये है।

ग्रे मार्केट में यह आईपीओ 4 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। इन्वेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी के आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 6 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, सबसे कम जीएमपी जीरो रुपये है। यह आईपीओ 18 फरवरी को खुलेगा। कंपनी का आईपीओ 20 फरवरी तक ओपन रहेगा। कंपनी ने 110 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। वहीं,

लॉट साइज 1200 शेयरों का बनाया गया है। रिटेल निवेशकों को कम से कम 2400 शेयरों पर दांव लगाना होगा। मिनिमम इन्वेस्टमेंट वैल्यू 264000 रुपये है। इस आईपीओ का साइज 88.88 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 81 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी।

गौडियम आईवीएफ और महिला स्वास्थ्य आईपीओ

इस हफ्ते के आखिरी में यह आईपीओ खुलेगा। निवेशकों के पास 20 फरवरी से 24 फरवरी तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका रहेगा। यह मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। आईपीओ के जरिए कंपनी 2.09 करोड़ शेयर जारी करेगी। इसमें 1.14 करोड़ शेयर फ्रेश इश्यू के जरिए जारी होंगे।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में स्टार्टअप्स के दिन लद गए

पुरानी कंपनियों ने जमाया कब्जा, लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक टूव्हीलर को भारत में लोकप्रिय करने का श्रेय भले ही स्टार्टअप्स को जाता हो। लेकिन अब वे ग्राहकों की चित्त से उतर रहे हैं। जी हां, भारत के ई 2व्हीलर बाज़ार में एक बड़ा बदलाव आया है। इस साल से पहले तक स्टार्टअप्स का भले ही दबदबा रहा हो, लेकिन अब पुरानी और जानी-मानी कंपनियां इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में आगे बढ़ रही हैं।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 तक, टीवीएस मोटर, बजाज ऑटो और हीरो मोटोकॉर्प जैसी बड़ी कंपनियों ने इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार का 60 प्रतिशत हिस्सा अपने कब्ज़े में ले लिया है। यह आंकड़ा 2023 में सिर्फ 34 प्रतिशत था। ऑटोमोटिव मार्केट रिसर्च फर्म जाटो डायनेमिक्स के मुताबिक, यह एक बड़ा बदलाव है। इस रिपोर्ट के मुताबिक यह बदलाव पिछले एक साल में तेजी से हुआ है। स्टार्टअप्स ने भले ही इस बाज़ार की शुरुआत की और शुरुआती खरीदारों को आकर्षित किया। लेकिन अब पुरानी कंपनियां अपने बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, बिक्री के बाद की सर्विस और सही समय पर नए मॉडल लॉन्च करके आम ग्राहकों को जीत रही हैं। पहले से जमा-जमाया नाम भी है इन कंपनियों का। तभी तो इनका भरोसा ईवी में भी सामने

आ रहा है ऐसा क्यों हुआ, इस पर एक इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने कहा, शुरुआती दौर में सबसे पहले आना मायने रखता था। अब लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ज़्यादा ज़रूरी है। उन्होंने आगे कहा, पुरानी कंपनियों ने इंतज़ार किया, अपनी सप्लाई चेन और डीलरों को तैयार किया, और अब वे सही समय पर अपने प्रोडक्शन को बढ़ा रही हैं। बड़ा फायदा किस कंपनी को

रिपोर्ट के मुताबिक टीवीएस मोटर इस बदलाव का एक बड़ा फायदा उठाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। उनकी इलेक्ट्रिक व्हीकल की रणनीति में शामिल है- लगातार प्रोडक्शन बढ़ाना और प्रोडक्ट्स की रेंज को वाइड करना शामिल है। इससे वे अलग-अलग तरह के ग्राहकों को आकर्षित कर पा रहे हैं। कंपनी के क्यू3 एफवाय26 नतीजों के बाद, टीवीएस मोटर ह के सीईओ और डायरेक्टर, के.एन. राधाकृष्णन ने बताया कि उनके फ्लैगशिप आईक्यूब और नए लॉन्च हुए ऑर्बिटर , जो अलग तरह के खरीदारों को टारगेट करता है, दोनों की मांग बहुत अच्छी है। तभी तो दिसंबर 2025 की तिमाही में, कंपनी ने पहली बार एक लाख (100,000) से ज़्यादा इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे। यह तब हुआ जब साल की शुरुआत में प्रोडक्शन में कुछ दिक्कतें थीं। विश्लेषकों का कहना है कि यह टीवीएस की डिस्ट्रीब्यूशन पहुंच का फायदा दिखाता है, जब प्रोडक्शन बड़े पैमाने पर होता है।

बजाज ऑटो बजाज ऑटो ने भी बैटरी पैक की सप्लाई की शुरुआती दिक्कतों को दूर करने के बाद ज़बरदस्त वापसी की है। इससे पहले तो बैटरी पैक की वजह से प्रोडक्शन को धीमा कर रही थीं। प्रोडक्शन बढ़ने के साथ, दिसंबर की तिमाही में बिक्री तेज़ी से बढ़ी। तभी तो बजाज ऑटो ने इलेक्ट्रिक स्कूटर बाज़ार में दूसरा स्थान फिर से हासिल कर लिया। कंपनी ने रेंज को एक नए एंट्री-लेवल वेरिएंट के साथ बढ़ाया है, जो युवा खरीदारों और महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इससे इसकी पहुंच बढ़ी है और विश्वसनीयता और वैल्यू पर इसका ज़ोर और मज़बूत हुआ है। इस समय स्टार्टअप्स के लिए ग्रोथ की राहें अब ज़्यादा अलग-अलग हो रही हैं। हालांकि, एथर एनर्जी ने अपना रिज्टा स्कूटर की बढ़ती मांग और बेहतर ऑपरेटिंग परफॉरमेंस के कारण दिसंबर की तिमाही में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन ओला इलेक्ट्रिक के मार्केट शेयर में बड़ी गिरावट आई है। ज़्यादा प्रतिस्पर्धी बाज़ार में बढ़ती हुई मुश्किलों से अब कंपनी को दो-चार होना पड़ रहा है।

भारतीय पर्यटकों पर दुनिया की नजर डेस्टिनेशन वेडिंग से एडवेंचर टूरिज्म तक बना रहे रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत वैश्विक पर्यटन के लिए भविष्य के ग्रोथ इंजन के तौर पर उभर रहा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय पर्यटकों ने विदेशी यात्राओं में अब तक 3.17 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह देखते हुए कि केवल 92 मिलियन भारतीयों के पास पासपोर्ट है और भारत अभी भी पूरे साउट ईस्ट एशिया से अधिक आउटबाउंड यात्रा करता है। इससे यह दुनिया में विशेषकर एशियाई देशों के लिए एक आवश्यक बाजार बन गया है।

भारतीय पर्यटकों को अन्य देश कैसे कर रहे हैं आकर्षित: अनुमान है कि 2040 तक भारतीय ट्रैवलर्स हर साल 80 से 90 मिलियन ट्रिप करेंगे, जिससे भारत आउटबाउंड ट्रैवल के लिए सबसे बड़ा सोर्स मार्केट बन जाएगा। इस बाजार का लाभ उठाने के लिए मलेशिया, श्रीलंका, सिंगापुर व अन्य एशियाई देश भारतीय पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसमें स्पोर्ट और एडवेंचर टूरिजम के साथ डेस्टिनेंशन वेडिंग, बॉलीवुड और टॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग के साथ फ्लाइंग और क्रूज पर्यटनों के लिए इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं।

भारतीयों के डेस्टिनेशन वेडिंग पर एशियाई देशों की नजर: विदेशी स्तर पर पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुंबई वन वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (ओटिएम) सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 60 देशों ने हिस्सा लिया। मलेशिया पर्यटन विभाग के चैयरमैन मनोहरन पेरियासामी ने बताया कि वर्मतान समय में भारत हमारे लिए एक आवश्यक पर्यटन बाजार है और हम इस बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत बनाने पर जोर दे रहे हैं। हम भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नए पर्यटन स्थानों, स्पोर्ट और एडवेंचर टूरिजम के साथ डेस्टिनेंशन वेडिंग के लिए विशेष ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। क्योंकि भारतीय शादियां लगभग पांच दिन लंबी होती हैं और उनमें अधिक पैसा खर्च होता है। इसके लिए हम मलेशिया में ऐसे सुंदर और नए स्थानों का विस्तार कर रहे हैं, जो डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उपयुक्त हैं। हम एक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं, जो भारतीयों की शादी ब्याह की आवश्कताओं को पूरा करता है। इसमें मलेशिया पर्यटन विभाग और श्रीलंका पर्यटन विभाग दोनों ही भारतीय शादियों को संभालने के लिए एक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं। जिसमें डेस्टिनेश वेडिंग के लिए मोहक जगहों का विस्तार किया जा रहा तो दूसरी ओर भारतीय पर्यटकों के लिए शुद्ध शाकाहारी खानों के लिए केटरिंग सर्विस तक शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

पिता ने ढाई साल के बेटे को 1 लाख रुपये में बेचा

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा पुलिस ने शनिवार को ढाई साल के एक बच्चे को बचाया, जिसे उसके पिता ने एक व्यक्ति को 1 लाख रुपये में बेच दिया था। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी पिता और खरीदने वाले व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। नीलगिरी अधिसूचित क्षेत्र परिषद के अंतर्गत बारिसाही गांव की यह घटना तब सामने आई, जब एक वायरल वीडियो में पिता को संभावित खरीदार के साथ सौदेबाजी करते हुए दिखाया गया है। इसके बाद एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता ने नीलगिरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। वायरल वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। नीलगिरी के उपमंडल पुलिस अधिकारी प्रमोद कुमार मलिक ने कहा, 'बच्चे को चिमिनीभाटी क्षेत्र से बचाया गया और उसे बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया। आगे की जांच जारी है।' उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने पिता की पहचान पेशे से राजमिस्त्री राकेश कुमार बेहेरा उर्फ कुआ के रूप में की है जिसने कथित तौर पर पहली किस्त के रूप में 50,000 रुपये प्राप्त किए थे। राकेश कुमार बेहेरा ने आर्थिक तंगी को इस कदम का कारण बताया। उसने पत्रकारों को बताया, 'हमारे चार बच्चे हैं और हमें उनका पालन–पोषण करने में कठिनाई हो रही है। एक परिचित व्यक्ति ने खरीदार का इंतजाम किया और मैंने बच्चे को उसे सौंप दिया।' पुलिस सूत्रों के अनुसार, बेहेरा ने दो बार शादी की थी और जिस बच्चे को कथित तौर पर बेचा गया था वह उससे अलग रह रही उसकी दूसरी पत्नी का है। ओडिशा के गंजाम जिले में शनिवार को चोरी के संदेह में एक व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना जिले के भंजनगर पुलिस थाना क्षेत्र के सरदुला गांव में हुई। मृतक की पहचान 37 वर्षीय बनधर प्रधान के रूप में हुई है, जो कंधमाल जिले के जी. उदयगिरि पुलिस थाना क्षेत्र के कुरुमिंगिया गांव का निवासी था। अपर पुलिस अधीक्षक रंजन कुमार डे ने बताया, 'प्रधान को शनिवार तड़के बचाया गया और भंजनगर के उप–मंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' प्रधान और दो अन्य लोग सरदुला निवासी सुशांत गौड़ा के बंद घर में लूटपाट में शामिल थे। उसने बताया कि भागते समय प्रधान गिर गया और उसका पैर टूट गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने उसकी बिजली के खंभे से बांधकर पिटाई की।

बीएलओ ने अपनी प्रेमिका के पति की कर दी हत्या

परगना, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ने अपनी प्रेमिका के पति की हत्या कर दी। आरोपी रिजवान हसन मंडल का 30 वर्षीय नासिर अली की पत्नी से अवैध संबंध था। नासिर अली बदुरिया क्षेत्र के निवासी थे। रिजवान ने विशेष गहन संशोधन (स्ढ्ढ्र) के बहाने नासिर को सोमवार शाम को एक सुनसान जगह पर बुलाया। उसने नासिर को स्ढ्ढ्रसे संबंधित चर्चा के लिए आमंत्रित किया, लेकिन यह सब एक सुनियोजित साजिश थी। पुलिस जांच में पता चला कि रिजवान ने प्रेम संबंध को छिपाने और बाधा हटाने के लिए यह कदम उठाया। घटना के अनुसार, सुनसान स्थान पर पहुंचते ही रिजवान ने नासिर की हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपने साथी सागर की मदद ली। दोनों ने मिलकर शव को टुकड़ों में काटा और उसे तीन अलग–अलग हिस्सों में बांटकर बदुरिया की नहर में फेंक दिया। शव के सिर सहित कई हिस्से अभी भी बरामद नहीं हुए हैं, जिससे जांच में जटिलता आई। मंगलवार को नासिर के परिवार ने उनकी गुमशुदगी की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और रिजवान के फोन कॉल रिकॉर्ड्स, लोकेशन डेटा तथा अन्य सबूतों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान रिजवान और सागर पर शक हुआ, क्योंकि रिजवान ने ही नासिर को बुलाया था। नहर से शव के कई अंग बरामद शुक्रवार को पुलिस ने नहर से शव के कई अंग बरामद किए, जिसके बाद मामला सुलझने लगा। पूछताछ में रिजवान ने अपराध कबूल कर लिया। पुलिस ने उसे हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया, जबकि सागर को हत्या में सहायता, शव को काटने और निपटाने के आरोप में पकड़ा गया। दोनों आरोपी अब न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस ने घटनास्थल से अन्य सबूत भी जुटाए हैं, जैसे हथियार और अन्य सामग्री। इस क्रूर हत्या ने इलाके में भय और आक्रोश फैला दिया है।

टीपू सुल्तान की अंगूठी पर लिखा था राम: ओवैसी

हैदराबाद, एजेंसी। महाराष्ट्र में कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने 18वीं सदी के सुल्तान टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से कर दी थी। इसको लेकर विवाद गहराता ही जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सपकाल की टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया तो वहीं एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने बीजेपी पर करारा हमला किया है। उन्होंने कहा कि टीपू सुल्तान हिंदू-मुस्लिम एकता के मिसाल थे। ओवैसी ने कहा, 1799 में टीपू सुल्तान की शहादत हुई। अंग्रेजों से लड़कर टीपू की शहादत हुई। टीपू ने जेल में बैठकर तुम्हारे वीर (वीर सावरकर) की तरह अंग्रेजों को लव लेचर नहीं लिखा। टीपू सुल्तान अपने मुल्क को अंग्रेजों से आजाद कराने के लिए शहीद हो गया। अंग्रेजों को टीपू से इतना डर था कि डेढ़ घंटे तक टीपू की लाश पड़ी रही, अंग्रेजों के फौज के घेरों में लाश थी लेकिन डर रहे थे कि शेर उठ गया तो क्या होगा। जाकर देखा तो टीपू का शरीर गर्म था।

अंगूठी पर लिखा था राम: उन्होंने कहा, देवेंद्र फडणवीस साहब, क्या यह बात सच नहीं है कि टीपू के पास से जो अंगूठी निकली उसपर राम लिखा हुआ था। 2014 में बर्सानिया में इसकी नीलामी हुई थी। क्या यह बात झूठ है कि एपीजे अब्दुल कलाम ने अपनी किताब विंग्स ऑफ फायर ने लिखा, कि रॉकेट टेक्नॉलजी के जरिए टीपू के ख्वाबों को पूरा कर रहे हैं। एपीजे अब्दुल कलाम तो आपके लिए ज्यादा आदर्श हैं। ओवैसी ने कहा, यह भी ना मानो तो गांधी को तो मानते होगे। उन्होंने अपनी मैगजीन 'यंग एज' में लिखा कि टीपू सुल्तान हिंदू मुस्लिम एकता के समर्थक थे। श्रृंगेरी मठ से फौज ने सोने की मूर्ति उठा ली तब टीपू सुल्तान ने इसका निर्माण करवाया। टीपू सुल्तान बादशाह था। हर बादशाह को सिर्फ अपनी ताकत से मतलब रहता था। लेकिन तथ्यों को गलत तरीके से पेश नहीं कनरा चाहिए। टीपू सुल्तान की फौज के कमांडर अप्पाजी राम थे। उनके सलाहकार कृष्णा राव थे। बीजेपी केवल नफरत पैदा करना चाहती है। भारत की पहली संविधान की किताब में टीपू की फोटो है।

बता दें कि बुलढाणा में संवाददाताओं से मुखातिब सपकाल ने मालेगांव महानगरपालिका की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान का चित्र लगाए जाने को लेकर हुए विवाद पर बात की, जिसका क्षेत्र के शिवसेना पार्षदों और हिंदू संगठनों ने विरोध किया था। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि यह तुलना निंदनीय है और कांग्रेस नेता को खुद पर शर्म आनी चाहिए।

उन्होंने नागपुर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'महाराष्ट्र इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। सपकाल को छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए और उसके सहयोगी दलों को सपकाल की टिप्पणी पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। '

महाराष्ट्र कांग्रेस चीफ ने शिवाजी महाराज से की टीपू सुल्तान की तुलना, भाजपा भड़की

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मैसूर के टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना को लेकर बवाल हो गया है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की मैसूर के 18वीं शताब्दी के शासक टीपू सुल्तान को छत्रपति शिवाजी महाराज के 'समकक्ष' बताया, जिस पर सत्ताधारी भाजपा भड़क गई है। पुणे में इसे लेकर सपकाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया है। इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी सकपाल को आड़े हाथों लिया, उन्होंने कहा कि यह तुलना निंदनीय है और कांग्रेस नेता को खुद पर शर्म आनी चाहिए। महाराष्ट्र की राजनीति में टीपू सुल्तान की चर्चा हाल में तब शुरू हो गई थी, जब मालेगांव के डिप्टी मेयर निहाल अहमद ने अपने कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाई थी। इस तस्वीर को लेकर शिवसेना पार्षदों और स्थानीय हिंदूवादी संगठनों ने जमकर विरोध किया था। इस पर जब मीडिया सकपाल से उनका जवाब मांगने पहुंची और तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता और 'स्वराज' के विचार को पेश करने के उनके तरीके का जिक्र करते हुए

टीपू सुल्तान के अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध का आह्वान करने का उदाहरण दिया और दावा किया कि यह लड़ाई शिवाजी महाराज के आदर्श की तर्ज पर थी। सपकाल ने कहा, 'इस तरह टीपू सुल्तान एक योद्धा और भारत के भूमिपुत्र के रूप में उभरे। उन्होंने कभी भी जहरीली विचारधाराओं को नहीं अपनाया। हमें टीपू सुल्तान को वीरता के प्रतीक के रूप में शिवाजी महाराज के समकक्ष मानना चाहिए। ' सकपाल के इस बयान के बाद राज्य में राजनैतिक विवाद शुरू हो गया।

फ्लाईओवर के पास हादसा

बस से टकराई तेज रफ्तार कार, 5 लोगों की मौत

बेंगलुरु , एजेंसी। बेंगलुरु के जिंदल फ्लाईओवर के पास शनिवार देर रात भयानक सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रही कार अनियंत्रित होकर पहले रोड डिवाइडर से टकराई और फिर पलटते हुए सामने से आ रही कर्नाटक स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन बस से जोरदार भिड़ंत कर दी। यह दुर्घटना लगभग 11:30 बजे के करीब हुई, जब रात का ट्रैफिक थोड़ा कम था, लेकिन तेज रफ्तार के चलते हादसा हो गया। दुर्घटना स्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विपरीत दिशा में आ रही बस में कुल लगभग 40 से अधिक यात्री सवार थे, लेकिन कार की गंभीर टक्कर के कारण मौके पर पांच लोगों की मौत हुई और कई बस सवार यात्रियों को मामूली चोटें आईं। मृतकों की पहचान अभी तक पूरी तरह से नहीं हो पाई है, लेकिन शुरुआती घटनाओं के अनुसार उनमें से कुछ डोड्डाबल्लापुर के निवासी युवा थे। पुलिस ने बताया कि हादसे की प्राथमिक वजह तेज गति और नियंत्रण खो देना माना जा रहा है। कर्नाटक पुलिस ने घटनास्थल पर फैली तबाही को देखकर कहा कि यह दुर्घटना एक चेतावनी है कि सड़कों पर और वाहन चालकों के लिए गति नियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है। बेंगलुरु पुलिस और आपातकालीन सेवाएं तेजी से मौके पर पहुंचीं और घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। साथ ही मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की पहचान व परिवार को सूचना देने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कार चालक ने डिवाइडर से टकराने के बाद नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया।

आगरा में टला बड़ा हादसा; मेट्रो की क्रेन गिरी, मकान और दुकान ध्वस्त, बाल–बाल बचा परिवार

आगरा, एजेंसी। ताजनगरी आगरा में मेट्रो निर्माण के दौरान शनिवार तड़के बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रतापपुरा चौराहे के पास खुदाई कर रही मेट्रो की 25 फीट ऊंची पाइलिंग रिग (क्रेन) अचानक जमीन धंसने से एक ओर जा गिरी। बीयर शाप क्षतिग्रस्त हो गई, उसके ऊपर बना कमरा ध्वस्त हो गया। पुलिस और मेट्रो के अधिकारियों ने तत्काल इस रास्ते को बंद करा दिया। थाना सदर में प्रतापपुरा चौराहे के पास देवीराम स्वीट्स की दुकान है। यहां मेट्रो का एलीवेटेड ट्रैक बनाने का काम चल रहा है। पिलर के लिए जमीन खोदने को पाइलिंग रिंग का प्रयोग हो रहा है। अचानक सड़क का हिस्सा धंस गया।

अचानक गिर गई मेट्रो की क्रेन

जमीन धंसते ही वहां खड़ी करीब 25 फीट की ड्रिल मशीन का संतुलन बिगड़ गया। उसकी शाफ्ट बेकाबू होकर करीब स्थित बीयर शान की छत पर बन कमरे पर गिर गई। छत पर बना कमरा पूरी तरह मलबे में बदल गया। साथ ही बीयर दुकान की छत भी क्षतिग्रस्त हो गई। छत पर रखी पानी की टंकी टूट गई। अचानक हुए धमाके से आसपास के घरों में सो रहे लोग जाग गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और मेट्रो के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी गई। मशीन को क्रेन से भी हटाया गया। प्रशासन और दूसरी एजेंसियां जमीन धंसने के कारणों की जांच कर रही हैं। फिलहाल हालात काबू में हैं और निर्माण स्थल पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पाइलिंग रिग (क्रेन) दरअसल युद्ध में प्रयोग होने वाले टैंक की तरह होती है। इसकी निचला हिस्सा बेहद भारी होता है। मशीन के आगे लगा ड्रिल बट मिट्टी को काटता है। यह लोहे की चेन से ऊपर-नीचे जाता है। आम तौर पर मेट्रो के पिलर के लिए 15 से 40 मीटर

गहराई तक खुदाई की जाती है। दूसरे शब्दों में जब तक जमीन के नीचे मजबूत चट्टानी परत न मिल जाए, खुदाई होती रहती है। इसी चट्टानी परत पर मेट्रो के पिलर को टिकाया जाता है। बेस के लिए करीब 100 फुट चौड़ा गहरा गड्ढा बनाया बनाया जाता है। इसी तल पर लोहे की सरिया, कांक्रीट से मजबूत जाल बनाया जाता है। इसके ऊपर पिलर खड़ा किया जाता है।

मशीन प्रभुकांत नागर के मकान पर गिरी थी। उनके घर में आगे की तरफ शराब का ठेका और पीछे की ओर परिवार रहता है। मशीन ठेके की छत पर गिरी। मकान के पिछले हिस्से में सोते हुए लोग तेज धमाके और कंपन से जागकर बाहर आ गए। बाहर देखा तो होश उड़ गए। ठेके पर बना कमरा ध्वस्त हो चुका था। दुकान की छत भी टूट गई थी। मशीन की ऊंचाई ज्यादा होती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। एमजी रोड, माल रोड, फतेहाबाद रोड, सिकंदरा रोड, रामबाग से कालिंदी विहार रोड पर इसी तरह की तमाम मशीनें लगी हैं। सड़कों के बीचोंबीच काम चल रहा है। दोनों ओर से ट्रैफिक भी आता-जाता है। इनमें बसें, कारें, दोपहिया, आटो जैसे वाहन चल रहे हैं। सोचिए कि दिन में अगर ऐसे स्थानों पर मशीन गिर जाए तो क्या होगा। मेट्रो कार्पोरेशन के सुरक्षा संबंधी दावों पर फिर सवाल लगा दिए हैं। मेट्रो रेल कार्पोरेशन का कहना है कि सड़क के नीचे छोटे-छोटे गड्ढे हैं। जब जांच कराई गई तो सड़क के नीचे मलबा और राख निकली है। सड़क की भराई ठीक नहीं की गई। मेट्रो का कहना है कि कानपुर, लखनऊ में इस तरह की दिक्कत नहीं आई है। यह पहला मामला है जबकि सड़क धंस गई। हालांकि अब पाइलिंग पूरी हो गई है। पिलर के लिए गहरे गड्ढों की खुदाई करने के लिए पूरे शहर में 17 पाइलिंग रिग लगाई गई हैं। जहां निर्माण तेजी से करना होता है वहां इनकी संख्या बढ़ा दी जाती है। काम करने वाली कंपनी मशीन को किराए पर लेती रहती हैं। इस समय सभी निर्माण स्थलों पर कुल 12 मशीन काम कर रही हैं। मेट्रो के मुताबिक पिलर खुदाई का काम लगभग खत्म हो गया है।

बांग्लादेश में नए पीएम का शपथ ग्रहण, भारत के अलावा12 देशों को भेजा गया है न्योता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के आम चुनवाों में बीएनपी को बड़ी जीत मिलने के बाद प्रधानमंत्री समेत पूरे मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण 17 फरवरी को होने जा रहा है। इस समारोह का दिलचस्प पहलू यह है कि यह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है जबकि अभी तक शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित होते रहे हैं। समाचारपत्र 'प्रोथोम आलो' और 'इत्तेफाक' में प्रकाशित खबर के अनुसार, समारोह के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन नव-निर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाएंगे, जबकि संविधान के अनुसार यह शपथ अध्यक्ष शिरीन शरमिन चौधरी द्वारा दिलाई जानी चाहिए। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत-पाकिस्तान समेत 13 देशों को न्योता भेजा गया है। इनमें चीन, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं। बीएनपी चीफ तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें कि बांग्लादेश ने भारत को न्योता भेजा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ढाका जाना असंभव ही है। 17 तारीख को ही प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पूर्व निर्धारित बैठक होने वाली है। ऐसे में किसी प्रतिनिधि को ढाका भेजा जा सकता है। बीएनपी ने कहा, 'बांग्लादेश अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशिता और प्रगतिशील विकास को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता और अपने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के प्रति साझा प्रतिबद्धता के मार्गदर्शन में, भारत के साथ रचनात्मक रूप से जुड़कर अपने बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।' तारिक रहमान के एक प्रमुख सहयोगी ने नाम न उजागर की शर्त पर बताया कि मौजूदा परिस्थितियों ने मामलों को थोड़ा जटिल बना दिया है।

● अर्धसैनिक बल ने किए अत्याचार: यूएन की रिपोर्ट

अल-फाशेर में तीन दिन तक हिंसा में मारे गए 6000 से अधिक लोग

काहिरा, एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र में एक अर्धसैनिक समूह ने अक्तूबर के अंत में तीन दिनों तक अत्यधिक हिंसा की। इसकी भयावहता और क्रूरता हैरान करने वाली थी। इस हिंसा में छह हजार से अधिक लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने यह जानकारी दी है। यूएन का कहना है कि सूडान के अल-फाशेर में रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के हमले में तीन दिनों में कम से कम छह हजार लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने शुक्रवार को रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि अल-फाशेर शहर पर कब्जा करने के लिए हमले में आरएसएफ बड़े पैमाने पर ऐसे अत्याचारों में

शामिल था, जो युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराधों की श्रेणी में आते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा, अल-फाशेर पर आखिरी हमले में आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब मिलिशिया की ओर से किए गए मनमाने अपरा दिखाते हैं कि अपराध के लिए सजा न देने से हिंसा के निरंतर चक्र को बढ़ावा मिलता है। आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब समूहों ने 26 अक्तूबर को अल-फाशेर पर कब्जा कर लिया था। इन अरब समूहों को जनजावीद कहा जाता है। अल-फाशेर दारफुर में सूडानी सेना का आखिरी किला था। 18 महीनों की घेराबंदी के बाद आरएसएफ ने शहर और आसपास के इलाकों में लूटपाट की और जमकर हिंसा फैलाई।

आरोप- पुतिन ने अपने विरोधी को एपिबैटिडीन जहर देकर मारा, इससे पहले लकवा फिर दर्दनाक मौत होती है

मॉस्को, एजेंसी। यूरोप के पांच देशों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनके विरोधी एलेक्सी नवलनी को 'एपिबैटिडीन जहर' देकर मारने का आरोप लगाया है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड ने कहा है कि यूरोप की लैब में नवलनी के शरीर के नमूनों की जांच में एपिबैटिडीन पाया गया। ये जहर रूस में प्राकृतिक रूप से नहीं मिलता।

इन देशों ने कहा कि रूस के पास यह जहर देने के साधन, मकसद और मौका तीनों थे। उन्होंने रूस के खिलाफ केमिकल वेपन्स कन्वेंशन के उल्लंघन की शिकायत करने की बात कही है।

नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक, ये जहर दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों की त्वचा में मिलता है। यह जहर पहले शरीर को लकवाग्रस्त करता है, फिर सांस लेने में दिक्कत पैदा करता है और आखिर में दर्दनाक मौत हो सकती है। डार्ट मेंढक करीब दो इंच लंबे होते हैं, लेकिन उनके शरीर में इतना जहर होता है कि वह लगभग 10 वयस्क लोगों को मार सकता है। इन मेंढकों की त्वचा से निकाले जाने वाले जहर को एपिबैटिडीन कहा जाता है। यह एक न्यूरोटॉक्सिन है, यानी ऐसा जहर जो सीधे नर्व सिस्टम पर असर करता है। इसे एक रासायनिक हथियार के रूप में भी जाना जाता है। डार्ट मेंढक का जहर धरती के सबसे घातक जहरों में गिना जाता है।

यह मॉर्फीन से लगभग 200 गुना ज्यादा ताकतवर है। इससे शरीर को लकवा मार सकता है, सांस लेने में गंभीर दिक्कत पैदा हो सकती है और दर्दनाक मौत होती है। वैसे तो एपिबैटिडीन मेंढकों में प्राकृतिक रूप से मिलता है, लेकिन इसे लैब में भी बनाया जा सकता है। यूरोपीय वैज्ञानिकों को शक है कि इस मामले में इसे लैब में तैयार किया गया था। नवलनी की

16 फरवरी 2024 को आर्कटिक की एक जेल में मौत हो गई थी, वो यहां 19 साल की सजा काट रहे थे। वे सरकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते थे और विरोध प्रदर्शन करते थे। ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि रूस नवलनी को खतरे के रूप में देखता था और इस तरह का जहर इस्तेमाल कर उसने दिखाया कि वह राजनीतिक विरोध से कितना डरता है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि पुतिन सत्ता में बने रहने के लिए बायोलॉजिकल हथियार तक इस्तेमाल करने को तैयार हैं। नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया ने कहा कि उन्हें पहले दिन से यकीन था कि उनके पति को जहर दिया गया था और अब इसका सबूत मिल गया है। उन्होंने पुतिन को हत्यारा बताते हुए जवाबदेह ठहराने की मांग की। वहीं रूसी अधिकारियों का कहना है कि नवलनी टहलने के बाद बीमार पड़े और उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी इन आरोपों को खारिज किया है। नवलनी पहले भी 2020 में जहर देने की कोशिश की गई थी। उस वक्त उन्हें 'नोविचोक' नाम का नर्व एजेंट दिया गया था। उन्होंने इसका आरोप क्रेमलिन पर लगाया था, लेकिन रूस ने इससे इनकार किया था।

इलाज के लिए उन्हें जर्मनी ले जाया गया था। ठीक होने के बाद जब वे रूस लौटे तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और अपनी जिंदगी के आखिरी तीन साल जेल में बिताए। ब्रिटेन पहले भी रूस पर ऐसे हमलों का आरोप लगाता रहा है। 2018 में इंग्लैंड के सैलिस्बरी शहर में पूर्व रूसी एजेंट सर्गेई स्क्रिपल पर 'नोविचोक' नर्व एजेंट से हमला हुआ था। वे और उनकी बेटी गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। एक ब्रिटिश महिला डॉन स्टर्जेस की भी मौत हो गई थी। ब्रिटेन की जांच में कहा गया था कि इस हमले को हाई लेवल से मंजूरी मिली होगी। इसी तरह 2006 में लंदन में पूर्व रूसी एजेंट अलेक्जेंडर लिट्विनेंको की रेडियोएक्टिव पदार्थ पोलोनियम-210 से मौत हुई थी। ब्रिटिश जांच में कहा गया था कि दो रूसी एजेंटों ने उन्हें जहर दिया और संभव है कि इस ऑपरेशन को मंजूरी दी गई हो। हालांकि रूस ने इन सभी मामलों में अपनी भूमिका से इनकार किया है। पुतिन पहली बार साल 2000 में रूस के राष्ट्रपति बने थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129